2879-7744 /87-28-11-87-1,256.



# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

हिमाचल प्रवेश राज्यशामन द्वारा प्रकाशित शिमाना, गीनवार, 28 नवम्बर, 1987/7 मध्रहायण, 1909

				विषय-सू	चो			
काग	1 1	वैधानिक नियमों न इत्यादि	ते छोड़	कर हिमाचल प्रदेश के राज्य	पास भीर हिमा	चल प्रदेश हाई कोई हा	and the same of th	052+062
भाग	2	वैधानिक नियमों को	ড়ার কং	विभिन्न विभागों के प्रध्यकों ।	मीर्गामना मीज	स्ट्रेटी द्वारा प्रश्चिमचन	ए हत्यादि	1060
मान	<b>3</b> .			यकों पर प्रवर समिति के प्रतिबं नेजियम कमिण्तर तथा कमि।				n 63 1 97 f
মাৰ	4	न्धानीय स्वायन शास	न : स्युनिमि	पम बाई, बिस्ट्रिक्ट बोई, नोटि	काइड घोर टार	। न एरिया नथा प बाधनै	। राज विकास	100
भाग	5	वैगांश्तक प्राधिस्थना	্থীত বি	अ।एन	7	N - 47	1	0711076
<b>भाग</b>	6	भारतीय राजपत्र क्रम	कि में सं	नः प्रकाणन <b>ः</b>		n <u>p</u>	2.14	_
भाग	7	ज्ञारतीय निर्वाचन का निर्वाचन सम्बन्धी सनुपृत्रक		etion Commission c	of India) 4	ी वैश्वांतक प्रविद्युक	र्गाए <b>नवा ग्र</b> न्य	
28 नव	भार,	1987/7 वयहागम, 19	०९ को स्थ	एस होने बाले सप्ताह में निस्त	লিখিন বিলপ্তি	यां 'समाधारण राजपत	.हिमाचन प्रदेश में प्र	कामिन हुई :
	fes	।प्तिकी मध्या	eren - 1995 -	विभाग का नाम	Name of the last o	*(# **) 0 % 0 % 0	विषय	
	86,	0-एच 0-एच 0 ए 0 ( ह दिनोकः । 6 नवस्य		पंचायती राज कियान	48.	कामडाकी विकास का राके उप-प्रधान भी व रिकेनियमित रूप से	रत्री नाम का ग्राम	पंचायत की
	- 59	च 0 एम 0 कार 0-170 (। 74-60 (८, दिनाकः । 17:		त्रयोक्यः उपायुक्तः, हमीरपुः जिल्ला हमीरपुर	न: व' विका	हमीरपुर की पंचार मि, (3) भीरंज, (4 डी में निर्वाचित सध् स्थित संदेश से नामी	b) मुत्रामपुर टीहर। यक्ष, उपाध्यक्ष, मर	ा, भ्रोप (ड)
	6.6 6.6							

(1051)

#### क्षेत्राणिक नियमों को छोड़ कर हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल और हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट द्वारा अधिस्थलाएं इत्यादि षाग । को वेक्सो हुए इस निक्य गुल्यों में यपन योधकार क्षेत्र का प्रयोग करते हुए हिमाचल प्रवेश हाई कीई कोई कमी या बढ़ीमरी कर ती यह इमकी मुख्या गुरम्म मरकार एवं निवेशक प्रमाणायम् को पुरः भौतित्य बर्भाते हाः भैते ।

NOTHICATIONS Shinla-1, the 2nd November, 1987

No. HH Admn.6(23)/74-11-13637, -- Consequent upon the grant of 47 days carned leave w.e.f. 1 12-1987 to the grant of a 7 days father the Lapta Sub-Judge-the 1 1988, in favour of Shri V K. Gupta Sub-Judge-Lapta Magnatrate 1st Class, Kandaghat, the cum Judicial Magistrate fet Class. Hona ble the Chief Justice in exercise of the powers vested in him on let rule 1.26 of the 11. P. Financial Rules, 1971. Vol J. is pleased to declare the Senior Sub Judgecun had ladicial Magistrate, Solan as Drawing and Dishursing Officer of the Court of Sub-Judge-cum-Judicial Magnitude 1st Class, Kandaghat, and also the Con-trolling O licer for the pitrpose of T.A. etc. in Fespeci of Class III and IV establishment of the aforesaid Court under Head "2014 Administration of Justice" during

# Shimla 1. the 6th November, 1987

the leave period of Shri V K Gupta, Sub-Judge cum-ludicual Magistrate 1st Class, Kandaghat or until

Shri Gupta returns from leave

No HHIC/GAZ/14-157/83 13781 .- The Hon'ble the Chief Justice and Judges are pleased to grant 11 days earned leavy with effect from 3-11-1987 to 1-1-1-1987 with permission to avail 14th and 15th Second Saturday and Sunday in favour of Shri A. C. Thalwal, Sub-Judgecum Indicial Magistrate, Amb. District Una

Certified that Shri A. C. Thalwal would have continued to officiate as Sub-Judge cum Judicial Magistrate I at Class but for his proceeding on leave for the above period.

Also pertified that Shri A. C. Thalwal is likely to join the same post and at the same station from where he proceeded to avail leave for the above period.

## Shimla Lithe 6th November 1987

No. 1111C/GAZ/14-19/75-11-13817 .-- The Hon'ble the Chief Justice and Judges are pl-aaed to grant 11 days commuted leave with affect from 7-9-1987 to 17-9-1987 in favour of Shii M. R. Verma, Registrar, High Court of Himachal Pradesh, Shimla,

Certified that Shri M. R. Verms would have continued to hold the post of Registrar but for his proceeding on leave for the above period.

Also Certified that Shri M. R. Verma has joined the same post and at the same station from where he proposeded to avail leave for the above period after the expiry of his leave

> By order B K SHARMA. Deputy Registrar (Admn.).

# दिमाचल प्रदेश शरकार .

पणपालम विशास

# र्घाध्य मन।

शियत्या-171002. म मई. 1987

गम्या पण्याजन व (8)-7/82. -इम विभाग की समिग्यना मंख्या प्रमुशानम-च (६) - 7/82, विमानः 17 मुताई, 1986 द्वारा गरिन मुल्याकन मौभीत के परासनी पर राज्यपान हिमाचन प्रवेश नवे 1980-87 पर्शितन्त्र "क" में बनाये गए प्रमुपालन विमाग के विधिन्न प्रमु एवं कुषकुर समृशाय तथा जनसे जल्यादिन बस्तुएं और चारा बीच बार्ति के वर्षे १ वस्त- ४७ के लिए विकाय बरों से मिन्नीरण को समुखे कार्य उपरास्त न्वीकृति प्रवास करते हैं । यह विकास कर नर्प 1986-87 में जाग रहेती तथा सचि नियंत्रक प्रविकारी द्वारा समय वस्त्र वाजार मान

# परिकार "क"

मन्याकन मधिनि ने पारित प्रम् समुदाय तथा जनने उत्पातिन बस्तका व गीम संबन्धी चावि को विक्य वर्ग की भौभसूचन।, वर्ग 1986 87 बुरमा धर्म धारेणी तक, यग गामन निरेता वय, हिमा वल धरेण ।

## भंद स सकारमा

(।) वेणी भेड़ (रामपुरज्ञानारी, गद्वी)	(मृत्य व्यवस्था मे)		
177	विक	1 1/2	
	41	मावा	
1	2	J	
एक माम ने कम (विकाक नहीं)	30	20	
। मास से ४ साम से कम	90	40	
3 मास से अमास संकल	HO	60	
उपास से 4 गाम ने कम	100	A O	
4 पास में 5 पास ग रूप	120	95	
इ माम् में ६ माम् में कम	140	120	
6 मास में 9 नाम रोकम	160	140	
9 माय से 1 वर्ष से कस	180	160	
। वर्षमे क्षेत्र वर्षम कम	200	180	
इंक वर्ष से ६ वर्ष संकार	235	200	

(2) रेह्यनेट (जर्मम जैपर मर्गानी/पोलवर्ष) तथा नमके समार जानीय काम (यांत कोई हा) काम मन्त्रती ।

एक मान से कम (बिकाऊ नहीं)	5.5	45
। माम में % माम में कम	135	95
2 पान से अमाम वेकन	165	130
ामाग्ये 4 मागगकम	198	160
4 माग में 8 माय में कम	230	190
९ माग में 6 माल संकम	260	225
६ माल ने 9 सम्ब <b>न्ध</b>	290	255
भवास सः । तर्पन कम	325	295
। वर्षने देव वर्णम कम	355	315
बंद वर्ष से 5 वर्ष संकम	385	350
48 44 4 5 44 4 TH	385	

(3) पोलवर्ष (मनी मरीना) जर्मन जैंड गरीना (रेडबलर)

वेगी भंड (फार्म गलिति)।		11.7
एक साम न कम (विकाक नहीं)	35	- 30
। साम से 2 माम में कम	85	65
2 माथ मे 3 सामग्रहम	120	9.5
उपाय में 4 माल गक्त	150	130
4 गाम में 5 माम गें कम	180	160
5 मास में अमान से कम	210	190
हमाय ने क्षमाभ वेकम	245	225
9 मान में । वर्ष स्वत्म	275	255
1 वर्ष से बंद वर्ष में काम	105	2N 5
वेड वर्ण से क्षत्र से कास	140	31.5

(A) mel ustra (1				term was to the		
(4) लगी गरीनों (रैस्न्लैट प्राप्ति ए	का, एक ४ घानि) मन्य	भवती मे	भाष् होनम्रोन जीर्नियन/		र पश्चम् (रुपयां में	र्धायक
एक माम ने कम (बिकाक सही)	40	4.0				0.000
। माग में 2माम में कथ	95	75		1501 2001	2501	1001
2 मार्ग ने 3मासने कम	1.10	195		4 . T	ř	4
ा गाम में 4 गाम गंकम	160	140		2000 2500	3000	प्राथक
4 मान ने हमान ने कम	190	170				_
वृ मार्ग में हमान म कव	225	200		1 2	3	4
र्तमासम् भगासस्य	255	235	क भाग में कम	250 500	500	700
७ माग में । वर्ष से कम	285	265	स्वाम में 12 वाम म क्य	500 600		900
ामधे मार्जनर्गने कम जैक्का वर्षमें हत्वर्गने कम	119	295	12 माम में 18 माग में कम	900 1000	700	1300
	350	330	19 मान <i>न अ</i> त्र	1500 1600		3000
(॥) रेम्बल्ट मेटण्डा(प्रामान की ग	र्डवीजस्टाक)	क्षयो में	डियाणी			
(1) मेका		300 00				
(2) मेंब मावा		400.00	(।) तर पश्चाक उपरो	क्स मृत्य माठका	म कथ नक	4 331
4791		300 00	तपरास्त इमका गृत्य ५ वर्ष य			योग ।।
للتريين للمعاصف والمتارين أأنتأ أوا للسيسوال			मर्ग में प्रयोजन 200 म्या ह	त्वर्णकष कर विधा	क्षायः ।	
ल्सी मरीयो में इण्ड (भ्रापाल की प		रुपपां मे	(2) इरमरपण्काप्लाइ	यः प्रामा के निए दु	गना होगा ।	
• मेंद्रा	17	90 00	( 1 )			
नेष मावा	16	62.00	(J) तहां परतीत किलोमी पर प्रतनन का कोई प्रावधान	रुक्कापासम्बद्धाः	HIU BIS!	चाड ना
(н) धंगोरा बकरी (गिलिन)	रुपमे	माप्रे	पर प्रवचन का काइ प्रावधान प्रियक्त प्रवित्तरीच किसान स् चेगातीविशास उनका दिना स्	रावेजीतक हिन क	नग् सर पन्	वत्रत्व ह
	सर	मादा	कार्मीपर ऐसे पण उपलब्धः। जागुहोगाः।			
, men in ma	(विकास	(fasts				
4 मामगक्रम	नहीं)	नहीं)	(4) पंचायत व किसात	गाय का गमेत्रनी क	रसका ग्र	क ले मक
4 मास सं समाम ने कम	100	90	तो भी विभाग ने निर्धारित			
	1.36					
स माम में 9 माम में कम		120	मादा ग्रीमध्यत (मबसे ग्री	द्यकतृष्य वेते वालाः	मान पहले व	यांन तक
9 वान में 12 मान से कम	170 210	150		किलोपाम)		
। 2. मास सं 2 वर्ष से कम 2. वर्ष से 5 वर्ष से कम	250	140				
2 44 4 544 4 104		21717		1501	2000	2501
तकश्यों के मारमासंतक के यंज्यों है। निश्चित हैं:—	मुल्य बुक्त वैरूप् के जि	ए निम्म	म्राय्	4 2000	2500 .1	3000
representation of the second	मृत्य स्पर्धाः	में माना	1	2		
	#1	मावा				(क स्मे
			६ पाम म राम	1400	1500	160
एक माग से कम	25	20	ह मास से 12 मान ने कम	2000	2100	220
। मास्य 2 मान्यकम	35	30	12 मान ने 18 मान ने कम	2500	2800	270
	45	40	। भ मास सं न्यांन तक	2900	3000	310
2 माम् म् उभागसक्त					3501	400
2 माम में 3 माम से कम 3 माम में 4 माम में कम	55	50		3001		मे
	65	50		वे	से	0.00
3 माम में 4 माम में कम	55	50		4 .1500	4000	प्राप
	55	50		वे		प्राप्त 7
3 माम में 4 माम में कम				4 .1500	4000	7
3 मान में 4 मान में कम रिप्पणी			6. <b>गांथ से क</b> म	4 .0500 <b>5</b> 1700	4000 6 1900	7 210
3 माग से 4 माग से कम रिल्ली गांच नर्म व इसग अंतर की ग्राण् नाग	ी भेडी तथा अकारयो व	री बरा में		मे .0500 \$	4000 6	7 210 370
3 माग से 4 माग से कम रिल्ली गांच नर्म व इसग अंतर की ग्राण् नाग	ी मेडी तथा अकारयो व	ति बरा में o प्रतिगत	ह माम ग 12 माम में कप	4 .0500 <b>5</b> 1700	4000 6 1900	7 210 370 320
3 मान से 4 मान से कम रिप्पणी पांच बर्चब इसगं अंगर की झाण्याल जन्म प्रकार से करी की जालती	िमोडी तथा अकारयो व 10 20	ति बरा में o प्रतिगत o प्रतिगत		में .6500 5 1700 2300	4000 6 1900 2500	7 210 370 320
3 मान से 4 मान से कम रिप्पणी	ी भेडो नया वर्कारयो व 10 2 2	ति बरा में o प्रतिगत o प्रतिगत s प्रतिगत	6 माम गे 12 माम से कम 12 माम से 18 माम से कम 18 माम से स्थात तर	4 .1500 5 1700 2300 2800 3200	4000 6 1900 2500 3000 2400	7 210 370 320 360
3 साम में 4 मान में कम रिप्पणी गांध कर्ष ब इसग अंतर की साय वाल विस्ता प्रकार से कभी की जाएगी 4 वर्ष से 8 वर्ष में कस 8 वर्ष से 7 वर्ष से कम	ी सेंडो तथा वकरियो व 10 20 2. 3.	ी बरा में 0 प्रतिगत 0 प्रतिगत 5 प्रतिगत 0 प्रतिगत	6 माम गे 12 माम से कम 12 माम से 18 माम से कम 18 माम से स्थात तर	4 .0500 5 1700 2300 2800	4000 6 1900 2500 3000 2400	7 210 370 320 360
3 माम से 4 माम से कम रिप्पणी	ी सेंडो तथा वकरियो व 10 20 2. 3.	ति बरा में o प्रतिगत o प्रतिगत s प्रतिगत	6 माम गे 12 माम से कम 12 माम से 18 माम से कम 18 माम से स्थात तर	4 .1500 5 1700 2300 2800 3200	4000 6 1900 2500 3000 2400	7 210 370 320 369 群)
3 मान से 4 मान से कस पांच वर्ष व इसग अंतर की साय वाल जिला प्रकार ने कभी की जाल्मी द बर्च से 8 बर्च में कस 8 बर्च से 7 बर्च में कस 8 बर्च से 7 बर्च में कस 8 बर्च से 18 बर्च में कम 8 बर्च से 18 बर्च से कम	ी भेडी तथा अर्कारसो । 10 24 2. 30 3	ति बरा में 0 प्रतिगत 0 प्रतिगत 5 प्रतिगत 0 प्रतिगत 5 प्रतिगत 5 प्रतिगत	6 बास ग 12 मान से कम 12 मास से 18 मास से कम 18 मान से न्यान नर- बुग्राक साथ सबन (क) 1500 किलोगाम नव	में .1500 5 1700 2300 2809 3200 चांचक दूस का समि	4000 6 1900 2500 3000 2400 河城 ( 野中)	7 210 270 320 360 第)
3 मान से 4 मान से कम गांच वर्ण व इसग अंगर की आग् वाल नांच प्रकार से कभी की जागगी अ वर्ष से 8 वर्ष में कम 8 वर्ष से 7 वर्ष में कम 7 वर्ष से 8 वर्ष में कम 8 वर्ष से 10 वर्ष में कम 8 वर्ष से 10 वर्ष में कम से 10 वर्ष में कम	ति भोडी तथा वक्तरिया व 10 22 3. 30 इस्से सभा निरंगक.	ी बरा में o प्रतिचन o प्रतिचन o प्रतिचन o प्रतिचन s प्रतिचन प्रमुखानम्	ह बास थ 12 मान से कम 12 बास थ 18 मान से कम 18 मान से ज्यान कर बुद्धान गाय सबन (क) 1500 किलोधान सब (ब) 1501 किलोधान स	ই .1500 5 .1700 2300 2800 3200 আধিক মুম্ব কা মন্দি (	4000 6 1900 2500 3000 2400 जेब्द (कदयो	7 210 270 320 360 第) 340 350
3 मान से 4 मान से कस  गांच वर्ष व इसग अंगर की साय वाल सम्म प्रकार से कभी की जाएगी  द बच्च से 8 बच्च में कम  7 वर्ष से 8 बच्च में कम  8 बच्च में 7 बच्च में कम  9 बच्च में 8 बच्च में कम  9 बच्च में 1 कम	ति भोडी तथा वक्तरिया व 10 22 3. 30 इस्से सभा निरंगक.	ी बरा में o प्रतिचन o प्रतिचन o प्रतिचन o प्रतिचन s प्रतिचन प्रमुखानम्	ন নাল গ 12 দান ব ক্য 12 বাবে গ 18 দান ব ক্য 18 দান ব ক্যাব গাব  ভুডাৰ বাব দৰ্শ  (ক) 1500 কিলীয়ান বৰ  (ব) 1501 কিলীয়ান ব	ই এই চচ এই	4000 6 1900 2500 3000 2400 जेब्द (कदयो	7 210 370 320 360 <sup>(4)</sup> ) 340 350 360
3 मान से 4 मान से कस  गांच वर्ष ब इसग अंगर की आग वाल  गांच वर्ष ब इसग अंगर की आग वाल  द बच्च से 8 वर्ष से कस  8 वर्ष से 7 वर्ष से कस  8 वर्ष से 7 वर्ष से कस  9 वर्ष से 10 वर्ष से कस  12 वर्ष से 10 वर्ष से कस  से साम के अनुगांवन पर काल्या	ी सेडो तथा बकरियो व 10 20 30 3 रणो तथा निरंगक, 1 करके नीजाम कर बिम	ी बरा में 0 प्रतिणन 0 प्रतिणत 5 प्रतिणत 6 प्रतिणत प्रमुखला प्राचित्र भागपाला भागपाला भागपाला	ন নাল গ 12 দান ব ক্য 12 বাবে গ 18 দান ব ক্য 18 দান ব ক্যাব গাব  ভুডাৰ বাব দৰ্শ  (ক) 1500 কিলীয়ান বৰ  (ব) 1501 কিলীয়ান ব	ই এই চচ এই	4000 6 1900 2500 3000 2400 जेब्द (कदयो	7 210 370 320 360 <sup>(4)</sup> ) 340 350 360
असाम में 4 साम में कम गांध गर्प व इसग अंगर की साय वाल जिस्सा प्रकार से कभी की जागगी व वर्ष से शवर्ष में कम त वर्ष से शवर्ष में कम भ वर्ष से किस में कम भ वर्ष से 10 वर्ष से कम से 10 वर्ष से कम नोट —कोल्ला सीमीत की सिकार्स विभाग के सनुगीवन पर कोल्ला 2. मुख्य चटाये का सामारी सास पूर्ण	ी सेडो तथा बकरियो व 10 20 30 3 रणो तथा निरंगक, 1 करके नीजाम कर बिम	ी बरा में 0 प्रतिणन 0 प्रतिणत 5 प्रतिणत 6 प्रतिणत प्रमुखला प्राचित्र भागपाला भागपाला भागपाला	6 नाम र 12 मान से कम 12 मान ने 18 मान ने कम 18 मान ने ज्यान नक कुणा नाम सबत (क) 1500 किलोमाम नव (स) 1501 किलोमान ने (ग) 2001 किलोमान से (क) 2401 किलोमान में (क) 2401 किलोमान में	ই .1500 5 .1700 2300 2800 3200 আধ্বৰ কুম কা মুখি 1000 কিবাধাৰ বৰ 2400 কিবাধাৰ বৰ 5500 কিবাধাৰ বৰ	4000 6 1900 2500 3000 2400 नेष (क्या)	7 210 370 320 360 第) 340 350 360 380 410
अमान से 4 मान से कम  गांच वर्ष व इसग अगर की आग् वाल लग्ग प्रकार से कभी की आगांगी  क्षा स ७ वर्ष में कम  अवर्ष से १ वर्ष में कम  विद्यान की सम्मानित की सिकार्ग  [मिना को सम्मानी सागु सुन अ	ी मेडी तथा बकारयो व 10 20 30 30 सभी सभा निरंगक, 1 करके सीजाम कर क्रि	ी बरा में D प्रतिभाग D प्रतिभाग 5 प्रीतभाग D प्रतिभाग प्रभागि प्रमुख्य प्राची 1 प्रित मूल्य	6 नाम र 12 मान से कम 12 मान ने 18 मान ने कम 18 मान ने ज्यान नक कुणा नाम सबत (क) 1500 किलोमाम नव (स) 1501 किलोमान ने (ग) 2001 किलोमान से (क) 2401 किलोमान में (क) 2401 किलोमान में	ই .1500 5 .1700 2300 2800 3200 আধ্বৰ কুম কা মুখি 1000 কিবাধাৰ বৰ 2400 কিবাধাৰ বৰ 5500 কিবাধাৰ বৰ	4000 6 1900 2500 3000 2400 नेष (क्या)	7 210 370 320 360 第) 340 350 360 380 410 450
अमान से 4 मान से कस  गांच वर्ष व इसग अंगर की आयु वाल  गांच वर्ष व इसग अंगर की आयु वाल  जिल्ला प्रकार ने कभी की जाल्मी  व वर्ष से 8 वर्ष में कस  से वर्ष में 7 वर्ष में कम  से वर्ष में 10 वर्ष में कम  गोर - कलिला सीमीत की सिकारि विभाग के सनुभीवन पर कलिय	ति मेडी तथा वर्कारयो व 11 22 2 3 उस्मी तथा निरंगक, गकरके नीजास कर बिस की सबसे धर्मिक निम्म धरको के जिस्सीत सुन्य	ी बरा में D प्रतिमत D प्रतिमत D प्रतिमत B प्रतिमत पण्यालम याजाये । पिरत मूल्य होमा ।	6 जांस र 12 मांस से कम 12 पांस से 18 मांस से कम 18 मांस से ज्यान गर कुणक गांस सबत (क) 1500 किलोबास मद (स) 1501 किलोबास से (प) 2001 किलोबास से (प) 2401 किलोबास से (क) 3001 किलोबास से	ये .1500 5 1700 2300 2809 3200 पांचक दूध का प्रांच 6 1811 न 7 2400 कि नावाम न 7 2400 कि नावाम न 8 2600 कि नावाम न 8 260	4000 6 1900 2500 3000 2400 नेष (क्या)	7 210 370 320 360 第) 340 350 360 380 410

# विदेशी पण :-

1471-72 में ब्रास्ट्रेलिया में पाधान किये

मन्द	मूल्य वहुंच (रूपये)
and the second s	and the second s
चमित्रित नमी बज्जिमी/माड	4000
Alanat and a second	प्रति प्रश

(2) भारतीय देरी जिगम द्वारा 1972-73 में घाषात किंग गये जमीं/हीमस्टेन फीजियन पर्म ।

ग्रमिश्वित तसी होजस्टेन की जियन गाय बल्हिया 7790 प्रति पण

(3) 1976-77 में बास्ट्रेलिया से

नमीं हालस्टेन बाबात किये की जियन पत्र

कार्य प्रति पश

1) जमीं बर्छारयां	7188 00
	and the second s
2) होलग्टेन फीब्बियन क्लाहियां	9023.00
3) जर्सीसार	9134.00
<ol> <li>होलस्टैन फीजियन साह</li> </ol>	12789 00

चाथा जसी/होलस्टेन चाधे में घधिक जमी/

× *	काम (काये)			होलस्टेन कास (हप्य )		
man make an analogous areas a second		नग	मादा	नर	मादा	
6 मास में कम		50	850	60	950	
6 माससे । वर्ष से कम		60	1300	70	1400	
। वर्षं में 2 वर्षं में कम		110	1800	140	1900	
2 वर्ष से 3 वर्ष ने कम		140	2350	160	2450	
उवयं मे 4 वर्ष मे कम		180	2750	220	2850	

गायों का कुल मृल्य निकासने के लिए प्राथमिक मृत्यों के साथ निम्ननिक्ति नियमा को स्थान में रखें .--

। सम्मोजनी होने पर इस काय् संघ की कुल सल्य पर 10 में 15 प्रतिकृत पहले हमाम व उसके बाद अभन ग्राम्तिक मृत्य लिया तायेगा ।

2. प्रतिदिन हर एक जिटर दूध उत्पादन पर 25 रुपये प्रधिक निया जायेगा ।

3. यदि गाय 5वी या 6वी बार स्थाही गई हो तो कास्तविक बक वैस्यु जो उस गाय के सामने लिम्ही गई हो से 10 प्रतिशत मूल्य कम लिया वायेमा यदि गाय ज्वी या इसमें प्रधिक बार ज्याही गई हो तो वास्त्रविक बक्त वैल्यु हो सामने लिम्ही गई हो से 20 प्रतिशत कम मृत्य लिया जायेगा परन्तु किसी भी तजा में समिश्रित साथ का मूल्य 700 रूपये से कम न हो तथा दोगजी नसल की गाय का 50 रुपये में कम नहीं होगा।

 नर तथा भाषा पण का मृत्य दुसरे प्रदेशा के लिए 100 प्रतिकृत प्राधिक होगः ।

६ तयं बायान किये वयं वसी होलस्टेन फीजियन गाय/बर्फाब्यां/ स्तरता का मृत्य भारत में पहुचने का मृत्य ही उनकी बुक वैत्यू निर्मारित किया गया है।

# बार वर्ष में संबिक काम देव बैल साह

गाय क बारे --

4---- 5 वर्ष की ब्राय् के लिए 5 प्रतिज्ञत का बढ़ाता ।

5--- स वर्ष की भाग के लिए 10 प्रतिशत का बढाता। ६-- 7 वर्ष की साय् के जिल 15 प्रतिजन का बढ़ाना।

7--- 8 वर्षकी साथुको लिए 20 प्रतिकृत का बढ़ाना

8--- 9 वर्ष की मायु के जिए 5 प्रतिशत की कभी ।  गन्दी कुले तथा सीमाकुली कुले:-

पाय

1	2	3
	300-00 to to to	200
) भाग मे कम	50	40
अमाम ने हमाम ने कम	80	60
ь मास में 9 मास ने कम	110	40
9 माग ने बधिक	150	130
		***************************************

(म्पयो में)

मेड ६ रुपये प्रति किलोग्राम जीवित भारः। बकरी 7 रुपये प्रति किलोधाम जीवित भार।

कम्पोबिट बधना दुम्प्र परियोजना (सरकारी फार्म) ।

निवेशक, पण्पालन विभाग, हिमाचल प्रदेश, विभिन्न तुरस परियोजनाओं के बालगंत बुल्प के कम मृत्य तथा दुर्ध व दुर्ख गदार्थ के विकय मृत्य बाजार में समय-समय पर उतार बंदान की झ्यान में रचते हुए निर्धारित करेगा । तरकारी फामी पर उत्पादित दूध व दृख पदार्थों का विक्रय मूल्य भी निर्देशक, पश्पालन विभाग, हिमाजल प्रदेश द्वारा फार्मा तथा उप-निर्वेशक (बुग्ध) की सिफारिकों पर निर्धारित किया जायेगा तथा इस कार निर्देशक, पश्पालन, हिमानल प्रदेश की सरकार को सूचना भेजनी होगी।

ग्रापरे

माम की वरे :---

दरे मधी कामों के लिए (पीमो तथा टापरी के म्रातिस्कित)

		<b>म</b> तु	<b>ग</b> रद	T.J	
1	म्रप्रैल से	30 सितम्बर तक)	(। घक्तूवर	म 31	मान नक)
	ग् वेड	50 पैमे	ए ग्रेंड		60 <del>9</del> 4
	की ग्रंड	45 TH	की सेक		Ax

पीयो तथा टापरी के लिए ग ग्रेष 60 पैंग ग ग्रेष्ट 70 TH बी पेड 55 वैम नी ग्रेष्ट 65 पैस

दरे:---नये स्टेन वाली 10 सप्ताह में 23 मप्ताह तक की मृती के घण्डों का विक्रय मूल्य .

पाटम ऋतु	गरव ऋतु । अ यु
20 गैमे	30 पैस
ना स्टेन के उपरोक्त ग्राण्ड नक कम न ग्राधिक बाजारी भाव	कि मृत्य प्रभारी स्रधिकारी 5 पैसे की देख कर कर सकता है।

2. हैचिन के लिए भण्डे का मृत्य प्रत्येक भण्डा 1.50 रिपये होगा ।

有牙索刀

मानं के लिए प्रति कि नोक्षाम सभी कार्मों के सिल् (पीद्यों वटापरी के धार्तिरक्त)

मार ऋषु शीवित भार 16 कावे 15 स्वयं दरेसई खाने के जिल 23 844 22 क्पये | प्रीप्म अनुपु

सरव ऋहु

षायु संघ

R- 9

नीयों व टापरी के लिए

सीवित चार हो कि एवं 25 स्पर्य 10-11 9.50 सभी सामी के लिए (रीचार वरायों के लिए (रीचार वरायों के लिए स्थान के लिए पर्य 25 स्पर्य 1-1-2 11.76 सामिया के लिए (रीचार वरायों के लिए पर्य 25 स्पर्य 1-1-5 15.50 सामिया के लिए पर्य 15 स्पर्य 16 स्पर्य 1-1-5 15.50 सामिया के लिए पर्य 25 स्पर्य 25 स्पर्य 16-15 15.50 सामिया के लिए पर्य 19 स्पर्य 16-17 17.00 15-16 17.00 सामिया के लिए पर्य 19 स्पर्य 19-20 23.00 की सामिया के लिए पर्य 19 स्पर्य 19-20 23.00 की सामिया के लिए पर्य 19 स्पर्य 19-20 23.00 की सामिया के लिए पर्य 19 स्पर्य 19-20 23.00 की सामिया के लिए पर्य 19 स्पर्य 19-20 23.00 20-21 सामिया के लिए पर्य 19 स्पर्य 19-20 23.00 20-21 सामिया के लिए पर्य 19 स्पर्य के लिए पर 19 स्पर के लिए पर 19 स			नाय भारू	त्म अत्रु	R- 9	8.50 11.00
स्थान को किए 26 रुपये 25 रुपये 11-12 10.55 स्विति प्रतास के जिए (पीचा व ट्रायमें के पिता को 11-12 11.75 सिति को 11-12	जीवित भार		10.144		9-10	
स्वी कार्यो के लिए (शिया व टायमों के लिए (शिया व टायमों के लिए स्वीया कार्या कर से कार्य कार्य के लिए से कार्य कर के लिए से कार्य कार्य कर कि लिए से कार्य कार्य के लिए से कार्य कार्य कार्य के लिए से कार्य कार्य कार्य के लिए से कार्य कार्य के लिए से कार्य कार्य के लिए से कार्य कार्य कार्य के लिए से कार्य कार्य के लिए से कार्य कार्य कार्य के लिए से कार्य कार्य कार्य के लिए से कार्य कार्य के लिए से कार्य कार्य कार्य के लिए से कार्य कार्य कार्य के लिए से कार्य कार के लिए से कार्य कार कार्य के लिए से कार्य कार कार्य के लिए से कार		fero			The state of the s	0.000
श्रीति का विकास (किसाया)  श्रीति प्राप्त : 18 स्पर्य : 18 स्पर्य : 15 - 16 : 12.00 श्रीति प्राप्त : 18 स्पर्य : 15 - 16 : 12.00 श्रीति प्राप्त : 25 स्पर्य : 23 स्पर्य : 15 - 16 : 12.00 श्रीति प्राप्त : 20 स्पर्य : 19 स्पर्य : 16 - 17 : 18.50 श्रीति प्राप्त : 20 स्पर्य : 19 स्पर्य : 18 - 19 : 21.50 श्रीत व प्राप्त : 20 स्पर्य : 19 स्पर्य : 18 - 19 : 21.50 श्रीत व प्राप्त : 18 स्पर्य : 18 - 19 : 21.50 श्रीत व प्राप्त : 18 स्पर्य : 18 - 19 : 21.50 श्रीत व प्राप्त : 18 स्पर्य : 18 - 19 : 21.50 श्रीत व प्राप्त : 18 स्पर्य : 19 - 20 : 21.00 श्रीत व प्राप्त : 18 स्पर्य : 19 - 20 : 21.00 श्रीत व प्राप्त : 18 स्पर्य : 19 - 20 : 21.00 श्रीत व प्राप्त : 18 स्पर्य : 19 - 20 : 21.00 श्रीत व प्राप्त : 18 स्पर्य : 19 - 20 : 21.00 श्रीत व प्राप्त : 18 स्पर्य : 19 - 20 : 21.00 श्रीत क स्पर्य : 17 स्पर्य : 26.00 श्रीत क स्पर्य : 17 स्पर्य : 27 स्पर :	भी फार्मी के लिए	(पीद्यों के शतकी के	20 544	25 544		
14-15	प्रतिग्रित ) :	र स्थान व द्वानामा				
श्रीवत भार   18 लाये   19 लाये   15-16   17-00   17-01   18-00   18-19   21-50   18-19   21-50   18-19   21-50   18-19   21-50   18-19   21-50   21-50   18-19   21-50   21-		र्राधक (किलाग्राम)				
श्री के शार के शिला 25 ल्यंचे 23 ल्यंच 16-17 18.50 थांच टायंगी के लिए 27 लयं 19 ल्यं 19 ल्यं 18-19 21.50 वर्गा के श्रीमंत भार 20 ल्यं 19 ल्यं 19 ल्यं 18-19 21.50 वर्गा के श्रीमंत भार 20 ल्यं 19 ल्यं 19-20 23.00 ते वांचे सामन का पावने पंचाय पति का वांचे के बाली निकल के पावने पंचाय पति लंगे (इक्कुट) की बिच्य के बाली निकल के पावने पंचाय पति लंगे (इक्कुट) की बिच्य के बाली निकल के पावने पंचाय पति लंगे (इक्कुट) की बिच्य के बाली के बाली निकल के पावने पंचाय पति लंगे (इक्कुट) की बिच्य के बालों के बाली निकल के पावने पंचाय पति लंगे (इक्कुट) की बिच्य के बालों के बाल	जीवित भार		18 छात्रे ।	1 4 FT/I	and the same of th	
श्री व रापणी के जिला   17-18   20 000   18-19   21-50   21-		मि <b>रा</b> ग			30-CM - 300	
स्रिक्त नार के लिए 27 रुपये 26 रुपये 19 -20 23.00 ते वाले जायकर तथा दूसरी घृषिया के सार्थ 27 रुपये 26 रुपये 19 -20 23.00 ते वाले जायकर तथा दूसरी घृषिया के सार्थ 26 रुपये 21 वर्षांक 26 रुपये 32 के प्रथम विशेष के प्रथम विशेष						
19-20   21 00   20			20 100	10.10		
प्रति चर्चन तथा दूसरी वृश्यिम के ब्राव्हे वर्ग के लिए सार्च कर्म के लिए माने वर्ग के लिए सार्च		feer				
प्रशिच क्षण्या मार्ग वर्ग कं जिल्ला हिमा बार्ग कर्म से पालनं योग्य पत्रियों (कुक्टूर) की विकर्ण हिमा बार्ग कर्म से पालनं योग्य पत्रियों (कुक्टूर) की विकर्ण हिमा बार्म पर्य दें (टायरों व गीघा कामों के धोर्तास्त्रक ) मार्ग हिमा बार्म हिमा हिमा बार्म हिमा हिमा बार्म हिमा बार्म हिमा बार्म हिमा बार्म हिमा बार्म हिमा हिमा हिमा हिमा हिमा हिमा हिमा हिम				20 999	2001 000	
सुपति देने वाली नस्तर के पालन योग्य पतियों (कुक्टूट) की विकय्र र (टायरी व पीधा के सितिक्ति):  साय गण से (टायरी व पीधा काली के सीतिक्ति) मां हिमाजन त्याह किए:  पिये मां किए किए किए के किए किए के किए	पनि प्रणका । क	EGHI.		m		
स्था के लिए । जिस जीत   जित जीत   जिस जीत   जित जीत   जिस जीत   ज	प्रण्डे देने वाली	नसल के पालने योग्य				
स्पताह तर/बाबा (बिला जिला काल) (रुपये) नर पादा (बिला जिला काल) (रुपये) नर पादा (बिला जिला काल) (रुपये) 3.00 0.65 5.80 1-2 3.50 2.00 6.10 5-6 10.50 9.00 1-2 3.50 3.00 7.20 7-8 13.50 13.50 7.70 5-6 5.75 4.00 8.20 6.70 7-8 13.50 7.70 5-6 5.75 5.00 8.70 7-8 7.55 6.00 9.40 13.50 7.70 8 13.50 8.70 7-8 7.75 6.00 9.40 13.50 8.70 7-8 7.75 6.00 9.40 13.50 8.70 10-11 10.00 12.25 13.50 10-11 10.00 12.25 13.50 12-13 12.50 13.75 16.50 13-14 13.75 16.50 14-15 15.00 18.00 1-2 5 13-14 13.75 16.50 14-15 15.00 18.00 1-2 5 10-17 18.00 22.00 3-4 7.25 17-18 19.50 24.00 4-5 8.50 18-19 21.00 26.00 5-6 9.75 19-20 22.50 29.00 6-7 11.00 12.50 19-20 22.50 29.00 6-7 11.00 12.50 19-20 22.50 29.00 6-7 11.00 12.50 19-20 22.50 29.00 6-7 11.00 12.50 19-20 22.50 29.00 6-7 11.00 19-20 22.50 29.00 6-7 11.00 19-20 22.50 29.00 6-7 11.00 19-20 22.50 29.00 6-7 11.00 19-20 22.50 29.00 6-7 11.00 19-20 22.50 29.00 6-7 11.00 12.50 19-20 22.50 29.00 6-7 11.00 19-20 29.00 6-7 11.00 19-20 29.00 6-7 11.00 19-20 29.00 6-7 11.00 19-20 29.00 6-		प्रपरीव पीम्राफार्मी	के द्यतिस्थित्) स	या हिमाचल	घाय	
सन्ताह तर/मावा (विना जिल काल) (रुपये) नर पादा 1-2 5.25 (क्यये) 7.50 (क्यये) 2-3 6.25 (क्यये) 1-2 3.50 2.00 6.10 5-6 10.50 1-2 3.50 2.00 6.10 5-6 10.50 3.40 7.20 7-8 12.00 7-8 13.50 7.70 5-6 5.75 4.00 8.20 8.70 7-8 7.75 6.00 9.40 7-7 12.00 7-8 7.75 6.00 9.40 7-7 12.00 7-8 7.75 6.00 9.40 7-7 12.00 7-8 7.75 6.00 9.40 7-7 12.00 7-8 7.75 10-11 10-11 10.00 12.25 जा 11-12 11.25 13.50 12-13 12.50 15.00 13-14 13.75 16.50 13-14 13.75 16.50 13-14 13.75 16.50 13-14 13.75 16.50 15-16 16.50 20.00 15-16 16.50 20.00 16-17 18.00 22.00 15-16 16.50 20.00 16-17 18.00 22.00 16-17 18.00 22.00 16-17 18.00 22.00 16-17 18.00 22.00 16-17 18.00 22.00 18-19 21.00 26.00 18-19 20 22.50 29.00 2-3 6.00 19-20 22.50 29.00 2-0 12 1 सन्ताह क मीच मीच मान जिल मान काल किए प्रचान की मीच मान जिल मान की पालने पाल कुक्टर की विकास की पालने पाल की पाल मान पाल की वालों के पाल की पाल मान पाल की पाल मान पाल की प	स्वमाकालएः					
(रुपये)   नर पादा   1-2   5.25     (रुपये)   7.50   6.25     1-2   3.50   2.00   6.10   5-6   10.50     2-3   4.00   2.50   6.50   6-7   12.00     3-4   4.50   3.00   7.20   7-8   13.50     3-4   4.50   3.00   7.20   7-8   13.50     3-4   4.50   3.00   7.20   7-8   13.50     4-5   5.00   3.50   7.70   7-8   13.50     5-6   5.75   4.00   8.20   8.4				11न		
(त्रवि)   (त्रवे)   (त्	मप्ताह नर					
1-2   3.00   0.65   5.80   4-5   9.00     1-2   3.50   2.00   6.10   5-6   10.50     2-3   4.00   2.50   6.50   6-7   12.90     4-5   5.00   3.50   7.70     4-5   5.00   3.50   7.70     5-6   5.75   4.00   8.20     6-7   6.75   5.00   8.70     7-8   7.75   6.00   9.40		(रुपये)				
1   1   2   3.50   2.00   6.10   5-6   10.50     2-3   4.00   2.50   6.50   6-7   12.00     34   4.50   3.00   7.20   7-8   13.50     34   4.50   3.00   7.20   7-8   13.50     4-5   5.00   3.50   7.70     5-6   5.75   4.00   8.20   8 मग्ताह के बाद बर जीविन मार प्रति किलापाम के धन् निष्ण ने मार्था			(1	ह्ययं )		
1-2   3.50   2.00   6.10   4-5   9.00     2-3   4.00   2.50   6.50     3-4   4.50   3.00   7.20     4-5   5.00   3.50   7.70     4-5   5.00   3.50   7.70     5-6   5.75   4.00   8.20     6-7   6.75   5.00   8.70     7-8   7.75   6.00   9.40     1-8   1-9   7.75   6.00   9.40     1-1   1   1   1   1   1   1   1     11-1   1   1   1   1   1     11-1   1   1   1   1     11-1   1   1   1   1     11-1   1   1   1   1     11-1   1   1     11-1   1	0-1	3.00	0.65	5 80		
2-3 4.00 2.50 6.50 6.50 6-7 12.00 34 4.50 3.00 7.20 7-8 13.50 4-5 5.00 3.50 7.70 5-6 5.75 4.00 8.20 8.20 6-7 6.75 5.00 8.70 7-8 7.75 6.00 9.40    प्राप्त पंत्र   पादा   प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त कर्मा कर्म प्राप्त कर्म कर्म वर्म प्राप्त कर्म कर्म कर्म प्राप्त कर्म कर्म वर्म प्राप्त कर्म कर्म कर्म प्राप्त कर्म कर्म कर्म वर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म क						
3-4   4.50   3.00   720   7-8   13.50   3.50   7.70   5-6   5.75   4.00   8.20   8.70   7-8   7.75   5.00   8.70   7-8   7.75   6.00   9.40   7.75   6.00   9.40   7.75   6.00   9.40   7.75			200	100		
13.50   3.50   7.70   7-8   13.50   7.70   5-6   5.75   4.00   8.20   8.47715   \$\)   \$\)   \$\)   \$\]   \$						
5-6     5.75     4.00     8.20       6-7     6.75     5.00     8.70       7-8     7.75     5.00     8.70       (मृत्य सर्वों में)       साय संव       साय संव <td>-10</td> <td></td> <td></td> <td></td> <td>7-8</td> <td>13.50</td>	-10				7-8	13.50
10   10   11   10   10   11   10   10   11   10   11   10   11   10   10   11   10						Man
10   10   10   10   10   10   10   10					प्रभागाहक बाददरज	।।वन भार प्रानः।कलाग्रामं कं ग्रन्सारं हो
साय संघ   (मृत्य करायों में)   तर मादा   त्रिण संघ नायेग   न तर मादा   व्याप संघ   न तर मादा   व्याप संघ   न तर मादा   व्याप ना तर करान होना परि प्रावप्यक्ता में प्राप्य के विषय है न विषय कराये हैं न वाली नाक के लिए रर्ष जायेग   न तर मादा   विषय कराये हैं न वाली नाक के लिए रर्ष जायेग   न तर मादा   विषय कराये के विषय कराये कराये कराये कराये के विषय कराये के विषय कराये के विषय					नोट 16 सप्ताह के	बाद केवल वने मर्गफार्न पर प्रकार
सायु मंच						
अनु संघ   स्वाच   स्वाच   स्वाच   स्वाच   स्वाच   स्वाच   स्वच   स्वाच   स्वच   स्व			(मृत्य	रुपयों में)		
8-9 9-10 9-10 9-00 11-50 10-11 10-00 12-25 11-12 11-12 11.25 13.50 12-13 12-13 12.50 13-14 13.75 16.50 14-15 13-14 13.75 16.50 14-15 15-16 16.50 20.00 15-16 16.50 20.00 16-17 18.00 22.00 16-17 18.00 2-3 16.00 1-2 18.00 18	ग्राय् संघ		नर	मादा	चुत्रा 50 पैसे में	बेचा जायेगा । न त्रिकने पर प्रमारी
9-10 9.00 11.50 प्रायु मंघ बायनर स्टेन के लिए 10-11 10.00 12.25 प्रायु मंघ बायनर स्टेन के लिए ने प्रायु शे प्रति विकास के प्रति के प्रति प्रयोग के प्रति प्रयोग के प्रति प्रयोग के प्रति प्रति के प्रति प्रयोग के प्रति प्रवार के प्रति के प्रति प्रयोग के प्रति प्रवार के प्रति प्रवार के प्रति के प्रति प्रवार के प्रति के प्रति प्रवार के प्रति के के प्रति प्रवार के प्रति के के प्रति कर प्रति के किए प्रवार के प्रति के के प्रति प्रवार के किए प्रवार के प्रति के के प्रति के के प्रति के के प्रति के के किए प्रवार के किए विश्व के किए प्रवार के प्रति के किए प्रवार के प्रति के किए प्रवार के किए प्रवार के किए प्रवार के किए प्रवार के किए प्रति के किए	8-9		8.00	10.25	स्वयं नष्ट करना ह	ाना याद आवश्यकता न आधक हा ।
10-11						
11-12					भायु मध	
12-13   12.50   15.00   13.71   14   13.75   16.50   0-1   1.00   14-15   15.00   18.00   1-2   5.00   15-16   16.50   20.00   2-3   6.00   1-2   5.00   16-17   18.00   22.00   3-4   7.25						
13-14						(रूपया म)
14-15						
15-16						
18-17 18:00 22:00 3-4 7:25 17-18 19:50 24:00 4-5 8:50 18-19 21:00 26:00 5-6 9:75 19-20 22:50 29:00 6-7 11:00 20-21 24:00 32:00 7-8 12:50 21 सप्ताह व सधिक 25:50 34:00 8 मणाह के बाद दर जीविन मार प्रति किलोधाम प्रविध देने बाली नत्म को पालने याय्य कुफ्कुट की विक्रय देरें (पीघा व टापरी के लिए)  पायू मप्ताह नर/मादा (विना लिया लिया जान लिया जान लिया जान लिया जाने लिय						
17-18   19.50   24.00   4-5   8.50     18-19   21.00   26.00   5-6   9.75     19-20   22.50   29.00   6-7   11.00     20-21   24.00   32.00   7-8   12.50     21 सप्ताह व प्रक्षिक   25.50   34.00     प्राण्डे वेते बाली नत्त्र को पालने पाप्प कुफ्कुट की विजय वरें:						
18-19 21.00 26.00 5-6 9.75 19-20 22.50 29.00 6-7 11.00 20-21 24.00 32.00 7-8 12.50 21 सप्ताह व प्रधिक 25.50 34.00 8 मप्ताह के बाद दर जीविन मार प्रति किलोयम प्रण्डे देने बाली नत्म की पालने यांग्य कुफ्कुट की विकय यहें (शीधा व टापरी के लिए)						
19-20 22.50 29.00 6-7 11.00 20-21 24.00 32.00 7-8 12.50 21 सप्ताह व प्रधिक 25.50 34.00 8 मणाह के बाद दर जीविन मार प्रति क्रियोम प्रधि वेने बाली नत्म को पालने पाय कुक्कुट की विकय वरें (पीघा व टापरी के लिए)  पाय मप्ताह नर/पादा (विना लिए जान लिए जान लिए केने तेन्न 20 पीमे प्रति प्रण्डा निया जायेगा।  पाय मप्ताह नर/पादा (विना लिए जान लिए जान लिए केने तेन्न 20 पीमे प्रति प्रण्डा लिया जायेगा।  0-1 3.25 0.75 6.00 प्रथमें प्रति प्रण्डा विद्या जाना प्रधिकारियों को प्रधिकार दिया जाना प्रधि केने विष्य की दर से 15 पीन कर प्रयोक निया जायेगा।  2. उपरोक्त बातों के प्रतिक्ति प्रिन्त-प्रियन प्रविकारियों को प्रधिकार दिया जाना प्रधिकारियों को प्रधिकार दिया जाना प्रधिकारियों को प्रधिकार दिया जाना प्रधिकारियों को प्रधिकार दिया जाना प्रधिकार विषय जाना में प्रविकार केने केने किए निया जायेगा प्रधिकार दिया जाना केने विषय प्रकार किए किए प्रिक्त प्रयोक प्रधान में र प्रविकार केने किए किए जाने केने विषय की विषय प्रकार किए प्रविकार केने किए प्रयोग प्रकार किए किए किए जाने किए प्रयोग प्रकार किए					4-5	
20-21   24.00   32.00   7-8   12.50   21 सत्ताह व स्रधिक   25.50   34.00   34.00   8 सत्ताह के बाद दर जीनित मान प्रति किलोधम प्रति किलोधम प्रति के निष्ण					5-6	
21 सप्ताह व प्रधिक   25.50   34.00   8 सप्ताह के बाद दर जीविन भार प्रति किलोधाम   प्राप्ती के विषय के स्वाह के बाद दर जीविन भार प्रति किलोधाम   प्रिप्ता व टापरी के विषय   किलोधाम   किलाधाम   कि	19-20				6-7	11.00
सण्डे देने बाली नत्म्य को पालने याय्य कुफ्कुट की विक्रय दरें	272 1986		9400			40.50
प्राण्डे देने बाली नरण को पालने पाय कुफ्कुट की विकय देरें		C			7-8	12.50
श्रीकां व टापरी के निर्मार   विशेष पांचे कुछ		रिधक				
प्राय   प्रश्नाव   तर/मादा   त्रिया	21 सप्ताह व इ		25.50	34 00	8 मप्ताह के बाद द	
0-1 3.25 0.75 6.00 प्राप्तिकारियों को प्रिकार दिया जाता 1-2 3.75 2.25 6.40 प्राप्ति ही दर मे 15 पैंगे तक (अप्येक 1-3 4.25 2.75 6.80 गक्के है तथा दियों को ध्यान मे र 2-3 4.25 2.75 6.80 गक्के है तथा दियों को ध्यान मे र 3-4 4.75 3.25 7.80 परन्न बायनर हरेसड सूर्गी साने योग दर कं 4-5 5.25 3.75 8.00 परन्न बायनर हरेसड सूर्गी साने योग दर कं	21 सप्ताह व इ घण्डे देने वाली	नस्य को पालने य	25.50	34 00	8 मप्ताह के बाद दा होगा । टिप्पणी 1.—क्वकुट पार	र जीवित मार प्रति किलोपाम के घर बको में कस्टम हैविंग की सुगमत
0-1 3.25 0.75 6.00 घण्डे की दर मे 15 पैंगे तक (प्रत्येक 1-2 3.75 2.25 6.40 ममस पर वाजार की दरो को ब्यान मे र 2-3 4.25 2.75 6.80 गकते हैं नचा इसी प्रकार 15 एसे घट 3-4 4.75 3.25 7.50 परना बासनर वरेसव सुर्गी साने योग्य दर कं	21 सप्ताह व क घण्डे देने बाली (पीछा व टापरी ।	नस्य को पालने य केलिए) नर/मादा (दिना लिंग ज्ञान)	25.50 स्य कुक्कुट की सिंग	34 00 विकय दरें:	8 मध्याह के बाद व होगा । टिप्पणी 1.— कुपकुट पार वर्ष के लिए	र जीवित भार प्रति किलोग्राम के भग नको में कम्टम हैविंग की मृगमत देने हेतु 20 पैसे प्रति भण्डा होविंग
1-2 3.75 2.25 5.40 ममय पर वाजार की दरों को झ्यान मे र 2-3 4.25 2.75 6.80 गक्की है नवा इसी प्रकार 15 पसे घट 3-4 4.75 3.25 7.50 परन्तु बायलर वरेसड सुर्गी साने योग्य दर कं 4-5 5.25 3.75 8.00 चटा तथा 5 द0 तक बढ़ा सकते हैं। जीविन	21 सप्ताह व व प्राण्डे देने वाली (पीधा व टापरी । प्रायु मप्ताह	नस्य को पालने य के लिए) नर/मादा (दिना लिंग ज्ञान) (क्षपये)	25.50 ाय कुक्कुट की लिय नर	34 00 विकय दरें:	8 मप्लाह के बाद द होगा । टिप्पणी 1.— कुवकुट पा वर्ष के लिए सिया नाये 2. उपरोक्त बाते	र जीवित मार प्रति किलोपाम के घर वको में कस्टम हैविग की सुगमत र देने हेतु 20 पैसे प्रति घण्डा टीविग गा। ों के प्रतिरिक्त भिन्त-भिन्न संस्थानों
2-3 4.25 2.75 6.80 गक्री है नचा इसी प्रकार 1.5 पंग घट 3-4 4.75 3.25 7.50 परन्तु झायनर दरेसद मृर्गी खाने योग्य दर के 4-5 5.25 3.75 8.00 चटा तथा उठका कर बहुत सकते हैं। जीविन	21 सप्ताह व व प्रण्डे देने वाली (पीधा व टापरी । स्नायु मप्ताह 0-1	नम्ल को पालने य के लिए) नग/मादा (दिना लिंग जान) (रुपये)	25.50 ाग्य कुम्कुट की लिय नर 0.75	34 00 विकय दरें:	8 मप्ताह के बाद वा होगा । टिप्पणी 1.—कुषकुट पा वर्ष के निप लिया गांपे 2. उपरोधन बात प्रशिकारियां	र जीवित मार प्रति किलोपास के घर बको से कस्टम हैचिंग की सुगमत देने तेतु 20 पैसे प्रति मण्डा टोचेस या। ो के म्रतिरिक्त भिन्त-भिन्त संस्थानों को म्रोजिस्ट विया जाता है कि
3-4 4.75 3.45 7.50 परन्न ब्रायसर करेसक मृगी बाने योग्य दर के 4-5 5.25 3.75 8.00 चटा तथा 5.60तक बढ़ा मकते हैं। जीविन	21 सप्ताह व व प्रण्डे देने वाली (पीधा व टापरी । स्नायु मप्ताह 0-1	नम्ल को पालने य के लिए) नग/मादा (दिना लिंग जान) (रुपये)	25.50 ाप्य कुक्कुट की लिय नर 0.75 2.25	34 00 विकय दरें:	8 मप्पाह के बाद दें होगा । टिप्पणी 1.— कुस्कूट पार बर्च के लिए स्थित गांगे 2. उपरोक्त बात प्रक्रिकार्थ पण्डे की व	र जीवित मार प्रति किलोधाम के प्रत क्को से कस्टम हीविंग की सुगमत (देने हेतु 20 पैसे प्रति प्रण्डा होविंग गा। । के प्रतिस्कित विश्वन-प्रिय्त संस्थाने। । को प्रतिकार विधा जाता है कि इस में 15 पैसे तक (प्रत्येक प्रेष्ट)
4-5 5.25 3.75 8.00 घटा तथा 5 रु०तक बढ़ा मकते हैं। जीवित	21 सप्ताह व व प्राप्त देने वाली (पीम्रो व टापरी । स्रायु मप्ताह 0-1 1-2	नस्य को पालने यं के लिए) नर/मादा (दिना लिए जान) (क्पये) 3.25 3.75	25.50 ाप्य कुक्कुट की लिय नर 0.75 2.25	34 00 विकय दरें:	8 मणाह के बाद वा होगा । — कुबकुट पा बच्चे के लिए लिया जाये 2. उपरोक्त बात प्रक्रिकारियां प्रणे की व	र जीवित मार प्रति किलोपाम के घर को में कस्टम हैचिंग की सुममत ( देते हेतु 20 पैसे प्रति मण्डा होच्या गा। ों के प्रतिरिक्त भिरत-भिरत संस्थानों ( को प्रपिकार दिया जाता है कि दर में 15 पैसे तक (प्रप्येक धेड) ' गाजार की दरों को ब्यान में ग्लो हुए
भ्राति । इस्ति क्षेत्र	21 सप्ताह व व प्रण्ये देने बाजी (गीघा व टापरी प प्रायु मप्ताह 0-1 1-2 2-3	नस्य को पालने य के लिए) नर/मादा (दिना लिए शान) (श्पये) 3.25 3.75 4.25	25.50 ाम्य कुम्कुट की मिम नर 0.75 2.25 2.75	34 00 विकय दरे:	8 मप्ताह के बाद वा होगा ! टिप्पणी 1.— कुक्कुट पा वर्ष के लिए लिया जाये 2. उपरोधन बात प्रक्रिकारिया प्रणे की ह मस्य पर के	र जीवित मार प्रति किलोधाम के घर को में कस्टम हैचिंग की मुगमत को हेत्र 20 पैसे प्रति घण्डा होचिंग गा। को घरिकार विधा जाता है कि हर में 15 पैसे तक प्रत्येक ग्रेड) पाजार की दरों को ध्यान में स्की हुए पाजार की दरों को ध्यान में स्की हुए पचा इसी प्रकार 15 प्यं पटा सकते
	21 सप्ताह व व प्राण्डे वर्ने वाली (पीघा व टापरी । प्रायु मप्ताह 0-1 1-2 2-3 3-4	नम्म को पानने य के निए) नर/मादा (दिना जिंग ज्ञान) (रुपये) 3.25 3.75 4.25 4.75	25.50 ाम्य कुक्कुट की जिम नर 0.75 2.25 2.75 3.25	34 00 विकय दरे:	8 मणाह के बाद वा होगा । टिप्पणी 1.— कुस्कुट पा वर्ष के निग निया गांगे 2. उपरोक्षन बात स्रक्षितारियों समय पर व गकते हैं ? परन्तु साय	र जीवित मार प्रति किलोधाम के म्रा नको से कस्टम हीचग की सुगमत । देने हेतु 20 पैसे प्रति मण्डा होचग गा। के म्रामिकार दिया जाता है कि रह में 15 पैसे तक (प्रत्येक ग्रेड) । जार की दरों को ब्यान में स्वाते हुए प्रति महास्वार की दरों पर पर पर स्वार
6-7 7.00 5.50 9.00 कारी को निर्देशक, पश्चालन विभाग, हिमाच	21 सप्ताह व व प्राण्डे देने वाली (पीमा व टापरी । प्रायु मप्ताह 0-1 1-2 2-3 3-4	नम्म को पानने य के निए) नर/मादा (दिना जिंग ज्ञान) (रुपये) 3.25 3.75 4.25 4.75	25.50 ाम्य कुक्कुट की जिम नर 0.75 2.25 2.75 3.25	34 00 विकय दरे:	8 मणाह के बाद वा होगा । — कुनकुट पा वर्ष के निश् निया गाँगे 2. उपरोक्त बात मधिकारियां मधि की व मधि परि मधि परि परि परि परि परि परि परि परि	र जीवित भार प्रति किलोपास के भर को में कस्टम हैचिंग की सुगमत ( देते हेंतु 20 पैसे प्रति भण्डा होचिंग गा। ते को प्रतिश्वित भिग्त-भिग्त संस्थातों ते को प्रक्षिकार दिया जाता है कि हर से 15 पैसे तक (प्रत्येक खेडा) गाजार की दरों को स्थान से गाबते हुए गचा इसी प्रकार 15 पूसे घटा सकते र दरेसब सूर्गी खासे योग्य दर को 30य इंदिनक सुग्ना स्कृते हैं। जीवित भार प
7-8 8.00 6.50 10.00 कारों का निराक्त, पंगपालन निर्माण सरकार को धावस्थल भेजनी होगी ।	21 सप्ताह व ड प्रण्डे श्रेने वाली (गीधा व टापरी । प्रायु मप्ताह 0-1 1-2 2-3 3-4 4-5 5-6	नम्ल को पालने य के लिए)  नर/माडा (दिना लिए जान) ( रुपये )  3.25 3.75 4.25 4.75 5.25 6.00	25.50 स्मि कुक्कुट की	34 00 विकय दरे:	8 मप्ताह के बाद वा होगा ।  - जुनकुट पाः वर्ष के निग निया ताये  2. उपरोधन बात प्रक्षिकारियां प्रण्डे की ह मम्प्र पर व पत्तु बायल बटा क्या 5 2 व 3 70	र जीवित मार प्रति किलोपाम के प्रति को से कस्टम हैचिंग की सुपमत ( देने हेंचु 20 पैसे प्रति भण्डा होचिंग गा। तो को प्रतिक्षित भिरत-भिरत संस्थानों त को प्रतिकार दिया जाता है कि दर से 15 पैसे तक प्रियेक पेश गाजार की दरों के स्थान से गाजी हुए पंचा इसी प्रकार 15 पसे घटा सकते र डरेसड सुनी साने योग्य दर को 30फा तक कर सकता है। इस बारे जियलक

10	5 ii	राजपत्त, हिमाचन प्रदेश 28	नवस्वर, 1987/7 संप्रहायण, 1909	
-	Line and the second of the sec	केला ज्यो वर १ प्रतिशत	नारा	मन्य कपयों मे
	ा हेचिय के दो दिन के मन्दर व	एको के पेडिंग निम्न प्रकार	(च) ग्रन्म	(प्रति विवटन)
	माधक चूजा दए जायगा ।	श्रीतरी दशा की ध्यान में	। गोबर	10.00
		altori anti no - aca di	2. युक्कृट म्बाद	25.00
	रमातं हुए की जाये ।		<ol> <li>चारापनी भाने के बाद बची लक्त</li> </ol>	15 00
	_ 2=	50 पान सं यधिक	2	
	ा वह			तियाम चाम बाधने के लिए
	बी ग्रेड	50 गम तकः।	30 रैसे प्रति गांठ सुरूक लिया	
दार	राव चारा तथा ग्रन्य गौधों की साम	र्यासाट	अन्नारियों को अधिकार है कि भाव को ध्यान में रखते ह	
			या विनागाठ के दर 300	
कमार		(मूल्य रूपयों में)	हैं। स्थिति के घनसार कुक्कुट	
			नाहन, कमलाई कुक्कुट का	
	वाग बीज		को स्थानीय यरेनिश्चित का	त्नका बोधकार दिया जला
1	(क) (खरीक)	(प्रति किलायाम)	å_l	
Ï.	म रकी	1 50	उन तथा दूसरी सम्बन्धी दरें ·	
2	म्बनी	6.00		 इ.टकर विकय थोक विकय
3	वरी-एम (सीं () स्वीट मुद्रान	3.50		
4	राजका बाबरी	6.00	मर् १	र्गति किनोग्राम प्रति विवेटल
5	नंबिया	4 00		(क्यमा मे)
b.	सोयाबीन	4.00	<ol> <li>कन देशी भेड़ (रामपुर क्णहरी</li> </ol>	
7	बैल बैंड बीन	4.00		20.00 1900.00
1	3. 20 311		गरी) 2. जन देशी मेमना	21.00 2000.00
	(सृ) (प्रवी)		<ol> <li>ऊन देशा ममना</li> <li>ऊन पोल वर्ष, अर्मन लैंड, स्थी</li> </ol>	21.00 2000.00
			ा अन्यान वय, जनन लड, रूसा मरीनो, रैम्बर्लंट	26 00 2500 00
1.	त्रड्(कैस्ट, गालमपुर नंधः ।)	3.50	मराना, रम्बुलट 4. 1/2 तथा 3/4 रेम्ब्लैट,	40 430U 00
2	बरसीम	20.00	<ol> <li>1/2 तथा अत्य रम्बुलदः पोखवयं समी मरोनाः, जर्मनवैण्डः</li> </ol>	
3	रालका (लूमरन)	25.00	मरीनों प्रादि	24 00 2300.00
4.	जो	2.00		24 00 2300.00
5	मटरी कंसिया	3.50	<ol> <li>ऊन मेमना, रैम्बुलैंट, पोलवर्ष, रूसी</li> </ol>	
6	जापानी सरमा	4.00	मरीनों, त्रमैन लैंण्ड मरीनों बादि	27.00 2600.00
7	चाडना गोभी	4.00		27.00 2600 00
			6 जन मेमना 1/2 तथा 3/4	
<b>(ग)</b> प	शस व ≆लावर धादि		रम्बूलट, रूसी मरीता, जर्मन	A. W. C. C. C. C. C. C.
100			लैण्डं मरीनों भादि	25.00 2400 00
1	श्वेत स्लीवर	50.00	7. मोहरे -	15.00 1400.00
2	रेट क्लांबर	40 00	8 बीच् हाक्स. डेकसा बैली तथा	
3.	मर्व गतावर	40.00	गर्नी जन	13.00 1200 to
4.	किम्मन क्लोबर	40.00	<ol> <li>मंत्रीलयापुल्ड ऊन</li> </ol>	नीलामी द्वारा
5	थौषंडं वास, राई वास, कैनरी वास	r,	F. A	
	े पैस्क्यू पास, लाव चास, नन्दी घार	r,	टिप्पणी ।थांक विकस दर उस सम	ाय लगाय मधाक अन्य का। - केि के व्यक्ति
	दीन। ताथ घास, ग्रनजन घाम	40 00		त संघधिक हो । में बातया
ti.	टामाची	50.00		रमुगलन विभाग, हिमाचल
				काफी विज्ञापन ग्रादि करके
(घ) १	वास क्लाकर की जहें पीक्ष इत्यादि	मृत्य प्रति जड/गील	नीलाम किया जायेगा।	الأنب لايت لايت بياعت بارا
			2. क्यों कि उच्चे के दाम वाजार	
1,	नेपियर	5 पैस		न विभाग, हिमाचल प्रदेश,
2	नन्दी (सिटेरिया) मन्दन, गिल्न			त प्रधिक अथवा कम कर
	चाम, भौनंदं चाम, क्लोवर, टोमोप		मकी।	
	वेम्क्युचाराधास द्यादि	2 पैस	<ol> <li>तिदेशकः, पशुपालन विभागः,</li> </ol>	
3.	कुडन	20 पैस		हो समय पर ध्यान में रखते
4	पोधव्यूहल, कचनार, तून, राजि			उनमे उत्पादित बस्तुमा दाना
	नियाः नृमिनिया	10 पैसे		विकी दर 5 प्रतिशत तक घटा
5.	बीज, लगीनिया (हदाईनजाई)	30 रुपये प्रति किलो		्कृक्कुटतथा उनसे उत्पादितः १० प्रतिकत होगी। सारगण
(~\			बेचने की दरें (बिटिश त	
( <b>v</b> )	बारा	मृत्य कपया म	0∸5 सप्ताह (विकाऊ मही)	15.00 हपये
		(प्रति विबटन)	5-6 सप्ताह (कम)	25.00 स्पर्य
1.	हरा चारा	12.00	6-12 नप्ताह (कम)	45.00 <b>89</b> 4
2.		40.00	12-24 सप्ताह (कम)	68.00 स्पर्य
3.		50.00	24 सप्ताह में अपर	92.00 स्पर्ये
4.		15.00		34.00 VIII
5.		10.00	(जर्मन चंगोरा)	2000 200
6.		20.00	0 → 5 सप्ताह (विकास नही)	30.00 हेप्य
7.		10.00	5-6 सप्ताह (कम)	50 00 वपर्य
8		20.00	6—12 सप्ताह (कम)	92.00 क्ष्ये
9	पतीदार फसनों का हरा बारर	15.00	12-24 सप्ताह (कम)	136.00 वपये
10		nfe	24 म कपर	184.00 ४५वे
	वित्रयोकः। नारा, नमनियाका का	TT 15.00	2. ऊन (प्रतिकियोग्राम)	
			• का (शतकाषाम)	550.00 धपये
			The second secon	

(क) नीविक सार स्वति किलावास 7.50 80 277 कर (त्र) रमण (त्री किलावास) 13.00 81 105 60 277 कर (त्री किलावास) 13.00 81 105 60 277 60 27 27 28 28 28 28 28 28 28 28 28 28 28 28 28	(क) नगुज 450 050 900 1373 71 0506 100 100 100 100 100 100 100 100 100 1	1-3-5						3	4
(क) मंदि 451	(क) मध्य 450 050 900 1373 77 0086 1070 वाली व प्रमुख्य 450 900 1373 77 70 1086 1070 वाली व प्रमुख्य 450 900 1373 77 70 1086 1070 1373 77 70 1086 1070 1370 1370 1370 171 78 78 222 4 1070 171 78 78 222 4 1070 171 78 78 171 171 171 171 171 171 171 1	( प्रत्यकः )	हारी	दरभ्यानी	बही		68	634	
सानी व प्रथम	बाती व स्था						2000		
साली व प्रथम	सानी व प्रथम		4.50	6.50	9.00		70		6 h
साम	काम   78   222 4		6.50	9.00	13 73			864	98
(क) जीकिन आप चीन किलांगा 7.50 80 277 के.  (क) प्रावस्तुत्र (वाल किलांगा) 13.00 81 10.5 0.0  याक पुष्ठ नवा साने पारि 82 571 के.  याक पी एक नवा दार्ग पार्थ की सान पार्थ होते सान पार्थ की स	(क) विकित भार चान किलाया   7.50   80   227 6 6 8   227 6 6 8   227 6 6 8   227 6 8 8   227 8 8 8   227 6 8 8   227 6 8 8   227 6 8 8   227 6 8 8   227 6 8 8   227 6 8 8   227 6 8 8   227 6 8 8   227 6 8 8   227 6 8 8   227 6 8 8   227 6 8 8   227 6 8 8   227 6 8 8   227 6 8 8   227 6 8   227 6 8 8   227 6 8 8   227 6 8 8   227 6 8 8   227 6 8 8   227 6 8 8   227 6 8 8   227 6 8 8   227 6 8 8   227 6 8 8   227 6 8 8   227 6 8 8   227 6 8 8   227 6 8 8   227 6 8 8   227 6 8   227 7 7 1   227 6 8   227 6 8   227 7 1   227 6 8   227 7 1   227 6 8   227 7 1   227 6 8   227 7 1   227 6 8   227 7 1   227 6 8   227 7 1   227 6 8   227 7 1   227 6 8   227 6 8   227 7 1   227 6 8   227 6 8   227 7 1   227 6 8   227 6 8   227 7 1   227 6 8   227 6 8   227 7 1   227 6 8   227 6 8   227 7 1   227 6 8   227 6 8   227 7 1   227 6 8   227 6 8   227 6 8   227 7 1   227 6 8   227 6 8   227 7 1   227 6 8   227 7 1   227 6 8   227 6 8   227 7 1   227 6 8   227 6 8   227 6 8   227 6 8   227 7 1   227 6 8   227 6 8   227 6 8   227 6 8   227	यगारा माल प्रत्यक	4.00					706	8 1
(क) नेविक सार्वाची किरावाच 7.50 80 2.77 क. (वा) (करावाच) 11.00 81 10.50 01 वाक पूक नेवा बाने पार्थि कार (वा) किरावाच 11.00 81 10.50 01 वाक पूक नेवा बाने पार्थि कार (वा) कार (वा) कार (वा) कार (वा) कार (वा) कार (वा) वा) वाक पूक नेवा वा) वा वां वां वां वां वां वां वां वां वां	(क) जैविक सारवर्ग किलागाथ 13.00 की 10.5 की 10.5 की 27.7 के या सारक पूछ पूर्णा किलागाथ 11.00 की 10.5 क	4. <b>मा</b> म					5000	222	40
(स) प्रश्न (वांत हिजाया)  याक पुष्ठ नया वार्ति पारित  याक से पुष्ठ नया वार्ति पारित  याक से पुष्ठ नया वार्ति पारित  याक से पुष्ठ नया कार्ति पारित  विकार पर नया त्यां कार्ति हों बनन कार्ति पार्ति से से निवासी  विकार पर नया त्यां कार्ति हों बनन कार्ति पर नाम हों के बहु से	(स) प्रश्न (वांत विज्ञायात)	(=) <del>-20</del>	101 011				79		48
प्रकार पुष्ठ नेपा सानि पारि   प्रकारी प्रिम्म पर प्रकार की सकारन के उदारान करेगा ।  प्रमानी प्रिम्म रह स्वाद कर स्वाद हो से बात हो से से से सिंदि से सिंद से	स्वक की पुक्र ने प्रशास की में प्रशास के से निवासी हों ने निवासी पुक्र की पुक्र ने प्रशास के कि 172   199 ज 170 प्रशासनी प्रीक्षण के प्रशासन के कि 172   199 ज 170 प्रशासन के प्रशासन के कि 172   199 ज 170 प्रशासन के जिल्ला 1710 प्रशासन के प्रशा						1.00		64
वाक को पुरु तथा रागर पहण्या की जाने सांव को तीनाजी प्रभागी योधकार का के उपरान करेगा ।  हरण्यो पिक्स कर तथा त्यां का की जान ही वाल करेगा ।  प्रभागी योधकारों को योधकार देवा तथा है के वह वाल करेगा ।  प्रभागी योधकारों को योधकार देवा तथा है के वह वाल करेगा ।  प्रभागी योधकारों को योधकार देवा तथा है के वह वाल करेगा ।  प्रभागी योधकारों को योधकार देवा तथा है के वह वाल करेगा ।  प्रभागी योधकारों को योधकार देवा तथा है के वह वाल करेगा ।  प्रभागी योधकारों को योधकार देवा तथा है के वह वाल करेगा ।  प्रभागी योधकारों को योधकार देवा तथा है के वह वाल करेगा ।  प्रभागी योधकार वेवा तथा तथा तथा तथा तथा तथा तथा तथा तथा तथ	श्रा की पुरु नथा रागर पहलूबा की लाने बार्च को नीनाती  प्रभानी प्रोधकारों कासी दिवारन के उपरान वरेगा ।  (त्रिक्त कर नवा दूमरे कर की बाला के के उपरान करेगा ।  (त्रिक्त कर नवा दूमरे कर की वाला हुंगे वनन किए नालंगे )  (त्रिक्त कर नवा दूमरे कर की वाला हुंगे वनन किए नालंगे )  (त्रिक्त कर नवा दूमरे कर की वाला हुंगे वनन किए नालंगे )  (त्रिक्त कर नवा दूमरे कर की वाला हुंगे वनन किए नालंगे )  (त्रिक्त कर नवा दूमरे कर की वाला को उस की वर नवा कर विश्व कर नवा वाले हुंगे नवा को उस की वर नवा कर विश्व कर नवा वाले हुंगे नवा को उस की वर नवा कर विश्व कर नवा वाले हुंगे नवा को उस की वर नवा कर विश्व कर नवा कर विश्व कर नवा कर विश्व कर नवा कर नवा कर विश्व कर नवा कर नवा कर विश्व कर नवा कर नवा कर नवा कर विश्व कर नवा कर		1414)	11,00					6 8
स्थान करी पुक्र निया पर पहुंचा की साले साह को तीलांसी पूर्ण करीं प्रकार करीं हिमालन के उदाराल करेगा । 73 93 11 75 10 81 1 विकार कर तथा तुमारे कर तीन तथानु होंगे वनल किए जाएंसे । 75 21 0 10 10 10 विकार कर तथा तुमारे कर तीन तथानु होंगे वनल किए जाएंसे । 75 21 0 10 10 विकार पर तथा तुमारे कर तीन तथानु होंगे वनल किए जाएंसे । 10 विकार पर तथा तुमारे कर तीन तथानु होंगे वनल किए जाएंसे । 10 विकार पर तथा कर पर तथा तुमारे कर तीन तथानु होंगे वनल किए जाएंसे । 10 विकार पर तथा कर वहां पर तथा कर तथा तुमारे कर तथा तथा है विकार विकार होंगे के तथा तथा है विकार विकार होंगे के तथा	स्थान कर ते प्रश्न कर तथा हमा को सार्थ करेगा ।    1 कर र तथा दुर्ग कर की तथा हु के वस्त करेगा ।   2 क्या में स्थितिकारी को स्थान करेगा ।   2 क्या में स्थान कर तथा दुर्ग कर की तथा हु के वस्त वार्थ को प्रश्न कर तथा दुर्ग कर तथा है के वस्त वार्थ में स्थान के स्थान हुए परायाण को उस है वस्त वार्थ में स्थान हुए परायाण को उस है वस्त वार्थ में स्थान के स्थान में स्थान हुए परायाण को उस है वस्त वार्थ में स्थान के स्थान में स्थान हुए परायाण को उस है वस्त वार्थ में स्थान कर स्थान में स्थान कर स्थान में स्थान कर स्थान में स्थान कर स्थान स्थान कर स्थान में स्थान कर स्थान में स्थान कर स्थान स्थान कर स्थान स्यान स्थान स	याक पूछ तथा स्वान पाद							
श्रिम्म प्रशास करहे   विकार के उपार का करेगा   73   93   1   1   1   1   1   1   1   1   1	श्री से प्रेम काली विकारन के उपरान्त करेगा   72   73   75   75   75   75   75   75   75	with the sale with the			free de		20.00		
स्वाप्ता   1 विकार के र नवा दुमरे कर जैसे नामू होन वनन किए जाएंगे।   1 विकार के र नवा दुमरे कर जैसे नामू होन वनन किए जाएंगे।   2 कि वह वाजारी सोच को पान में एकते हुए नरनाम को १ के वह वह वाजारी साम को पान में एकते हुए नरनाम को १ के वह वह वाजारी साम को पान में एकते हुए नरनाम को १ के वह वह वाजारी साम को पान में एकते हुए नरनाम को १ के वह वह वाजारी साम को पान में एकते हुए नरनाम को १ के वह वह वाजारी साम को पान में एकते हुए नरनाम को १ के वह वाजारी साम को एकते हुए नरनाम को १ के वह वाजारी साम को पान में एकते हुए नरनाम को १ के वह वाजारी साम को पान में एकते हुए नरनाम नरना	स्वाप्ता   1 विकास कर निर्मा होने वनल किए नाएंगे   1 विकास कर निर्मा होने वनल किए नाएंगे   1 किला   23   14732 5   1 विकास निर्मा होने होने होने होने होने होने होने होने	वाक का पुरु तथा दूसर पर	णुनाका स्त्राल कंचरण्या	भाष का र∸सा	าเซเสเ				
त्राची विकार कर निर्मा हो का विशेष स्थाप हो से निर्मा ह	विकास कर नना तुमरे कर जैसे नामू होने वनल किए नाम्यो     2 जमारी बोधकारों को बोधकार दिन नाम हो । यह ने वह नाम वोधकारों को बोधकारों को बोधकार दिन नाम हो । यह ने वह नाम वोधकारों को बोधकार दिन नाम हो । यह ने वह नाम वोधकारों को बोधकार हो ।   प्रमाण एमण एमण करा, मनिवा     प्रमाण विकास     प्रमाण एमण एमण प्रमाण हो । यह के विकास के विका	प्रमारा भावकारा काफा ।पुत्राप्त	W 24 - 1 - 1	do a serie					
्यवारी प्रशिक्ष कर निर्मा क्षिण विश्व हीन वसल किए नाएं।  2 प्रवारी प्रशिक कर केंद्र निर्माण को उस की दर विश्व वार्त कर त्रमा क्षिण कर तर हीन स्वराण को उस की दर विश्व वार्त कर त्रमा कर तर हीन स्वराण को उस की दर विश्व वार्त कर तर हीन स्वराण को उस की दर विश्व वार्त कर तर हीन स्वराण कर हो उस की दर विश्व वार्त कर तर हीन होने के किया निर्माण कर हो उस की दर विश्व वार्त कर तर हीन स्वराण कर हो उस की दर वार्त कर हो साम (4) के किया निर्माण कर हो की दर वार्त कर कर होने की वार्त कर कर हो साम (4) के किया निर्माण कर हो साम (4) के किया निर्माण कर हो की दर वार्त कर हो साम (4) के किया निर्माण कर हो की दर वार्त कर हो साम (4) के किया निर्माण कर हो की दर वार्त कर हो साम (4) के किया निर्माण कर हो की दर वार्त कर हो साम कर हो की दर वार्त कर हो की दर वार्त कर हो	विकास कर नेता तुन्नर कर कीत लागू होत करन किए नाग्यो।   2. प्रकारी प्रधिकारों को प्रधिकारों को प्रधिकारों दिन, नान्यों : किला   23   14732 5     विकास कर प्रधा प्रथम प्रथम ने स्वत हुए परणाण को एक दी वर     किला   23   14732 5     किला   27   1476 कर     किला   27   14	(vermi)							
2 व्यवारी व्यविकारी को व्यविकार हुए परान्ता को १ के वह	2 ज्यारी व्यक्ति का ध्यार पे रहत हुए गरामा को उस ही वर 10 प्रतिमा नक ध्या परवा नदा सकता 2 ।   प्रतिमान नक घरा प्रवा नदा सकता 2 ।   प्रतिमान नक घरा प्रवा नदा सकता 2 ।   प्रतिमान नक घरा प्रवा नदा सकता विभाग स्वा		र जैसे लागू हो।	तंबसल किए	जाएंगे ।		/5	21	01
सन्नारी मान को ज्यान में रखने हुए नरागोण को एक की दर  10 प्रतिना नक घटा प्रवस नहीं सकता ? ।  पन्न गम्न प्रतिक निकास कर स्वास कर स्वस कर स्वास कर स्वस कर स्वास कर स्वस कर स्व	सन्नारी बान को छान में रखने हुए नरागीण को उम्र बी वर 10 प्रतिन र क घटा प्रवन नहाँ सकता ? ।  पत्न तम्म पत्न स्वा ।  प्रिम्म पत्न स्वा ।  पत्न तम्म पत्न स्वा ।  पत्न तम्म पत्न स्वा ।  पत्न स्वा पत्न स्वा ।		elizatea darin.	50-20 P	for an	किता	23	14732	5 3
सन्ताः कि. (१)-२/अ-६ मि. (१)-२/अ-६ में से कि. (१)-२/अ-६ मि. (१)-२/अ-६ में से कि. (१)	स्थान के ने स्थान विद्या प्रवास वहाँ सकता ? ।  स्थान स्थान के स्	बाजारी मात्र को ध्यान में रखते	न हुए भारताण	की रख		- ਮਿਸ਼ਜ਼	7-171002 । । स्वस्थ	F. 19 <b>8</b> 7	
पानि । पानि । पानि । स्वाप्त । प्रश्निक । प	प्रस्त । एसत । प्रस्त । अंक प्रकार स्व ।	10 प्रतिशास्त्रक घटा प्रयक्षा व	हिं। संकतः है	t					
क्रिया व. (11) - 6/81 - विला- 1	क्रिया व. (11) - ताश - ता वा		 ाविभाग	<b>गम्</b> () ग		प्रधिनियमः 1894 । क(1)-2/85-शिक्षान हिमाचल प्रदेश राज मार्वजनिक प्रयोजन	र्काधारा (4) के घन्त 1, दिनाक 19-5-87 को पत्र दिनाक 4-7-87 नामत राजकीय महार्थि	र्गत ग्रधियुवना जारी की गर्ड से सरकारी व्या विद्यालय सरस्वती	सम्म अ। वि य प नगः
जिसला-2. 9 नवस्त्र. 1987   उपरांकन गरियोजन के लिए भिन का घर्जन घरोलित है ।   संख्या व-(11)-ल/81-लिशा-ग.—बत: राज्यपाल हिमाचल प्रवंत की तर प्रतार है कि हिमाचल प्रवंत के संस्था पर नार्वजित प्रवंत नायत राज्यपाल हिमाचल प्रवंत के कैंग्य के तिर्माण तेनु प्रांग प्रवंति मार्गियालय नायत राज्यपाल मार्गित के कैंग्य के तिर्माण तेनु प्रांग तार्वो प्रवंति है कि मार्गल प्रवंता पर विभाव है कि उनत पश्चित में बैदा कि तिन्म विवरणी में निर्देश्य के उपरांग प्रवंति में बैदा कि तिन्म विवरणी में निर्देश्य के प्रांग के उपरांग प्रवंति नाम विवरणी में निर्देश्य के प्रांग के प्रयोज के लिए भूमि मंजन है ।   2. यह घोषणा वृत्ति प्रवंति मार्गी स्वित्ति मार्गी के लिए भूमि मार्गी में नाग नहीं होंगे ।   2. यह घोषणा वृत्ति प्रवंति मार्गी स्वित्ति मार्गी के लिए भूमि मार्गी में नाग नहीं होंगे ।   2. यह घोषणा वृत्ति प्रवंति मार्गी स्वित्ति मार्गी के लिए भूमि मार्गी में नाग नहीं होंगे ।   विवरणी प्रवंति के प्रांति हमा कि तिम ना तिर्वेत के प्रवंति मार्गी मार्गी मार्गी में नाग नहीं होंगे ।   उत्तर घोषणा वृत्ति प्रवंति मार्गी मार्गी मार्गी मार्गी में नाग नहीं होंगे ।   विवरणी प्रवंति के प्रवंति मार्गी मार्	जिसला-2, 9 नवस्वर, 1987   उदर्शन परियोजन के लिए भी का सर्जन संपेक्षत है।   संख्या व-(11)-ल/81-विला-ग.—वतः राज्यपाल हिमाचल परंत को सर्म सहिता होगा है कि हिमाचल प्रकर्श का सरकार का सरकारी अप पर सार्वजनिक प्रयोजन नामन राजरेश महाविद्यालय नामन के कैंग्या के निर्माण हेनु भीम लो जानी परिकाल है अनएए लवदाय यह प्राप्त किया गया है कि उनत परिजेख में जैना कि निम्म विवरणी में निर्देश्य के प्रयोजन के लिए भीम मंजन प्रवेश में कैंगा कि निम्म विवरणी में निर्देश्य के प्रयोजन के लिए भीम मंजन नामन प्रवेश में कैंगा कि निम्म विवरणी में निर्देश्य के प्रयोजन के लिए भीम मंजन नाम नहीं होंगे ।  2. यह योवला वाम प्रजेन स्वित्यम, 1894 की धारा 6 के उपरचेशों के स्वीत हमने सम्बन्धित गंभी स्वित्यम, नामन ने के प्रयोजन के लिए भीम मंजन ने के एत्रवारण ने के प्रयोजन के लिए भीम मंजन ने के एत्रवारण ने के स्वात्य की सारा 7 के उपरचेशों के स्वीत मुन्देश मानति, (उप-मण्डल प्रवित्यम, निर्देश में के प्रवेश ने स्वाहती, नाहन (उप-मण्डल प्रवित्यम), निर्देश में विवरणी वि	qt	धिमूबनाएं						
सह स्रति। होता है कि हिमाचल प्रकास नकार की सरकारी क्या पर सार्चजिक प्रयोक्त नामका राज्ये सराविधालय नाहक के कैप्य के निर्माण के निर्	सह सति। होता है कि तिमालन द्रवण नरकार को सरकारी क्या पर सार्वजिक प्रयोजन नावन. राजशीय मराविद्यालय नातन के कैरण के किरण प्रवाजन नावन. राजशीय मराविद्यालय नातन के कैरण के किरण प्रवाजन नावन के कैरण के निर्माण के प्रवाजन के किरण पर्वजन के किरण पर्वजन के निर्माण के निर	शिमला-2,	9 नवम्बर, १	1987					[या
उपलब्धों के सभीत इससे तम्बिश्चत सभी स्थितयों की सबता हैत हो उचन प्रधितियम की बार 7 के उपबचां के स्थान स्थान हैं। उचन प्रधितियम की बार 7 के उपबचां के स्थान स्थान हैं। उचन प्रधान की बार 7 के उपबचां के स्थान स्थान हैं। उचन प्रधान की का एनदहारा निर्देश 1 2 3 विद्या जाता हैं।	उपपन्थों के सभीत इसमी मज्यिमत गंगी स्पिक्तपों की मचना हेतू की जाजी है और उक्त सर्धितियम की बार र के उपज्या के बारीन मुन्नीर उक्त सर्धितियम की बार र के उपज्या के बारीन मुन्नीर समाहती, (उप-मण्यत प्राप्ता), तिहन माहती वालत इस्ते के स्वार्त के सार्वण के बार प्राप्ता है।  3. श्रीम को रेखाक भू-स्राप्त समाहती, ताहत (उप-मण्यत प्राप्ता), तिहाल माहता उप-मण्यत प्राप्ता), तिहाल माहता उप-मण्यत्त (उप-मण्यत प्राप्ता), तिहाल माहता उप-मण्यत्त (उप-मण्यत प्राप्ता), तिहाल माहता उप-मण्यत स्वार्ता है।	क निर्माण हेनु भूमि ना जीना योगित किया जाता है कि उस्त	प्रपासत र	श्चनएव एतर					
को जानी है चौर उक्त प्रधिनयम की बारा 7 के उपवल्डा के प्रथम स्थान मुन्यमंन समाहती. (उप-मण्डल प्रधिकार), मिकिन), नाहुन मार्थ/कस्य। स्थाप न प्रथम के स्थाप न प्रथम के सार्थ ने के एतवड़ारा निर्य 1 2 3 3 विद्या जाता है।	को जानी है चौर उक्त विधिनयम की जारा 7 के उपक्यों हैं व्यक्षीन मुन्यनेन समाहती, (उप-मण्डल प्रीधकारी, नििन्न), नाहन मुन्यनेन समाहती, (उप-मण्डल प्रीधकारी, नििन्न), नाहन 1 2 3  विधा जाती है	में निदिग्द किया गया है उपर	पारणाव म प पारूप प्रयोजन	सा कि निम	न विवरणी	मामले में लाग नहीं	होंगे ।	)(ए) क उपक	ru s
स्थीन मुन्दर्गन समाहली. (उप-मण्डल प्रांधकारी, लिबिल), नाहुन गांव/करबा स्वारं नंध की उक्त महिं के अंतर ने मादेश नेने का एनद्वारा निर्देश 1 2 3 3 विद्या आता है।	स्थीन मृन्यत्रंत्र समाहर्ता. (उप-मण्यल प्रांजकारी, विश्वल), नहित गांव/करका गांव/करका गांव/करका गांव/करका गांव/करका गांव/करका ते विषय ते सार्वण निर्मेश ते सार्वण विश्वल नाहृत उप-मण्यल), जिला निरमोर के कार्यालय विश्वल नाहृत उप-मण्यल), जिला निरमोर के कार्यालय विश्वल निर्मेश ते विश्वलणी विश्वल निर्मेश ते सार्वण विश्वल नाहृत उप-मण्यल।, जिला निरमोर के कार्यालय विश्वल निर्मेश ते विश्वलणी विश्वल नाहृत विश्वलणी विश्वल नाहृत विश्वलणी विश्वल	में निर्देश्य किया गया है उपन करना अपेक्षित है। 2. यह पोषणा भूमि प्रजेंग क	तका प्रयोजन प्रवित्यम, 18	साकिनिम कलिए। 94 की धा	न विवरणी वृत्ति सर्वन सा 6 के	मामलेमें लागुनहीं जिला जिमला	होंगे ।		
को उक्ते प्रसि के प्रतेन के पारेश लेने का एलबुदार निर्देश 1 2 3 (विदा जाता है ) कार कार के कार	को उक्ते प्रसि के प्रतेन के पारेश लेने का एनवृद्धारा निर्देश 1 2 3      1	में निर्देश्य किया गया है उपन करना धंपेक्षित है। 2. यह धंषिणा भूमि प्रजेन क उपवन्धों के प्रधीन इससे सम्बर्धि	ाका प्रयोजन प्रथितियम, 18 तेवत सभी क्यो	मा कि निम् क लिए । 94 की धा क्लियों की ।	न विवरणी सूमि धर्वन इरा ६ के मचना हेत्	मामलेमें लाग नहीं जिला जिमला	होंगे ।	नहसोच ह	ું <b>અ</b> ત્
3. श्रीम का देखाक भू-वर्जन समाहती, नाहन (उप-मण्डल प्रिकार), सिवियन नाहन उप-मण्डल), जिला सिरमोर के कार्यालय   418 8 4 0 3 1 4 2 2 0 4 2 4 1 4 2 7 0 4 1 8 7 4 0 0 4 1 8 7 4 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0	10   10   10   10   10   10   10   10	में निर्देश किया गया है उपर करना प्रपेक्षित है। 2. यह घोषणा चुंग प्रजंत के उपवन्धों के प्रधीन हमने सम्बद्धि की जानी है और उक्त प्रधिनि	ाका प्रयोजन प्रीधिनियम, 18 नेपत सभी क्यां एम की धारा	मा कि निम् क लिए । 94 की धा क्लियों की । T के उ	न विवरणी मूमि अर्जन पा 6 के सचना हेत् उपबन्धों के	मामलेमें लाग नहीं जिला णिमला	होंगे । विवरणी	तहसोच के	्ध न 
3. श्रीम को रेखांक भू-पर्भत संचाहती, नाहन (उप-मण्डन प्रिप्तारी, विश्वल नाहत उप-मण्डल), जिला सिरमोर के कार्यालय 4188'403 1 में निरीजण तिया अर गकता है। 124 1	3. श्रीम का रेखाक भू-प्रजंत संपाहती, नाहन (उप-मण्यन प्रिप्तारी, सिचल नाहन उप-मण्यल), जिला सिरमोर के कार्यालय 4188/403 1 में निरीजण निवा अर गकता है। 124 1 427 0 427 0 427 0 427 0 427 0 427 0 427 1 4	में निहित्य किया गया है उपन करना प्रोप्तित है। 2. यह पोषणा स्नीम प्रजेत के उपनेश्वों के प्रधीत इसने मध्यि की जानी है और उसन प्रधित क्योत मृत्युनेत समाहती, (उ को उक्त पृत्ति के धर्मत के	ांका प्रयोजन प्रविक्षितयम, 18 नेघत सभी क्या (यम की धारा प-मण्डल ग्राधिक	मा कि निम् क लिए । 94 की धा विलयों की । 17 के 3 हारी, मिकि	न विवरणी मूमि अर्जन पा 6 के मचना हेत् गुपबन्धां के ल), नाहुन	मामले में लाग नहीं जिला मिमला गाम/कस्मा	होंगे । विदरणी खसरा नध	तहसोच के	ुब्बन  एरिया ) रि
प्रशिकतारी, सिवल नाहन उप-मण्डल), जिला सिरमोर के कार्यालय 4188/403 1 से निरीज़ल किया जा गकता है । 422 0 विवरणी 427 0 सिवरणी 427 0 सिवरणी 427 0 सिवरणी 425 1 साम कबरा न0 गरिसा 425 1 साम कबरा न0 गरिसा 424 1 ने भीटर में 427 0 1 2 3 401 1 सम्प्री 60 3119 95 421 0 61 68 46 426 6 62 27 71 409 0 63 530 30 410 0 64 156 40 412 1 65 2977 60 413 1 66 12 56 420 0	प्रशिकतारी, सिवल नाहन उप-मण्डल), जिला सिरधोर के कार्यालय 4188/403 1  में निरीज़ण किया जा गकता है। 124 1  विवस्णी 427 0  सिवस्णी 427 0  सिवस्णी 4287/403 0  जिला 187/403 0  जिला 4287/403 0  जिला 4287/403 0  जिला 4287/403 0  परिसा 428 1  होम कक्षरा नं 0 परिसा 428 1  होम किया नं भीटर में 427 0  1 2 3 401 1  सिवपूरी 60 3119 95 421 0  सिवपूरी 61 68 46 426 6  62 27 71 409 0  63 530 30 410 0  64 186 40 412 1  65 2977 60 413 1  66 12 56 420 0	में निहित्य किया गया 2 उपन करना प्रोपेक्षित है। 2. यह पीवणा कृषि प्रजेत इ उपन्यां के प्रशीत इसने मध्यि की जाती है और उसन प्रशित स्थान मृन्युनेत समाहती, (उ को उसन पृष्टि के घनने क	ांका प्रयोजन प्रविक्षितयम, 18 नेघत सभी क्या (यम की धारा प-मण्डल ग्राधिक	मा कि निम् क लिए । 94 की धा विलयों की । 17 के 3 हारी, मिकि	न विवरणी मूमि अर्जन पा 6 के मचना हेत् गुपबन्धां के ल), नाहुन	मामने में लाग नहीं जिला जिसला गाब/करबा 1	होंगे। विदरणी खसरान्ध 2	नहसीतः के ( ब्री)	्धान एरिया ) वि 3
में तिरीजन किया अ गकता है । 422 0    विवरणी 427 0   427 0   427 0   4187/403 0   विवरणी 4187/403 0   विवरणी 425 1   1 2 0   परिचा 424 1   माम बद्धरा नं0 परिचा 424 1   माम बद्धरा नं0 परिचा 424 1   चाम 401 1   2 3 401 1   1 2 3 401 1   1 60 3119 95 421 0   61 68 46 426 6   62 27 71 409 0   63 530 30 410 0   64 156 40 412 1   65 2977 60 413 1   66 12 56 420 0	में तिरीज़ण किया अरंगकता है । 422 0   विवरणी 427 0   427 0   4187/403 0   जिपा: निरमोर तहुसीम: नाहुन 425 1   माम बढ़रा नं0 एरिया 424 1   माम बढ़रा नं0 एरिया 424 1   चंग मीटर में 427 0   1 2 3 401 1   सिमपूरी 60 3119 95 421 0   61 68 46 426 6   62 27 71 409 0   63 530 30 410 0   64 186 40 412 1   65 2977 60 413 1   66 12 56 429 0	में निहित्य किया गया 2 उपन करना अपेकित है। 2. यह पोषणा झांग वर्षण क क्यान अपेकि क्यान क्यान की जाती है और उपन मर्चान स्थान मृन्यजैन समाहती. (उर को उपन मूर्ति के घरेन के विवा आता है।	ांक्त प्रयोजन प्रिवित्यम, 18 नेवत मधी क्यां प्रयम की खारा प्रमण्डल क्यांध्य क्यादेश लेने	सा कि निम्क के लिए 1 94 की धा कितयों की 3 1 7 के 3 जारी, सिकि का एनवुड़ा	न विवरणी सुप्ति अवंत पद्म 6 के मचना हेत् उपयन्त्री के ल), नाह्न रा निर्देश	मामने में नाए नहीं  जिला शिमला  गाव/करवा  1	होंगे । विवरणी कसरा न0 2 400/1	नहसोच के ( ब्री)	्बन प्रियः ) वि 3
निवरणी 427 0   स्वरणी 427 0   सं187/403 0   जिला: मिरमोर तहसीम: नाहन 425 1   प्राप्त कक्सर न0 एरिया 424 1   प्राप्त विद्युष्ट में 427 0   परिया 424 1   पर्वा में मीटर में 427 0   स्वर्पा न0 3119 95 421 0   स्वर्पा 60 3119 95 421 0   स्वर्पा 61 68 46 426 6   62 27 71 409 0   63 530 30 410 0   64 156 40 412 1   65 2977 60 413 1   66 12 56 420 0	निवरणी 124 1 427 0 427 0 4187/403 0 जिया: मिरमोर तहसीम: नाहन 425 1  प्राप्त कसरा न0 परिवा 424 1 वर्ग मीटर में 427 0 1 2 3 401 1  निवरपूरी 60 3119 95 421 0 61 68 46 426 6 62 27 71 409 0 63 530 30 410 0 64 186 40 412 1 65 2977 60 413 1 66 12 56 420 0	में निहित्त किया गया है उपन करना प्रोपेक्षित है। 2. यह पांचणा चांम प्रजंत के उपनरकों के प्रधीन इनमें मन्यि की जानी है चीर उचन प्रशित प्रधीन मृन्यनेन समाहता, (उ को उचन मूसि के प्रजंत के रिया जाता है। 3. भूमि को रोखाक भू-म	ाका प्रयोजन  प्रिमित्यम, 18 वित्त मभी क्यां त्यम की क्यां प-मण्डल ग्राधिक प्रादेश लेने	मा कि निम् के लिए 1 94 की धा 17 के 3 कारी, मिका का एनदुइा	न विवरणी वृष्टि अवंत परा 6 के मचना हेत् व्यापस्थां के ल), नाह्न रा निर्देश (उप-मण्डल	मामले में नाए नहीं  जिला जिमला  गाव/करवा  1  कथायू	होंगे । विवरणां खसरा न0 2 400/1 3335/416	तहसीचः क ् बी (	्रबन एरिया ) रि 3 
निवरणी 427 0 4187/403 0 जि.था: (सरमोर तहसील: नाहन 425 1 प्राप्त कक्षरा न0 एरिया 424 1 ना मीटर में 427 0 1 2 3 401 1 1 2 3 402 1 जिसपूरी 60 3119 95 421 0 61 68 46 426 6 62 27 71 409 0 63 530 30 410 0 64 156 40 412 1 65 2977 60 413 1 66 12 56 420 0	निया निरमोर तहसीन: नाहन 427 0 4187/403 0 0 जिया निरमोर तहसीन: नाहन 425 1 स्थान क्ष्मण न0 परिया 424 1 स्थान के मीटर में 427 0 1 1 2 3 401 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1	में निहित्य किया गया 2 उपन करना प्रोपेक्षित है। 2. यह प्रोपेक्षण स्नीम अर्थन के उपपरकों के प्राप्तीन इसने मध्यि ते तानी है और उनन प्रधिति स्थीत मुन्यत्रेन समाहतीं, (उ को उनन प्रमि के घर्नन के निया जाता है। 3. श्रीम का रेखाक मुन्य प्रशिकारों, शिवल नाहन उपन्म	तिका प्रयोजन प्रिक्तियम, 18 तेष्रत सभी व्या यम की धारा प-मण्डल ग्राधिक ग्रादेश लेके	मा कि निम् के लिए 1 94 की धा 17 के 3 कारी, मिका का एनदुइा	न विवरणी वृष्टि अवंत परा 6 के मचना हेत् व्यापस्थां के ल), नाह्न रा निर्देश (उप-मण्डल	मामले में नाए नहीं  जिला जिमला  गाव/करवा  1  कथायू	होंगे । विवरणी विवरणी व्यस्ता न0 2 400/1 3335/416 4188/403	तहसीयः व ् शीर	्ब्बन प्रियः ) वि 3 0 0
नियाः निरमोर तहुसीनः नाहुन 4187/403 0 नियाः निरमोर तहुसीनः नाहुन 425 1  प्राप्त बसरा नं 0 एरिया 424 1 स्वाप्त विष्टा में 427 0 1 2 3 401 1 1 2 3 402 1 1 402 1 1 60 3119 95 421 0 61 68 46 426 6 62 27 71 409 0 63 530 30 410 0 64 156 40 412 1 65 2977 60 413 1 66 12 56 420 0	जिपा: मिरमोर तहुसीम: नाहुन 425 1  प्राप्त कहरा नं 0 एरिया 424 1  प्राप्त कहरा नं 0 एरिया 424 1  वर्ग मीटर में 427 0  1 2 3 401 1  सिमपूरी 60 3119 95 421 0  61 68 46 426 6  62 27 71 409 0  63 530 30 410 0  64 186 40 412 1  65 2977 60 413 1  66 12 56 429 0	में निहित्य किया गया 2 उपन करना प्रोपेक्षित है। 2. यह प्रोपेक्षण स्नीम अर्थन के उपपरकों के प्राप्तीन इसने मध्यि ते तानी है और उनन प्रधिति स्थीत मुन्यत्रेन समाहतीं, (उ को उनन प्रमि के घर्नन के निया जाता है। 3. श्रीम का रेखाक मुन्य प्रशिकारों, शिवल नाहन उपन्म	तिका प्रयोजन प्रिक्तियम, 18 तेव्रत सभी व्या प्रम की झारा प-मण्डल ग्राधिक ग्रादेश लेके	मा कि निम् के लिए 1 94 की धा 17 के 3 कारी, मिका का एनदुइा	न विवरणी वृष्टि अवंत परा 6 के मचना हेत् व्यापस्थां के ल), नाह्न रा निर्देश (उप-मण्डल	मामले में नाए नहीं  जिला जिमला  गाव/करवा  1  कथायू	होंगे । विवरणी स्वसरा न्य 2 400/1 3335/416 4188/403	नहसीयः है ,बी(	्रस्व न प्रिया 3 0 0
जिनाः मिरमोर तहसीनः नाहन 425 1  प्राप्त क्षरा न0 एरिया 424 1  वर्ग मीटर में 427 0  1 2 3 401 1  विवस्पूरी 60 3119 95 421 0  विवस्पूरी 61 68 46 426 6  62 27 71 409 0  63 530 30 410 0  64 156 40 412 1  65 2977 60 413 1  66 12 56 420 0	जिनाः मिरमोर तहसीमः नाहन 425 1  प्राप्त कसरा न0 परिवा 424 1  प्राप्त कसरा न0 परिवा 427 0  ने परिवा 427 0  1 2 3 401 1  [मिरपूरी 60 3119 95 421 0  61 68 46 426 6  62 27 71 409 0  63 530 30 410 0  64 186 40 412 1  65 2977 60 413 1  66 12 56 420 0	में निहित्त किया गया 2 उपन करना प्रपेक्षित है। 2. यह पोषणा क्षांस स्रवेत के उपनिश्वों के प्रशीत किसी तकती है हो जाती है पीर उक्त प्रधित स्रवीत मृन्यत्रेत समाहती. (उक्तो उक्ता पूर्मि के प्रजेत के तिया जाता है। 3. शुंसि को रेखाक धून्य प्रशिकारी, सिबल नाहत उपन्म में निरीजण किया का गकता है	ाकः प्रयोजन प्रिविचमः, 18 नेतत मभी क्यां यम की श्रारा प-मण्डल ग्राधिण प्रादेश लेने प्रजंत समाहर्ता, (ण्डल), जिला	मा कि निम् के लिए 1 94 की धा 17 के 3 कारी, मिका का एनदुइा	न विवरणी वृष्टि अवंत परा 6 के मचना हेत् व्यापस्थां के ल), नाह्न रा निर्देश (उप-मण्डल	मामले में नाए नहीं  जिला जिमला  गाव/करवा  1  कथायू	होंगे । विवरणी व्यक्तरा नुष् 2 400/1 3335/416 4188/403 422 424	तहसीचः व ( ब्री)	्रंब्ब र एरिया 3 0 0 1
शिम क्षरा त0 एरिया 424 1 वर्ग मीटर में 427 0 1 2 3 401 1 1 2 3 402 1 1 60 3119 95 421 0 61 68 46 426 6 62 27 71 409 0 63 530 30 410 0 64 156 40 412 1 65 2977 60 413 1 66 12 56 420 0	हाम अवस्ता न । परिवा 404 ।  हाम अवस्ता न । परिवा 424   1 वन मीटर में 427   0  1 2 3 401   1  1 2 3 402   1  सिनपूरी 60 3119 95 421   0  61 68 46 426 6  62 27 71 409 0  63 530 30 410 0  64 156 40 412 1  65 2977 60 413 1  66 12 56 420 0	में निहित्त किया गया 2 उपन करना प्रपेक्षित है। 2. यह पोषणा क्षांस स्रवेत के उपनिश्वों के प्रशीत किसी तकती है हो जाती है पीर उक्त प्रधित स्रवीत मृन्यत्रेत समाहती. (उक्तो उक्ता पूर्मि के प्रजेत के तिया जाता है। 3. शुंसि को रेखाक धून्य प्रशिकारी, सिबल नाहत उपन्म में निरीजण किया का गकता है	ाकः प्रयोजन प्रिविचमः, 18 नेतत मभी क्यां यम की श्रारा प-मण्डल ग्राधिण प्रादेश लेने प्रजंत समाहर्ता, (ण्डल), जिला	मा कि निम् के लिए 1 94 की धा 17 के 3 कारी, मिका का एनदुइा	न विवरणी वृष्टि अवंत परा 6 के मचना हेत् व्यापस्थां के ल), नाह्न रा निर्देश (उप-मण्डल	मामले में नाए नहीं  जिला जिमला  गाव/करवा  1  कथायू	होंगे । विवरणी स्वस्था नण 2 400/1 3335/416 4188/403 422 424 427	तहसीचः व ्री	्राह्म र एरिया 3 0 0 1 0 1
ग्राम बहरा नं 0 एरिया 424 1 नं मीटर में 427 0 1 2 3 401 1 1 2 3 402 1 विष्पूरी 60 3119 95 421 0 61 68 46 426 6 62 27 71 409 0 63 530 30 410 0 64 156 40 412 1 65 2977 60 413 1 66 12 56 420 0	श्राम         बहुत्ता नं 0         परिया         424         1           नं मीटर में         427         0           1         2         3         401         1           निबपुरी         60         3119         95         421         0           61         68         46         426         6           62         27         71         409         0           63         530         30         410         0           64         186         40         412         1           65         2977         60         413         1           66         12         56         420         0	में निहित्य किया गया 2 उपन करना परिक्रत है। 2. यह पोवणा भाग वर्षन क उपराधी के अधीन उपने मधीन की जानी है और उपने मधीन सचीन मुन्यनेन समाहली. (उ को उक्त मुझि के समेन के दिया जाता है। 3. भूमि का रेखाक भू-म प्रिकारी, सिविल नाहन उपने में निरीजण किया था गकता है	ाकः प्रयोजन प्रिविचमः, 18 नेतत मभी क्यां यम की श्रारा प-मण्डल ग्राधिण प्रादेश लेने प्रजंत समाहर्ता, (ण्डल), जिला	सा कि निम् के लिए १ 94 की धा किसमों की हा 7 के दे हार्ग, मिकि का एनवुडा नाहन ( । सिरुमों र बे	न विवरणी भूमि अर्जन परा ६ के मचना हेत् का), नाहन रा निर्देश (उप-मण्डल के कार्यालय	मामने में नाए नहीं जिला शिमला गाव/करना 1	होंगे । विवरणी इसरा न्0 2 400/1 3335/416 4188/403 422 424 427 4187/403	तहसीचः ह श्रीत	्रह्म र ज्ञानिक ज्ञानिक ज्ञानिक ज्ञानिक ज्ञानिक ज्ञानिक ज्ञानिक ज्ञानिक
सर्ग मीटर में 427 0 1 2 3 401 1 1 2 0 1 1 402 1 1 402 1 1 60 3119 95 421 0 1 61 68 46 426 6 62 27 71 409 0 63 530 30 410 0 64 1156 40 412 1 65 2977 60 413 1 66 12 56 420 0	संग मीटर में 427 0 1 2 3 401 1 1 402 1 1 60 3119 95 421 0 61 68 46 426 6 62 27 71 409 0 63 530 30 410 0 64 166 40 412 1 65 2977 60 413 1 66 12 56 420 0	में निहित्य किया गया 2 उपन करना परिक्रत है। 2. यह पोवणा भाग वर्षन क उपराधी के अधीन उपने मधीन की जानी है और उपने मधीन सचीन मुन्यनेन समाहली. (उ को उक्त मुझि के समेन के दिया जाता है। 3. भूमि का रेखाक भू-म प्रिकारी, सिविल नाहन उपने में निरीजण किया था गकता है	ाकः प्रयोजन प्रिविचमः, 18 नेतत मभी क्यां यम की श्रारा प-मण्डल ग्राधिण प्रादेश लेने प्रजंत समाहर्ता, (ण्डल), जिला	सा कि निम् के लिए १ 94 की धा किसमों की हा 7 के दे हार्ग, मिकि का एनवुडा नाहन ( । सिरुमों र बे	न विवरणी भूमि अर्जन परा ६ के मचना हेत् का), नाहन रा निर्देश (उप-मण्डल के कार्यालय	मामने में नाए नहीं जिला शिमला गाव/करना 1	होंगे । विवरणी	नहसीयः है ्हीत	्राह्म र ज्ञाहित्या ज्ञाहित्या ज्ञाहित्या ज्ञाहित्या ज्ञाहित्या ज्ञाहित्या
1 2 3 401 1   1 402 1	1 2 3 401 1   402 1   1	में निहिन्द किया गया है उपन करना पर्यक्तित है। 2. यह पोत्रवणा कृष्मि प्रजेत के उपपन्थों के प्रधीन उमने मन्मित को जाती है और उक्त प्रधिनि स्थीन मुन्यनेन समाहती, (उक्ते को उक्त प्रसिक्त के समेत के विया जाता है। 3. शुमि का रेखाक मुन्य प्रभितारी, सिवल नाहत उपन्म में निरीजण किया का एकता है जिनाः मिरमीर	ाकः प्रयोजन प्रविधितयम् । अस् स्मित् मधी स्था स्मित् मधी स्था प्रमुख्य प्रदेश प्रादेश जेने प्राप्त समाहती, प्रवल), जिला	सा कि निम् के लिए १ 94 की धा किसमों की हा 7 के दे हार्ग, मिकि का एनवुडा नाहन ( । सिरुमों र बे	न विवरणी सूमि अर्जन परा 6 के मचना हेत् इरावन्सा के ल), नाहुन रा निर्देश (उप-मण्डल कार्यालय	मामने में नाए नहीं जिला शिमला गाव/करना 1	संस्था नण् प्रसंस्था नण् 2 400/1 3335/416 4188/403 422 424 427 4187/403 425 404	तहसीचः व ्री	्रह्म त प्रिया 3 0 0 1 0 0 1 0 0 1
1 2 402 1 विषयुरी 60 3119 95 421 0 61 68 46 426 6 62 27 71 409 0 63 530 30 410 0 64 156 40 412 1 65 2977 60 413 1 66 12 56 420 0	1 2 402 1 विषयुरी 60 3119 95 421 0 61 68 46 426 6 62 27 71 409 0 63 530 30 410 0 64 156 40 412 1 65 2977 60 413 1 66 12 56 420 0	में निहिन्द किया गया है उपन करना पर्यक्तित है। 2. यह पोत्रवणा कृष्मि प्रजेत के उपपन्थों के प्रधीन उमने मन्मित को जाती है और उक्त प्रधिनि स्थीन मुन्यनेन समाहती, (उक्ते को उक्त प्रसिक्त के समेत के विया जाता है। 3. शुमि का रेखाक मुन्य प्रभितारी, सिवल नाहत उपन्म में निरीजण किया का एकता है जिनाः मिरमीर	ाकः प्रयोजन प्रविधितयम् । अस् स्मित् मधी स्था स्मित् मधी स्था प्रमुख्य प्रदेश प्रादेश जेने प्राप्त समाहती, प्रवल), जिला	मा कि निम् क लिए 1 94 की भा भिनयों की 1 7 के 5 हार्रा, मिकि का एनवृद्धा नाहन ( 1 सिरमोर बे	न विवरणी सूमि अर्जन एरा 6 के मचना हेत् इरावल्डा के ल), नाहुन रा निर्देश (उप-मण्डल कार्यालय स्वास्त्र	मामने में नाए नहीं जिला शिमला गाव/करना 1 कथाय	होंगे।	तहसीचः ह ब्री (	्रह्म र एरिया 3 0 0 1 0 0 1 1 0 0 1 1
निबस्पूरी 60 3119 95 421 0 61 68 46 426 6 62 27 71 409 0 63 530 30 410 0 64 156 40 412 1 65 2977 60 413 1 66 12 56 420 0	निबस्पूरी 60 3119 95 421 0 61 68 46 426 6 62 27 71 409 0 63 530 30 410 0 64 166 40 412 1 65 2977 60 413 1 66 12 56 420 0	में निहित्य किया गया 2 उपन करना प्रपेकित है। 2. यह पोषणा कुम्म प्रयंत के उपरच्यों के प्रपोत उसन मध्यों में जानी है थी। उसन प्रधित प्रयोत मुन्यमंत समाहती. (उन को उसन मुझ्ल समाहती. (उन को उसन मुझल समाहती. (उन को उसन मुझल समाहती है। 3. जुझल को नेसाक मुझल प्रपादनारी, सिंचल नाहन उपन में निरीजण किया का सकता है जिन्छाः निरमोर	ाकः प्रयोजन प्रविक्तियमः, 18 विक्रित्यमः, 18	मा कि निम् क लिए 1 94 की भा भिनयों की 1 7 के 5 हार्रा, मिकि का एनवृद्धा नाहन ( 1 सिरमोर बे	न विवरणी भूमि अर्जन स्था ६ के मचना हेत् हायक्तां हे ल), नाहन रा निर्देश (उप-मण्डल कार्यालय परिसा गंभीटर मे	मामने में नाए नहीं जिला शिमला गाव/करना 1 कथाय	होंगे ।	नहसीयः व ्री	्रिया (रिया) (रिया) (१) (१) (१) (१) (१)
61 68 46 426 6 62 27 71 409 0 63 530 30 410 0 64 186 40 412 1 65 2977 60 413 1 66 12 56 420 0	61 68 46 426 6 62 27 71 409 0 63 530 30 410 0 64 156 40 412 1 65 2977 60 413 1 66 12 56 420 0	में निहित्य किया गया 2 उपन करना प्रपेकित है। 2. यह पोषणा कुम्म प्रयंत के उपरच्यों के प्रपोत उसन मध्यों में जानी है थी। उसन प्रधित प्रयोत मुन्यमंत समाहती. (उन को उसन मुझ्ल समाहती. (उन को उसन मुझल समाहती. (उन को उसन मुझल समाहती है। 3. जुझल को नेसाक मुझल प्रपादनारी, सिंचल नाहन उपन में निरीजण किया का सकता है जिन्छाः निरमोर	ाकः प्रयोजन प्रविक्तियमः, 18 विक्रित्यमः, 18	मा कि निम् क लिए 1 94 की भा भिनयों की 1 7 के 5 हार्रा, मिकि का एनवृद्धा नाहन ( 1 सिरमोर बे	न विवरणी भूमि अर्जन स्था ६ के मचना हेत् हायक्तां हे ल), नाहन रा निर्देश (उप-मण्डल कार्यालय परिसा गंभीटर मे	मामने में नाए नहीं जिला शिमला गाव/करना 1 कथाय	होंगे । विवरणी असरा न0 2 400/1 3335/416 4188/403 422 124 427 4187/403 425 404 424 427	नहसीचः व ्री	्राह्म त एरिया ठ वि 0 0 1 0 0 1 1 0 0 1 1 0 1
62 27 71 409 0 63 530 30 410 0 64 186 40 412 1 65 2977 60 413 1 66 12 56 420 0	61	में निहित्य किया गया 2 उपन करना परिक्रत है।  2 यह पोवणा झांग प्रयोग इ प्राप्त क्षेत्री के प्रयोग इसने मन्द्र्य को जाती है और उपन प्रश्चित प्रयोग मृन्य मेंन समाहता, (उ को उपने पृत्रि के प्रयोग के दिया जाता है।  3. भूषि का नेवाक भून्य प्रश्चित्यों, सिविया नाहन उपन्म में निरीजण किया ना गकता है जिला: सिरमोप शाम कक्सरा  1 2	ाकः प्रयोजन  प्रिक्षित्यम् । अ  नित्त मभी क्यां यम की वारः प-मण्डल प्राध्यः प्रादेश लेने  प्रादंश लेने  विवरणी	मा कि निम् क लिए । 94 की धा विश्वपों की : 1 7 के 3 हारी, सिक्ष का एनवृद्धा नाहन ( सिरमोर बे तहस	न विवरणी भूमि अर्वन  रा 6 के मचना हेत् ल), नाहुन रा निर्देश (उप-मण्डल रे कार्यालय  एरिया ने मीटर मे	मामले में लाग नहीं जिला शिमला गाव/करना 1 कर्माण	संस्था निवस्था। स्वस्था निवस्था। स्वस्था निवस्था। 3335/416 4188/403 422 424 427 4187/403 425 404 424 427 401	तहसीचः व ्होत	्रह्म त ज्ञातिका जिल्ला जिला जिला जिला जिला जिला जिला जिला जि
63 530 30 410 0 64 186 40 412 1 65 2977 60 413 1 66 12 56 420 0	63 530 30 410 0 64 186 40 412 1 65 2977 60 413 1 66 12 56 420 0	में निहित्य किया गया 2 उपर करना प्रपेक्षित है।  2. यह पोवणा क्षांस प्रवंत के उपरच्यों के प्रपीत इसने मम्बर्ति हो जाने हैं पीर उक्त प्रधिति प्रधीत स्-प्रवंत समाहर्ती. (उक्ते उक्ते प्रभित के दिया जाता है।  3. श्रीम का त्रेवाक सु-प्र प्रपित्तारी, सिवल नाहत उपन्म में निरीज्य किया का सकता है जिनाः सिरमीर  प्राप्त  4 व्यक्तिया किया का सकता है  जिनाः सिरमीर  प्राप्त  4 व्यक्तिया किया का स्वस्ता	ाकः प्रयोजन  प्रिक्षित्यम्, 18  प्रिक्षित्यम्, 18  प्राप्तः मभी क्या  प्रम्म की श्रारः  प्राप्तः प्राप्तः  प्राप्तः समाहर्ता,  प्रकल), जिला  विवरणी  नै0	मा कि निम् क लिए । 94 की धा विश्वपों की : 1 7 के 3 हारी, सिक्ष का एनवृद्धा नाहन ( सिरमोर बे तहस	न विवरणी मूर्ति सर्वेन  रा ६ के मुस्ति सर्वेन  रा ६ के मुस्ति हैं हैं  तुराबन्दां के ले), नाहुन रा निर्देश  (उप-मण्डल के कार्यालय  परिसा गं मीटर मे	मामले में नाए नहीं जिला जिसला गाब/करका 1 कथायू	होंगे ।	नहसीचः व ्रीत	्रह्म त एरिया 0 1 0 1 0 1 1 0 1 1 0 1 1 0 1 1 0 1 1 0 1
64 186 40 412 1 65 2977 60 413 1 66 12 56 420 0	64 186 40 412 1 65 2977 60 413 1 66 12 56 420 0	में निर्देश किया गया 2 उप करना परिवास है।  2. यह पोषणा भूम प्रजेग इ उपने के प्रधीन इसने नम्बरिक जानी है और उक्त प्रधिन क्यों मुन्यनेन समाहती. (उक्त प्रधान मुन्यनेन समाहती है।  3. श्रीम का रेखाक भूम प्रधाना हों।  3. श्रीम का रेखाक भूम प्रधाना हों।  सिर्दाल नाहत उपन्म में निरीजण किया अर मकता है।  जाता है।  3. श्रीम का रेखाक भूम प्रधाना हों।  सिर्दाल महत्त उपन्म में निरीजण किया अर मकता है।  जाता सिर्दाल किया अर मकता है।  क्यां सिर्दाल किया कर सकता है।	ाकः प्रयोजन  प्रिमित्यमः 18  नेतन मभी क्यां प्रमा की धारे प्रमाव्यम की धारे प्रमावेश जेने प्राप्ति जेने प्रमावेश जेने प्रमावेश जेने प्रमावेश जेने प्रमावेश जेने प्रमावेश जेने	मा कि निम् क लिए । 94 की धा विश्वपों की : 1 7 के 3 हारी, सिक्ष का एनवृद्धा नाहन ( सिरमोर बे तहस	न तिवरणी नृति धर्मन प्राप्त 6 के मचना होते हैं कि मचना है कि 46 68 46	वामने में नाए नहीं जिला जिसला गाव/करना 1 कथान्	होंगे । विवरणी असरा न0 2 400/1 3335/416 4188/403 422 424 427 4187/403 425 404 424 427 401 402 421 426	तहसीचः व ्री	एरिया 0 0 0 0 1 0 0 0 1 1 0 0 1 1 0 0 1 1 0 0
64 150 47 60 413 1 65 2977 60 420 U 66 12 56 420 U	64 150 47 60 413 1 65 420 U	में निहित्य किया गया 2 उप करना परिविद्य किया गया 2 उप करना परिविद्य के प्रधीन उपने मध्यित प्रधीन उपने मध्यित प्रधीन उपने मध्यित प्रधीन उपने प्रधीन प्रधीन मुन्दर्गत समाहत्ती, (उपने प्रधीन मुन्दर्गत समाहत्ती, (उपने प्रधीन मुन्दर्गत समाहत्ती, (उपने प्रधीन निहार प्रधीन के प्रयोग के प्रधीन के प्रयोग के प्रधीन के प्रयोग के प्रधीन	ाकः प्रयोजन  प्रविक्रियमः, 18  नेतन मनी क्यां प्रम की वारं प्रमण्डल प्रधिक प्रादेश लेने  प्रकल), जिला है  वेबरणी  0 1 2	सा कि निम् क लिए । 94 की धा विश्वपों की : 1 7 के 3 हारी, सिक्ष का एनवृद्धा नाहन ( सिरमोर वे विश्वपों के स्व	न विवरणी मूर्ति धर्मेन प्राप्त ६ के मचना हेतु हुए सम्बद्धा के ल), नाहुन रा निर्देश के सम्बद्धा के सार्थालय प्राप्त कार्यालय प्राप्त कार्यालय में मीटर में 3 19 95 68 46 27 71	मामले में लाग नहीं जिला जिमला गाव/करना । कर्माण	स्तरा न् 0 2 400/1 3335/416 4188/403 422 424 427 4187/403 425 404 424 427 401 402 421 409	तहसीयः व ्रीत	्रिया ते विकास के किया के किया के किया किया किया किया किया किया किया किया
66 12 56 420	66 12 56 420 0	में निहिन्द किया गया 2 उप करना घर्षाकत है।  2. यह घोषणा क्षांग प्रकंग के उपरण्यों के प्रधीन दमने मम्बद्धित को जानी है थीर उक्त प्रधिन घषीन भू-प्रकंग समाहती. (उर को उक्त प्रभा के प्रकंग के दिया जाता है।  3. भूमि को त्याक भू-प्र प्रधितारों, सिक्त नाहन उपन्म में निरीज्य किया था गकता है जिया: मिरमीर  प्राप्त  1 2 जियपुरी 66 66	ाकः प्रयोजन  प्रिक्षित्यम्, 18  प्रिक्षित्यम्, 18  प्राप्तः मभी क्या  प्रम्म की श्रारः  प्राप्तः प्राप्तः  प्राप्तः  प्रम्म की श्रारः  प्रम्म की श्रारः  प्रम्म की श्रारः  प्रम्म की श्रारः  विकारणी  विकारणी  1  1  1  1  1  1  1  1  1  1  1  1  1	्या कि जिम्म क जिम्म 94 की धा मिलयों की: 1 7 के 5 कारों, मिकि का एनदेड़ा गार्डन (। सिरमोर बे सिरमोर बे	न विवरणी मूर्मि धर्मेन स्वा है ते के सम्बा है ते के सम्बा है ते सम्बा है ते सम्बा है ते सम्बा है ते सम्बा है के सम्ब है के सम्बा है के सम्ब है के सम्बा है के सम्ब है के स्था है के सम्ब है के स्था है के स्थ	मामले में नाए नहीं जिला जिसला गाब/करका 1 कथाप्	होंगे ।	नहसीयः व ्रीत	्राह्म र जिल्ला जिला जिल्ला जिला जिला जिला जिला जिला जिला जिला जि
429	429	में निरिश्त किया गया 2 उपर करना प्रेपीलन है।  2. यह पोषणा झांग ठ्रजंग इ उपरच्छों के प्रधीन उमने मम्बर्ति को जानो है और उक्त प्रधिनि मधीन स्थान समाहतीं, (उक्त को उक्त प्रसि के प्रजेत के दिवस जाता है।  3. शीम का रेखाक भू-प्र प्रशिक्तारी, सिक्ति नाहत उप-म में निरीलण किया का मकता है जिन्दाः मिरफोर प्राप्त  1. 2. ——————————————————————————————————	ाकः। प्रयोजन  प्रिमित्यमः, 18  स्मित्यमः, 18  स्मित्यमः, 18  स्मितः सभी स्पाः पादेशः जेने प्राः पादेशः जेने प्राः प्रादंशः जेने प्राः प्र प्राः प्र प्राः प्र प्राः प्र प्राः प्र प्राः प्र प्राः प्र प्राः प्र प्राः प्र प्राः प्र प्राः प्र	्वा कि निम् क लिए । 94 की धा कितयों की : 1 7 के 3 हार्रा, मिक का एतवुड़ा नाहत (। (। सिरुमोर के तहसं	न विवरणी नृति धर्मन प्राप्त 6 के मचना होते हैं कि निर्माण के सम्बन्ध के लिए के सम्बन्ध के समाम के सम्बन्ध के समित्र के समित्य	मामले में नाए नहीं जिला जिसला गाब/करका 1 कथाप्	होंगे । विवरणी: विवरणी: 2 400/1 3335/416 4188/403 422 424 427 4187/403 425 404 424 427 401 402 421 426 409 410	नहसीयः व ्रीत	्राह्म र जिल्ला जिला जिल्ला जिला जिला जिला जिला जिला जिला जिला जि
	67 150 10	में निहिन्द किया गया 2 उप करना प्रपेक्ति है।  2 यह पोवणा झांग द्रांग क्यांग हांग द्रांग के प्रयोग क्यांग क्यांग के प्रयोग क्यांग क्यांग के प्रयोग क्यांग स्थांग के प्रयोग क्यांग स्थांग है।  3. शृंभ का नेवाक भू-म प्रयोग स्थांग स्यांग स्थांग	ाकः प्रयोजन  प्रिक्षित्यम् । अ  स्मित्यम् । अ  सम्मित्यम् । अ  सम्मित्यम्यम् । अ  सम्मित्यम् । अ  सम्मित्य	्वा कि निम् क लिए । 94 की धा कितयों की : 1 7 के 3 हार्रा, मिक का एतवुड़ा नाहत (। (। सिरुमोर के तहसं	न विवरणी मूर्ति अर्जन । । । । । । । । । । । । । । । । । । ।	मामले में नाए नहीं जिला जिसला गाब/करका 1 कथाप्	होंगे ।	तहसीयः व ्रीत	्रव्यान क्रिया के कि

1	2	3	4	यतः राज्यपाल, हिम परिक्षेत्र में जैसा कि	त्रचल प्रदेश को यह प्र निस्त विवरणी से ि	तीत होता नेदिष्ट कि	है वि या ग	त्र उ <b>क्त</b> या है.
	431	1	9		लेए भूमि का प्रजेन			
	411	1	8					
	414	3	3	मतः हिमाचल प्रदेश	ग के राज्यपाल भू~मञ	ांन प्रधिनि	यम,	1894
	415	0	5	की धारा (17) की उ	प-धारा (4) द्वारा प्रद	त्त गक्तिय	ों का	प्रयोग
	4393/419	0	7	करते हुए यह आदेश	करते हैं कि मामला	घत्यावश्य	有 ?	होने के
	4395/423	1	2	फलस्वरूप उन्त प्रधिनि	यम की धारा (5)(ए)	के उपबन्ध	इस म	मने में
	4397/428	0	14	लागुनहीं होगे।	, , , , ,			
	4399/432	1	8	8 1/1.				
	4336/426	0	13		विवरण			
	405	2	15					
	408	2	19	जिला: शिमला		नहर	मील:	रामपुर
	4394/419	0	13	14KH. 14F-14H				
	4396/423	0	17				OT.	श्या
	4400/432	2	6	महास	स्वासरानं 0			टेयर
	418	. 0	3	1	2	3	4	5
	4398/428	1	6	<u>.</u>				
	430	1	12	महालः शिमला	1108	0	28	22
	4522/4377/384	0	10	उप-महालः कलना	1108/1	0	01	10
^				A california to the	1112	0	00	90
किता	39	48	0		1113/1	0	01	20
+					1140	ñ	00	95
1 1					1148/1	Ü	03	36
$\sim II$	शिमला-2, 11 नवम्बर, 1987				1149	o	01	28
$\vee$ $\cup$					1149		0.1	-0
ग्रजंत ग्रीधिनियम	8)-4/86-सिला-गः —-यतः र्मा 1894 की धारा (4) के उपबन्ध	ांक ग्रन	भूमि तर्गत	किसा	7	0	37	01
ग्रधिसूचना संस्था वि	सक्ता-ज (८) 4/86-क्रिका-ग. दिनांक	3-8-87	को					

ग्रादेश द्वारा, ग्रस्तर सिंह, विस्तायक्त

# FINANCE DEPARTMENT

# (Treasuries and Accounts Organisation)

# NOTIFICATION

Shimla-2, the 10th November, 1987

No. FIN (TR) B (2)-1.75.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee and in consultation with the Himachal Pradesh Public Service Commission, the Governor, Himachal Pradesh, is pleased to promote the following Section Officers in the pay scale of Rs. 800—1400+ Rs. 50/- special pay as Accounts Officers in the pay scale of Rs. 825—1580 (Class-II Gazetted) on regular basis in the following order. of seniority with immediate effect.

2. They will remain on probation for a period of two years.

जारी की गई जो कि दिगाचल प्रदेश राजपत दिनांक 19-9-87 में सरकारी व्यय पर सावेजनिक प्रयोजन नामतः राजकीय माध्यमिक

म्कूल नोगली. तहसील रामपुर, जिला शिमला के लिए खेल के मैदान

के निर्माण हेत प्रकाशित की गई।

- Shri Geeta Ram, Section Officer in the office of the Director-Principal, Indir: Gandhi Medical College Shimla.
- (2) Shri Jaswant Singh, Section Officer in the office of the Director, Food and Supplies, Shimla.
- (3) Shri Ajit Singh Bhalaik, Section Officer in the office of the Director, RID Department.

As a result of above promotions, the Governor, Himachal Prade h, is further pleased to order the following postings and transfers in the cadre of Accounts Officers in the public interest with immediate

SI. No.	Name of Officer 2	From 3	To 4
1.	S/Shri Geeta Ram	Section Officer in the office of Director- Principal, Indira Gandhi Medical College, Shimla.	Accounts Officer in the office of Director Principal, Indira Gandhi Medical College vice Shri H. K. Agnihotri, transferred.

1	2	3	4
2.	Jaswant Singh	Section Officer in the office of Director, Food and Supplies, Shimla,	Accounts Officer in the office of the Deputy Commissioner, Solan against a vacant post.
3.	Ajit Singh Bhalaik	Section Officer in the office of the Director, RID Deptt., Shimla.	Accounts Officer in the office of the Chief Engineer. IPH, Shimla against a vacant post.
4.	H, K. Agnihotri	Accounts Officer in the office of the Director Pincipal, Indira Gandhi Medical College, Shimla.	Accounts Officer on depu- tation on foreign service in the Chief executive Officer. Shimla Development Authority, Shimla.
		**************************************	

M. K. KAW, Commissioner-cum-Secretary.

# GENERAL ADMINISTRATION DEPARTMENT

(SECTION-A)

# NOTIFICATION

# Shimla-2, the 2nd November, 1987

No. GAD-A (B) 8-1/87.—It is hereby notified that the holidays specified in the Schedule appended below, shall be observed as Public Holidays in the public offices under the Himachal Pradesh Govt, during the Calendar Year. 1988:—

## SCHEDULE

Sr.	Holidays	Date	Saka	Day of Week
No.	,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,	36,51		
# 1.	Statehood Day	January, 25	Magha 5, 1909	Monday
	Republic Day	January, 26	Magha 6, 1909	Tuesday
2. 3.	Guru Ravi Das' Birthday	February, 2	Magha 13, 1909	Tuesday
	Maha Shivratri	February 16	Magha 27, 1909	Tuesday
5	Holi	March, 4	Phalguna 14, 1909	Friday
6	Ramnavami	March, 26	Chaitra 6, 1910	Saturday
7	Mahavir Jayanti	March, 31	Chaitra 11, 1910	Thursday
2	Good Friday	April. I	Chaitra 12, 1910	Friday
4. 5. 6. 7. 8. 9.	Himachal Day	April, 15	Chaitra 26, 1910	Friday
10.	Budh Purnima	May, 1	Vaisakha 11, 1910	Sunday
11.	ldu'l Fitr	May, 18	Vaisakha 28, 1910	Wednesday
12.	Idu'l Zuha (Bakrid)	July, 25	Sravana 3, 1910	Monday
13.	Independence Day	August, 15	Sravana 24, 1910	Monday
14.	Muharram	August, 24	Bhadra 2, 1910	Wednesday
15.	Janmashtemi	September, 2	Bhadra 11, 1910	Friday
16.	Mahatma Gandhi's Birthday	October, 2	Asvina 10, 1910	Sunday
17.	Dusschra (Maha Ashtami)	October, 18	Asvina 26, 1910	Tuesday
18.	Dussehra (Vijay Dashmi)	October, 20	Asvina 28, 1910	Thursday
19.	Diwali (Dipawali)	November, 9	Kartika 18, 1910	Wednesday
20.	Guru Nank's Birthday	November, 23	Agraha- 2, 1910	Wednesday
20.	Guin Haile 2 Dillings	MOVEHIDEL, 23	yana 2. 1710	
21.	Christmas Day	December, 25	Pausa 4, 1910	Sunday.

2. Besides the above holidays, each employee of Himachal Pradesh Govt, will also be entitled to avail himself of any two Holidays to be chosen by him out of the list of Restricted Holidays specified below

# RESTRICTED HOLIDAYS FOR 1988

	TEG. ILI						
Sr. No.	Holida)'s Date		Date Sak		,	Date of the Week	
1. 2. 3.	New Year's Day Makarsankranti Vasant Panchami/	January, January, January,	1 14 23	Pausa Pausa Magha	11, 1909 24, 1909 3, 1909	Friday Thursday Saturday	
4. 5. 6. 7. 8.	Sripanchami Hazrat Ali's Birthday Holi (Holika Dehan) Vaisakhi Jamat-ul-Vida Raksha Bandhan Dusebra (Maha Navmi)	March. March. April, May. August. October.	2 3 13 13 27	Phalguna Phalguna Chaitra Vaisakhu Bhadra, Asvina.	12, 1909 13, 1909 24, 1910 23, 1910 5, 1910 27, 1910	Wednesday Thursday Wednesday Friday Saturday Wednesday	

	**				
1	2	3		4	5
10. 11	Milad-un-Nahi or Id-a-Milad Maharishi Bahniki's Birthday	October, 24 October, 25	Kartika Kartika	2, 1910 3, 1910	Monday Fuesday
12. 1 . 14.	Goverdhan Pooja Bhai Duj Ouru Teg Bahadur' Martydom Day	November, 10 November, 11 December, 13	Kartika Kartika Agrahayana	19, 1910 20, 1910 22, 1910	Thursday Friday

It is forther notified that Heads of Departments/Offices shall at their discretion grant two local holidays in the calendar year on the occusions of important fair and festivals poculiar to the places where there are colobrated, provided that where there happen to be more than two important fairs fostivals, two local holidays are to be declared in consultation with the Deputy Co.m missioner of respective district. Bit the total number of holidays will not, in any case, be more than two in a year.

By order, P. S. RANA Commissioner-cum-Secretary (GAD).

াক বিহাল বিদাৰ

बांधस् चनाग्

जिमना-171002. 12 सितम्बर, 1987

सच्या लाग्नि ०(वा)-7(1) 65, 87: -यतः हिमाचल प्रदेश राज्यपाल का यह पतीत होता है कि हिमाचल परेक मरकार की सरकारी व्यय पर सरकारी प्रयोजनार्थ नामतः शाव कैम्यली तथा जडबान, तहसील कण्डाचाट, जिला सोलन, (हि0 प्र0) में कैन्यलीबाट बाजा मार्ग के निर्माण हेतू सूमि ली जानी धरेकित है. धनएव एत्यहारा यह बोयत किया जाता है कि निध्न विनिधेशन में सर्जन बणित भूमि उक्त प्रयोजन के लिए सपेकित है।

धर यांचया मूमि धर्यन प्रांधानयम, 1894 की धारा स के उपबन्धों के बंधीन इससे सम्बन्धित नभी व्यक्तियों की सूचना हेतु की जाती है बीर उक्त बिविनयम की बारा 7 के उपबन्धों के स्रधीन भू-सर्जन समाहता, लोक निर्माण विभाग, विस्टर फील्ड, शिमला-3, हिभाषल प्रदेश को उक्त भूमि के ग्रामंन करने के भावेश मेर्न का एसब्द्वारा निवेश विया जाता है।

मूमि का रेखाक भू-मर्जन समाहर्ता, लोक निर्माण विभाग, विष्टा फील्ड, जिमला- 3, हिमाचल प्रदेश के कार्यालय में निरीक्षण किया जा सकता है-:

# विश्वत विवरग

जिला: मोलम		नहसील	45.01	इ। माट
5 66	AND CONTRACT OF THE	1021 0	सा	
गाव	यसरा मं ०	*	to	feo
1	2		3	4
<b>के था</b> नी	295/102/1		6	10
ब्रह्माल	202/51		7	15
	175/1		ī	9
3	र्वार		9	4

शिम वा-2. 9 नवस्वर, 1987

सच्या सो 0 नि 0 (ख) 7 (1) 28/8 6 --- यतः राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश को यह प्रतीत होता है कि हिमाबल प्रदेश सरकार द्वारा सरकारी व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन के लिए नामतः गांव अम्बोह टीका मेदा तहसील भोग्य, जिना हमीरपुर में ग्रवाह-पेबी-चम्बोह सड़क (किलोमीटर 0/0 से 5/0 तक सड़क) के निर्माण हेतु भूमि मर्जन करनी धरेकित है, अनएव एतद्बारा यह मधिमूचित किया जाता है कि उक्त परिक्षेत्र में जैसा कि निम्न विवरणी में निर्दिष्ट िया गया है। उपरोक्त प्रयोजन के लिए मृति का सर्जन सपेक्षित है।

यह प्रधिमुचना ऐसे सभी व्यक्तियां को, जो इस से सम्बन्धित हैं या हो सकते हैं, की जानकारी 🥹 लिए मृति सर्जन संधिनियम, 1894 को सारा 4 क उपबन्धों र बन्तर्गत आरी की जाती है।

पूर्वोक्त भारा द्वारा प्रवत्त गक्तियो का प्रयोग करते हुए, राज्यपाल हिमाधन प्रवेश, इस समय इस उपक्रम में कार्यरत सभी अधिकारियों/. उन के कर्मचारियां घीर धनिकों को इलाके की किसी भी भूगि में प्रवेश करने तथा सर्वेक्षण करने भीर उस भारा द्वारा भवेतिन संश्रेष मन्मत सभी यत्य कार्यों को करने के लिए सहयं प्राधिकार देते हैं।

कोई भी ऐसा हितबक व्यक्ति, जिसे उदत परिक्षेत्र में कथित भूमि के बर्जन पर कोई बार्पाल हो तो वह इस बिधसुबना के प्रकाणित होने के तीस विनो की मर्बाध के भोतर लिखित रूप में भ-धर्जन समाहर्ता, हिमाचल प्रवेश लोक निर्माण विभाग, हमीरपुर के सम्मन्ध अपनी धापति बायर कर सकता है।

[Authoritative English Text of this Government Notification No. P.W.D. 7 (1) 28/87 dated 9-11-87, as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India)

Shimla-2, the 9th November, 1987

No. PBW(B&R)(B)7(1)28/87. - Whereas it appears to the Governor, of Himachal Pradesh that the land is likely to be required to be taken by the Government at public expenses for a public purpose, namely for the con-struction of Awa Devi Chamboh road Km. 0/0 to 5/0 in Tikka Chamboh, Tehsil Bhoranj, District Hamirpur, it is hereby notified that land in the locality described below is likely to be acquired for the above purpose.

This notification is made under the provisions of section 4 of the Land Acquisition Act, 1894 to all whom it may concern.

In exercise of the powers conferred by the aforesaid section, the Governor, Himachal Pradesh is pleased to authorise the officers for the time being engaged in the undertaking with their servants and workmen to enter upon and survey any land in the locality and do all other acts required or permitted by that section,

Any person interested, who has any objection to the acquisition of the said land in the locality may, within 30 days of the publication of this notification, file an objection in writing before the Collector of Land Acquisition H.P. P.W.D.. Hamirpur, District Hamirpur (H.P).

> बिस्तत विवरण SPECIFICATION

जिला हमी	रपुर	तहसील: भोरंज					
	HAMIRPUR		BHOR	LNA			
				nai Arca			
टीका	मौजा	वसरा नं 0	₹0	म 0			
Tikka	Mauza	Khasra No.	K.	M.			
	2	3	4	5			
मेवा	वम्बोह	2508	2	4			
MEWA	CHAMBOH	2512/1	0	13			
		2513/1	0	6			

ामस्य, हर	रायन प्रवेश, 28 नव	<sup>ब्दर</sup> , 1987/7 चवहायन, 1909	1041
3	4 5	1 2 3	4 5
2511/1	0 1	1240	man of the state o
2509/1	Sursahi I	12	
2510/1	0 3	1238	1 0 3
2459/1	0 11	1 237, 1370/	0 19
2514/1 2515/1	0 12	1369	
2520/1	0 10	1201,	d o 3
2516		1200	
2517/1	0 5 0 2 0 5 0 2	1197	
2519/1 2518/1	0 5	1197	/l 0 4
2104/1	0 4	119 <del>9</del> 1198	(1 2 4
2103/1	0 14	1159	/L 0 5
2094/1 2093/1	0 14 0 2 0 3 0 6	1157	/i 1 6
2095	0 6	1153	/1
2097	() 8	1154	3 Sarsahi
2096	0 5	1158	/1 0 14 /1 0 10
209±/1 2099/1	0 1	3372	/1155/1 0 11
2085//1	0 2 0 16 0 2 0 2 0 3	3,371,	/1121/1 0 3
2036/1	0 2	1119 1120	1 5
2035/1	0 2		/L 0 7 /1118/1 0 10
2030 2027/1	0 5	3367	/11 8/1 0 2
2019/1	0 8	1096	
2031/1	0 1	1095 1092	7.1
1951/1	0 1	1092	0 11 0 2
2020/1 2018/1	0 1	1094	0 10
2017/1	0 9	3374	/1572/1 1 12
2016/1	0 1 0 2	Kitta	
1953/1	0 2	Kitta 1[1	and 2 Sarsahi.
19 4 1956/1	0 3 0 6		and a saisass.
1955/1	0 13		
1942/1	0 14	शिमला-2, 1। नवः	<b>ब</b> र, 1987
1948/1	0 4		
1945/1 1941/1	0 1	मंख्या. लोक . निर्माण (व) १(1) ५।	1/87:वतः हिमाचल प्रदेशः के
1937/1	0 1	राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि	
	4 Sarsahi.	सपने भ्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन तथा सेडोकर सम्बद्धिः सन्दर्भ	के लिए नामतः मुहाल कुन
1936/1	3 Sarsahi.	कर सम्बद्धाः स्थापना सम्बद्धाः । अस्ति	
1935/1	3 Sarsahi.	मण्डी-कोटली कुत-काश्चर सडक के भपेक्षित हैं, भराग्य एतदहारा यह र	
1934	0 5	जनन परिक्षेत्र में जैसा कि निस्त वि	मधिन्चित किया जाता है कि वरणी में निविष्ट किया गया
1938/1	0 14	है उपराक्त प्रयोजन के लिए भूमि क	
1943/1	0 2	A MINISTER AND	441 A100 F
1933/1	0 10	2. यह प्रधिसूचना ऐसे सभी व्यक्ति	लयो को जो इससे सम्बन्धित
1929/1	0 9	हो सकते हैं, की जानकारी के लिए भू	मि प्रजेन प्रधिनियम । ५९४
1932/1	0 10	की धारा 4 के उपस्था के घन्तर्गत जा	रीकी जाती है।
1931/1	0 1		
1930/I 1926/I	0 12	<ol> <li>पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त ग</li> </ol>	किन्छ। का प्रयास करते का
1924/1	0 6	राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश, इस समय	
1923/1	0 6	ग्रधिकारियों, उनके कर्मबारियों भीर	
1367 1366	2 1	भी भूमि में प्रवेश करने धौर सर्वेक्षण	
1368/1		धरेकित या धनमत सम्य मधी कार्यों	
1271/1	0 2	प्राधिकार देते हैं।	
1 270/1	0 2		
1269/1			
1268/1	0 3	<ol> <li>कोई भी हितबब व्यक्ति, जिसे</li> </ol>	उक्त परिक्षेत्र में कथित भूमि
1266/1	0 4	के प्रजीन पर कोई प्रापत्ति हो. तो वह !	[स धरिधमुचना के प्रकाशित ।
1266/1 1267/1	0 4 0 1 1 12	के प्रजीन पर कोई भापति हो. तो वह । होने के 30 दिन की भवधि के भीत	इस धर्षिमूचना के प्रकाणित इर लिखित रूप में भन्यजैन
1267/1	0 4 0 1 1 12 0 3	के प्रजीन पर कोई भापति हो. तो वह । होने के 30 दिन की भवधि के भीत	इस धर्षिमूचना के प्रकाणित इर लिखित रूप में भन्यजैन
1 267/1 1 264/1 15 9/1	0 4 0 1 1 12 0 3	के प्रजीन पर कोई प्रापत्ति हो. तो वह !	इस धर्षिमूचना के प्रकाणित इर लिखित रूप में भन्यजैन
1267/1	0 4 0 1 1 12 0 3 0 3	के प्रजीन पर कोई भापति हो. तो वह । होने के 30 दिन की भवधि के भीत	इस धर्षिमूचना के प्रकाणित इर लिखित रूप में भन्यजैन
1 267/1 1264/1 15 9/1 1873/1 1866/1 1867/1	0 4 0 1 1 12 0 3 0 3 0 17 0 5 2 1	के मर्जन पर कोई प्रापत्ति हो. तो वह । होने के 30 दिन की म्रवधि के भीत समाहतों, लोक निर्माण विभाग, मण्यी, के समक्ष म्रपनी म्रापत्ति दायर कर स	इस धर्मिमूचना के प्रकोशित रर निव्चित रूप में भू-पर्यन .जिला मण्डी हिमाचल प्रदेश कता है ।
1 267/1 1 264/1 1 5 9/1 1 873/1 1 866/1 1 865/1	0 4 0 1 1 12 0 3 0 3 0 17 0 5 2 1	के प्रजीन पर कोई प्राप्ति हो. तो वह होने के 30 विन की प्रविध के भीर समाहता, लोक निमाण विमान, मण्डी, के समक्ष प्रपत्ती प्राप्ति दायर कर स	इस स्रिधमूचना के प्रकाणित इर निक्कित रूप में भू-सर्जेन जिला मण्डी हिमाचल प्रदेश कता है।
1 267/1 1 264/1 1 5 9/1 1 8 73/1 1 8 66/1 1 8 65/1 1 8 7 6 7 7 1	0 4 0 1 1 12 0 3 0 17 0 5 2 1 0 3	के प्रजंन पर कोई प्रापति हो. तो वह होने के 30 विन की प्रविध के भीर समाहती. लोक निर्माण विभाग, मण्डी, के समक्ष प्रापती प्रापति दायर कर स (Authoritative English text notification No. Lok-Nirman Kh-7	हस स्रधिमुचना के प्रकाणित रर निष्ठित क्या में मून्यजैन - जिला मण्डी हिमाचल प्रदेश कता है । of this Government (1)5187-dated 11-11-87
1 267/1 1 264/1 1 5 9/1 1 873/1 1 866/1 1 865/1	0 4 0 1 1 12 0 3 0 17 0 5 2 1 0 3	के प्रजीन पर कोई प्राप्ति हो. तो वह । होने के 30 बिन की भ्रविध के भीत समाहतों, लोक निर्माण विश्वान, गण्यों, के नमक प्रपनी प्रापति दायर कर स (Authoritative English text notification No. Lok-Nirman Kh-7 as required under clause (3)	हस स्रधिमुचना के प्रकाणित रर निष्ठित क्या में मून्यजैन - जिला मण्डी हिमाचल प्रदेश कता है । of this Government (1)5187-dated 11-11-87
1 267/1 1264/1 15 9/1 1873/1 1866/1 1865/1 1870/1/1 1868/1 3375/1572/1 1571/1	0 4 0 1 1 12 0 3 0 17 0 5 2 1 0 3 0 3 0 3 0 3 0 3 2 2 2	के प्रजंन पर कोई प्रापति हो. तो वह होने के 30 विन की प्रविध के भीर समाहती. लोक निर्माण विभाग, मण्डी, के समक्ष प्रापती प्रापति दायर कर स (Authoritative English text notification No. Lok-Nirman Kh-7	हस स्रधिमुचना के प्रकाणित रर निष्ठित क्या में मून्यजैन - जिला मण्डी हिमाचल प्रदेश कता है । of this Government (1)5187-dated 11-11-87
1267/1 1264/1 15.9/1 1873/1 1866/1 1865/1 1865/1 1870/1/1 1868/1 3.375/1572/1 1570/1	0 4 0 1 1 12 0 3 0 17 0 5 2 1 0 3 0 3 2 8 0 2 2 8	के प्रजंन पर कोई प्रापति हो. तो वह होने के 30 विन की प्रविध के भीर समाहती, लोक निर्माण विभाग, मण्डी, के ममस प्रपनी प्रापत्ति दायर कर स प्राप्ति प्राप्ति दायर कर स (Authoritative English text notification No. Lok-Nirman Kh-7 as required under clause (3) of Constitution of India).	इस ध्रिष्ठमूचना के प्रकाणित रर निर्मित क्या में मून्यर्जन जिला मण्डी हिमाचल प्रदेश कता है । of this Government (1)51/87-dated 11-11-87 of Article 348 of the
1 267/1 1264/1 15 9/1 1873/1 1866/1 1865/1 1870/1/1 1868/1 3375/1572/1 1571/1	0 4 0 1 1 12 0 3 0 17 0 5 2 1 0 3 0 3 0 3 0 3 0 3 2 2 2	के प्रजीन पर कोई प्राप्ति हो. तो वह । होने के 30 बिन की भ्रविध के भीत समाहतों, लोक निर्माण विश्वान, गण्यों, के नमक प्रपनी प्रापति दायर कर स (Authoritative English text notification No. Lok-Nirman Kh-7 as required under clause (3)	इस ध्रिष्ठमूचना के प्रकाणित रर निर्मित क्या में मून्यर्जन जिला मण्डी हिमाचल प्रदेश कता है । of this Government (1)51/87-dated 11-11-87 of Article 348 of the

No. PBW-(B&R) (B)7 (1) 51/87,—Whereas it appears to the Governor, Himachal Pradesh that land is likely

to be required to be taken by the Himuchal Pradeah Government at the public expenses for a public purpose, namely for construction of Mandi-kotli-Kun-Ka-Tar road in Muhal Kun & Mandokhar, Tehail Sadar, District Mandi-H.P., it is shereby notified that land in the locality described below is likely to be acquired for the above purpose.

This notification is made under the provisions of section 4 of the Land Acquisition Act. 1894 to all whom it may concern.

in exercise of the powers conferred by the aforeasid section the Governor, Hinachal Pradesh is pleased to authorise the officers for the time being engaged in the undertaking with their servants and workmen to enter upon and survey any land in the locality and do all other sets required or permitted by that section.

Any person interested who has any objection to the acquisition of the said land in the locality may, within thirty days of the publication of this notification, file an objection in writing before the Collector of Land Acquisition. H.P. P.W.D. Mandi (H.P.)

#### विवरण SPECIFICATION

तहसीलः सदर बिला: मणी District: MANDI Tehsil: SADAR 750 Area 4 समरा नंध बो o वि o विस्था o Bis. Bisw Muhal/Mau/a Khasra No. Big. 4 4 ł • 3 731/1 a 14 1171 2 10 1172/1 a 1:1 73111 0 16 1170/1 1 3 1169/1 2 a 1175 7 1 1174 1 ĸ ien: ø 1 2 11 मेडोबर 992/556/1 . a 1 ) MANDHKHAR 450/1 a " 15 912/1 ٨ 1 894 12 1 464 2 11 5 54/1 • 11 • 910/1 2 1 কিলা 0

जिमला-171002, 13 नवम्बर, 1987

सच्चा लोठ ति ० (वा) 7(1) 72/87, — यतः हिनाचन प्रवेच के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रवेस सरकार को सम्बंद क्षेत्र प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रवेस सरकार को स्वयं के श्रेष्य पर सावेजनिक प्रयाजन के निग् नामनः गांव बढ़ीय तहंगील व प्रिला नामन, में कालका लिमला राष्ट्रीय उच्च मागै-22 के बढ़ीय बाई-पास के निर्माण हेतु पूर्व प्रतिन करनी प्रपंक्ति है। एतद्वारा यह प्रविम्यित किया तहा है कि उचन परिश्लेस में बैना कि निम्म विवर्णी में निविष्ट किया गया है उपराक्त प्रयोजन के विषय भवि का प्रयोग प्रवेस है।

्यक्त प्राधिमुचना ऐसं मधी व्यक्तियों को, यो इसमें सम्बन्धित हो सकते हैं, को बातकारों के लिए पृष्टि अर्थन प्रधिनियम 1894 की धारा 4 के बरवरक्षों के अन्तर्गत जारी की बाती है ।

पूर्वोक्त धारा डारा प्रदश्त त्रक्तियों का प्रयाग करने हुँद्, राज्यपान, हिमाचन प्रदेश इस समय इस उपकम में कार्यरत स्पो प्रीक्तारियों, उनके कर्मचरियों सौर असिकों को इलाके के किसी भी मूसि में प्रदेश करने सौर सर्वेक्षण करने सौर उस घारा डारा सर्वेक्षित या मनुमत सम्य सभी कार्यों को करने के लिए सहयं प्राधिकार देते हैं।

कोई भी हितबढ़ व्यक्ति, जिने उचन परिक्षेत्र में कॉचन मृत्रि के प्रजंत पर कोई प्रापत्ति हो, तो वह इस प्रीधसूचना के प्रकीशन होने के 30 दिन की धर्वाध के भीतर निविद्य कप में भू-प्रजंत समाहती लोक निर्माण विश्वाग मोलन, हिम।चम प्रदेश के समक्ष प्रपत्ती प्रापत्ति दायर कर सकता है।

# विवरण

चाः सो	लन		तद्वसील .	सोलन
			क्षेत्र	
¥		चसरा न 0	नीषा	विस्वा
1		2	3	4
ोग रोग		332/2/1	3	14
		283/1	2	0
	कित्ता	2	5	14
			भावंश डा	π,

नाग 2-वंधानिक नियमों को चौड़ कर विभिन्न विभागों के ग्राध्यक्षों और जिला मैजिस्ट्रेटों द्वारा अधिस्थनाएं इरंगादि

13

गां

PUBLIC WORKS DEPAR

CORRIGENDUM

Shimla-3, the 16th November, 1987

No. SEH.R. 54. 2/87.—In the Notification under section 4 of the Land Acquisition Act, 1894 in respect of village Kolo. Tehsil Kotkhai, Distt. Shimla (H.P.) for the construction of Deem Link road issued by the Superintending Engineer. 2nd circle. HPPWD. Shimla-3 vide

letter No. SE. II. R. 54-2/86-13852-56 dated 5-9-1986, the following amendment/correction is made:—

"The area of khasra No. 255 shown as 2-0 Bighas may be read as 2-4 Bighas".

Sd/-

हस्तार्जाग्त/-

सचिव ।

Superintending Engineer, 2nd Circle, HPPWD, Shimla-3.

# नाम 3--अधिनियम, विधेयक और विधेयकों यर प्रवर समिति के प्रतिवेदन, वैधानिक नियम तथा हिमाचल प्रदेश के राज्यपालः हिमाचल प्रवेश हाई बोर्ट, फाइनेन्सियल कमिश्नर तथा कमिश्नर आफ इन्कम टैक्स द्वारा ग्रीवस्थित आदेश स्टवादि

स्वास्थ्य गर्व परिवार कत्याण विभाग

# पश्चिमुचना

णिमला- 2. ाह जुलाई, ।987

सक्या 1-137/71-एन छाप्पः छडक्य् - । । ---- हिमाचन प्रवेश क राज्यपाल, भारत के संविधान के धनुष्केंद्र 309 के परन्तक द्वारा ब्रदल सक्तिया का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश, लोक मेदा सायाग के परामक में, हिमाचल के स्वास्थ्य एवं परिकार कन्याण विभाग में, बन निक्षा एवं मुचना ग्राधिकारी वर्ग-2 राजपीतन पद के निष्ठ 800-1400 वर्ष के बेतनमान में, इस अधिसूचना में संवरन उपजन्ध "क" के मन्सार भनी भीर प्रोन्तित नियम बनाते हैं. प्रयात ---

- मॅकिंग्ल नाम प्रौर प्रारम्भ --- (।) इन नियमो का मिक्क्ल नाम हिमाचल प्रवेश स्थास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, जन शिक्षा ाव सूचना प्रधिकारी वर्ग-दो (राजपत्रित) पद नहीं भीर प्रान्तिन नियम, 1987 है।
- (2) ये नियम राजपत, हिमालम प्रदेश में प्रकाशित किंग जाने की तारील संप्रवृत्त होते।
- निरमन और स्यावील --- इस विभाग की ग्राधिमनना सं 0 1-137/71-एच 0 एवं एफ 0 पी 0, तारीख 16-4-1974 द्वारा (बांधसानित और समय-समय पर बचा मंगाधित जन णिक्षा एवं सुबना) श्रीधकारी बग-दो राजपन्नित पदों के भनी एवं प्रोत्सित नियम एनई द्वारा निर्मान किए जाते हैं :

तबधीन की गई किसी बात या कार्रवाई पर कोई प्रमाव नहीं परेगा भीर इन नियमां के मधीन विधि मान्यतः की गई समझी जायेगी ।

परन्तु ऐसे निरमन से उपयंक्त नियमों के पूर्व प्रवर्तन पर या

न्त्रास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, हिमाचल प्रवेश में जन शिक्षा एवं सुबना अधिकारी के पद के लिए भनी एवं शोन्नति नियम

।. पदकानाम

जन शिक्षा एवं मुचना प्रधिकारी

2. पदों की मंख्या

TIK

3. बर्गीकरण

बगं-वो (राजपवित)

4. बेतनमान

894 800-25-850-30-1000/ 40-1200/50-1400

- 5. ज्यन पर प्रथवा प्रवयन पर ज्यन
- 6 मीधी भर्ती किये जाने वाले 18 में 32 वर्ष

व्यक्तियों के लिए भाय ।

परन्तु मीधी भर्ती के लिए बाब सीमा नदर्य या सविदा पर नियक्त किये गए पहले से सरकार की सवा में इन व्यक्तियों महित सभ्यभियों को लाग नहीं

परन्त् यह मीर कि यदि तक्षं षाधार पर नियुक्त किया गया धम्यर्थी इस इप में नियक्ति की तारीम को प्रधिक्वय हो गया हो, तो वह तदये या संविदा के द्याधार पर नियक्ति के कारण विद्वित प्राय में शिविली करण के लिए पास नहीं होगा :

परन्त यह भीर कि धनसुचित जातियो/धनम्बित जन जातियो तथा प्रत्य बगों के स्पवितयों के लिए उण्बतम प्राय सीमा में उतनी ही, शिथिलीकरण किया जा सकेशा जिलना कि हिमाचल प्रदेश सरकार वः माधारण या विजय प्रादेशा क धर्धात प्रतत्त्व है

परसप्यह और भी कि पश्चिक मेक्टर निगमा तथा स्वायत निकाया के सभी कर्मवारिया की, जा तम पश्चिक सेक्टर निगमी तथा स्वायन निकायों के प्रारम्भिक गठन के ममय गेम पब्लिक मैक्टर निगमा। स्वायल निकायों में बामेजन म पूर्व मरकारी कर्मचारी ये मीधी भनीं में प्राय की मीमा में ऐसी ही रियायत दी जाएगी जैमी मर-कारी कर्मचारिया की प्रतक्षय है. किन्तु इस प्रकार की रियायत पश्चिम सेक्टर निगमा तथा स्थायन निकामा के ऐसे कमंबारीयन्त का नहीं दी बाएगी जा बाद में एस निगमो/स्वायत्त निकाया/निकायो द्वारा नियुक्त किए गए थे/किः नए है भीर उन पश्चिक संकटर निगमा। स्वायन निकामों के प्रारम्भि गठन के पण्यान हे से निगमो/स्वायल निकायो की सेवा में धलिम रूप से बामे जिल किए का है/किए गए थ ।

टिप्पणी-1. -धाय नीमा की गणना यथास्थिति उसे वर्ष हे प्रथम दिन में की आएगी जिसमें धार्वदन धार्मान्त्रम करने हे लिए पदिवज्ञापित या नियोजनासको का प्रधिमचित किए जाते हैं :

टिप्पणी 🖫 - भन्यवा सम्रहित ध्रभ्यवियों की दणः में सीधी भर्ती के चिए साय सीमा भीर प्रहेताए ग्रायोग के विवेकानमार ग्रियिल को जासकंगी।

7. सीधी भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए धपेक्षित त्यनतम गैक्षिक क्षीर बन्ध बहेताए :

- प्रतिवार्थ गैक्षणिक प्रहेताए (1) माराता प्राप्त विक्री-विद्यालय मस्यान म स्नातक या इसके सम्रतृत्य सरकारी प्रधंसरकारी या प्राप्ते प्रतिष्ठित संगठन मे स्वास्थ्य जिक्षा/प्रचार ओक सम्पर्क कार्यमें कम में कम 3 वर्ष की धनभव ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्य शिक्षा/प्रच:र/नोक सम्पर्क मे सम्बन्धित होतः बाहिए ।
- 2. बाह्यनीय महताए : हिमाचल प्रदेश की रूढ़ियाँ, रीतियो घोर बालियो का झान धौर प्रदेश में विद्यमान विलक्षण दणायों में नियक्ति के लिए उप-यक्तमः ।
- सीधी मर्ली किए जाने वाले मायु---नडी व्यक्तिया के लिए विहित ग्राय भीर गैक्षिक सहैताएं प्रोन्तित गैक्षिक सहैताए-हो । की दणा में लाग होगी या नहीं।

क्षा वर्ष, जिसका एक वर्ष मे u परियोक्ता की धर्माभ गाँव कोई हो ।

सन्धिक ऐसी सौर अवधि के लिए विस्तार किया जा सकेगा जैसा शताम पाधिकारी विशेष परि-श्चिमिया में भीर निवित्त कारणा a mitt # 1

परम्पू जन गंबी पत्राधिकारिया की, जिल पर प्रोप्नति के लिए विकार किया जाता है, कम से कम 3 वर्ष के स्पृत्तम प्रहता-सेवा या पन के भर्ती एवं प्रोप्नीत नियमों में विहित गया, जो भी कम हो, सोगी .

10 मनी की गढ़ांत - भर्ती मीधी १६ प्रतिशत प्रान्तित द्वारा ः प्रतिशत मीधी भर्ती बारा। होगी या प्रोम्मति या पति नियानिक या व्यानान्तरण द्वारा धीर विधिम पर्वातयो हारा भरी जाने बाली शिक्तया की

परन्त् यह घोर भी कि जहा काई व्यक्ति पूर्वगाधी परन्तुक की धपेक्षताओं के कारण पालानि किए जाने सम्बन्धी विकार के लिए सपान हो जाता है, बहा उससे कनिक्ड

। प्रोम्नांत प्रांतनिय्क्ति या स्थानात्तरण को बना में थेणियाः जिनमे पोस्तति की ब्राचेगी ।

प्रतिजनता ।

ा महायक मम्पादक .

गहायक प्रचार श्रीधकारो;

विकत्सा मामाणिक काय-

पश्चार नियोजन सामाजिक

कर्ता ।

कार्यकर्ता ।

(ब्ह्र) हमी पकार स्थार्थाक्रण के सभी मामलों में ऐसे पद पर नियमित नियमित स पूर्व 31-12-1983 तक की गई नवर्ष सवा. यवि कोई हो, सेशकाण के लिए गणना में भी जाएगी

व्यक्ति भी गेमी प्रोत्तति के बिचार के लिए चपान समझा जागगा।

5. व्यास्थ्य शिक्षक में में जिनका मपने पेश में 31-12-83 तक की गई नवर्ष सेवा महित पांच वर्ष का मेबाकाल हो । हिप्पणी-।.--प्रोम्लीत के प्रयोजन के

निम पान प्रधिकारियां को पपने ग्रेड में उनका नियमित संवाकाल

वं धाधार पर एक संयक्त ओस्डला

परस्तुस्थायीकरण के परिणाम-न्यरूप नवर्ष गया की गणना में नेकर पारस्परिक ज्येष्ठता धप-रिवालित रहेगी।

(ग) अ1-12-1983 के पण्चात

के प्रधीन पदों में बढ़ीतरी होती है,

तो नियम 10 भीर 11 के उपबन्ध,

सरकार द्वारा लोक सेवा प्रायोग के

परामशं में पुतरीकिल किए

मची तैयार की जायंगी भीर पाए-स्परिक ज्येरठता अपरिकृतिन रहेगी। रिप्पणी- : --- सीघे अर्ती 1407 ताने बाले भीर भोग्नल किए शाने वाले व्यक्तियों का रोस्ट्रक

की गई तदथ सेवा, प्रोन्ति/स्थापी-करण के प्रयोजन के लिए गणना में नहीं ली नाएगी। टिप्पणी-2.--जब कभी नियम-2,

निय्निमिन कप ये होता ---प्रथम यद--पोलन स्पनित के जिए हिनीय पर-पोरनन व्यक्ति के लिए न नीय पद -- प्रोम्मन व्यक्ति के जिल चनमं पत्र-सीधे भर्ती किये जाते वाणे व्यक्ति के लिए ।

भाएंगे । 12. **पवि** निभागीय प्रान्ति जैसा कि सरकार द्वारा समय-र्मामीत विद्यमान हो, तो समय परवित्त की जाए। जमकी संस्थता।

प्रत्येक चन्चे रिक्ति के प्रव्यात रोग्टर बोहराया जाएगा । IR पोषाइंटम शाटर परि-

13 महीं करने में जिन परि-श्यितियों में हिमाचन प्रदेश नोक मेवा बायोग ने परामणं लिया आगमा ।

जैमा कि विधि शाम बर्गेक्स हो ।

मिल्ट-। पर है ] । हिप्पणी-। --प्रान्तीत् कं संशी

14. मीधी भर्ती किए जाने बाने व्यक्तियां के लिए बांधा।

किसी सेवा या पर पर नियक्ति के लिए प्रध्वमी निम्नलिशन धनवय होना चाहिए :---

मानलों से पद पर निर्माणन स पूर्व सभारण पत्र में 31-13-1983 नह की गई तबचे सवा, यांब काई हा, प्रोत्सनि के लिए इन नियमों से यसाबिहित सेवाकाल के लिए निर्मालीयन गर्नी के पंत्रीन रहने हुए, गणना में बी जायंगी :---

(क) भारत का नागरिक, या

(क) उस गर्भी मामना में जिल में कोई कांगिएठ ब्यांबल सहस्रारण पद में अपने कूल नेवाकाल (31-12-मा तक की गई तक्वे रोचाको गामिल करके) के प्राधार पर उपर्यक्त निविद्ध उपबन्धी के कारण विकार किए जाने का पास हो जाता है, यहां बुमम बरिच्ठ सभी व्यक्ति विचार किए जाने के पाल समझे जाएंगे भीर विचार करने समय कमिष्ठ न्यांका से क्रार

रखे बागरी

(मा) नेपाल की प्रजा, का

(ग) भूटान की प्रजा, या

(घ) तिब्बती गर्णार्थी जा, अ्क जनवरी, 1962 से पूर्वभारत में स्थायी निवास के झाण्य सं भावा हो. या

(क) भारतीय मूल का कांद्रे व्यक्ति, जिसने पाकिस्तान, बर्गा, थी लंका, पूर्वी अफ्रिका के देश, कीनिया, पूर्वाश्वा, यूनाइटेड' रिपंडिनक साक लेजानिया

(पर ने टांगानिका घोर कंत्री-बार) वाबिया, मालबी भीर त्रणोरिया ने भारत में स्थायी निवासी के प्राच्य से प्रवास पत्रम् प्रवर्ष (सा), (ग), (भ)

घीर (क) के घम्यर्थी ऐसे स्पंक्ति होंगे जिनके पक्ष में भारत गरकार पालना प्रमाण-यन नारी किया

ऐंग घन्यवीं को, जिसके मामल मे पावना प्रमाण पत्र यावश्यक हो. हिमाचल प्रांश लोक संबा प्रायोग या धन्य मती प्राधिकरण द्वारा सवास्ति परीजा/मान्नास्कार मे प्रक्रिया जा मकेता, किन्तु उसे नियक्ति का प्रशास, भारत सरकार वान अस पाळ्या का सर्पाल प्रमाण-पत बारी किए नाने क पश्चात् ही दिया जाएमा।

परन्तु यह बीर कि ऐसे बांब-कारी ये जिस व लिए इन नियमी के सांध्युनित किए जाने स पूर्व कोई विधानीय परीक्षा विद्वित नहीं की गई थी घोर जिसने । मार्च, 1976 की 45 वर्ष की बाय प्राप्त कर जी हो, जममे इन नियमों के मधीन विद्वित विभागीय परीक्रा पाम करने की धपेश्रा नहीं की नायंगी

परस्तु यह घीर भी कि तेसे पश्चिकारी से जिसके लिए इस नियमों के अधिगृणित किए तान स पूर्व कोई विमागीय परीक्षा विहित नहीं की गई थी और जिय ने 1 मार्च, 1976का 45 वर्ष की भाग पान नहीं की वी उसमे 50 वर्ष की साथ प्राप्त करने के पण्चात् निम्नलिचित् प्रयोजनो क लिए विभागीय परीक्षा पारित करने की झारेशा नहीं की जायेगी।

15. मीबी भर्ती बारा पर पर नियमित के लिए भयत ।

मीबी भर्ती के मामले में पद पर निय्क्ति के लिए त्रयन, मोखिक गरीका के प्राधार पर भीर यदि. ययास्थिति, हिमाचल प्रदेश लाक नेवा प्रायोग या घन्य भनी प्राधि-करण ऐसा करना बावस्थक या समी बीन समझे तो लिखित परीक्षा या व्यावहारिक परीक्षा के प्राचार पर किया जायेगा जिसका स्तर/ वाठ्यक्रम यथास्थिति बायोग/धन्य भनी प्राधिकरण द्वारा निर्धारित किया जायेगा ।

उन्तर संवा में नियुक्ति, हिमानन

पर्वण सरकार द्वारा, समय-समय

पर प्रनुश्चित जातिया/धन्श्चित

जन जातिया/पिकडे बगाँ भौर पन्य

प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए सेवाची

में बारक्षण की बाबत जारी किए

। सेवा में, प्रत्येक सदस्य

को, शमय-समय पर तथा मंगोधित,

विभागीय परीक्षा नियम, 1976

में तथा विद्वित विभागीय परीक्षा

घादेणों के मधीन होगी।

(।) प्राणामी देव दक्षमारीध पार करने के लिए . घीर

(2) परिक्रीका बर्नाध पूर्ण होने के पश्चात् स्थायीकरण के जिल.

2. किमी प्रधिकारी में पपनी

पोर्लित की सीधी पक्ति में उच्च-

तर पर पर प्रोन्नति पर विभागीय

परीक्षा पास करने की प्रपेक्षा नही

की जाएगी, यदि उसने निम्नतर

राजपत्रित पद पर ऐसी परीका

पहले ही पास कर ली है।

17. विभागीय परीक्षा

16. मारमण

पाम करनी होगी, यन्यवा वह विक्रमिविद्या के विग गांव नहीं

3. सरकार, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा भागांग के परामर्थ म. श्रमाधारण परिस्थितियो में भौर कारणों का ग्रीधिलिखित करके, विभागीय परीका नियमो कं धनसार किसी वर्गमा प्रवर्गके क्यक्तियों को विभागीय परीक्षा ग

पूर्णत या भागतः स्टमजुर कर मकेगी परन्तु यह तब अब कि ऐसे

प्रधिकारी पर उमकी प्रधिवर्षता

की बाय प्राप्त करने की तारीस

में किसी घन्य उच्नतर प्रोन्नांत

के लिए विचार किया जाना

जहां राज्य सरकार की यह राय

हो कि ऐसा करना मात्रस्यक या

समीचीन है, वहा यह कारणो को

श्रीभितिबित करके और हिमाचल प्रवेश लोक सवा सायोग के परा-

मर्श से बादेश द्वारा इन नियमों

के किन्ही उपबन्धां को किसी वर्ग

या व्यक्तियों के प्रवर्ग या पदों की

मस्भाव्य नहीं हो ।

होगा : (1) प्रामामी देय बलतारोध

पार करने के लिए. (2) परित्रीक्षा सर्वाध के पूर्ण

होने के पश्चात् भी स्थायी-करण के लिए, धीर (3) प्रगले उच्चतर पद पर प्रोन्नति के लिए

बाबत शिथिल कर सकेशी।

18. शिवाल करने की शक्ति

परिकार --- ।

परम्तु उस प्रक्षिकारी से जिसने इन नियमों के बाधमुनित किय जाने से पूर्व, किन्ही नियमों क धधीन पूर्णतः या धंगतः विभागीय परीक्षा पास की है, स्थारियति, पूणतः या शंशतः परीक्षा पास करने की

प्रपेक्षा नहीं की जायेगी :

वन शिक्षा एवं सूचना अधिकारी के पद पर प्रोम्नति हेतु फीडर प्रवर्गी का 18 पोचाइम्ड रोस्टर

पहुला पद--महायक सम्पादक (इस पद पर कम से कम 7 वर्ष का सेवाकाल), बुसरा पव-सहायक, प्रचार घधिकारी/चिकित्सा सामाजिक कार्यकर्ता, (इस पद पए कम से कम 7 वर्ष का सेवा काल)।

1066

तीसरा पद---थरिवार नियोजन सामाजिक कार्यकर्ता (इस पद पर कम में कम १ वर्ष का सेवाकाल )।

चीवा पर-मीधी भर्नी के लिए ।

पोचवा पद-स्वास्थ्य जिलक-(इस पट पर कम में कम 7 वर्ष का नेवाकाली। क्रुटा यद-परिवार नियोजन सामाजिक कार्यकर्मा (इस पद पर कम

मे कम 7 वर्षका सेवाकास ।

मातवा पद - स्वास्थ्य शिक्षक (इम पद पर कम में कम 7 दर्ख का नेपाकास ।।

बाटका पद-सीधी मर्ती के लिए।

नवां पद--परिवार नियोजन सामाजिक कार्यकर्ता (इस पद पर कम में कम 7 वर्ष का मेवाकान)। दसका पद--महायक प्रचार ब्रधिकारी/चिकित्सा मामाजिक कार्यकर्ता

(इस पट पर कम में कम 7 वर्ष का मेंबाकाल।) क्यारहवा पर---स्वास्थ्य क्रिक्षक (इस पर पर कम से कम 7 वर्ष का मेवाकाल)।

बारहवापद—सोचीभनी के लिए

तैरहवां पद-परिवार नियोजन मामाजिक कार्यकर्ता । बोहहवा पद-स्वास्थ्य जिलकः।

पंद्रहवा पर- सहायक प्रचार मधिकारी चिकित्सा सामाजिक कार्यकर्ता। मोलहवा पद--मीधी भर्ती के लिए।

मनारहवा पद-स्वास्थ्य जिलकः। धठारहवा पद-स्वास्थ्य किशक ।

> घादेण हारा, हस्नाक्षरित/• सचिव ।

एकी इत प्रामीण उर्ज योजना। प्रतिमुचनाग

जिमना-2, 20 मई, 1986

विज्ञान एवं तकनीकी विभाग

मुख्या पी 0 एल 0 जी 0 (ए) 3-2/85 --- हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, भारत हे नविधान के प्रनृष्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदल गक्तिया का प्रयोग करने हुए हिमाचन प्रदेश लोक सेवा ग्रायोग के परामशे में हिमाचन प्रदेश एकाँकृत आमीण उर्जा योजना, विज्ञान एवं तकनीकी विभाग में मलम्न उपाबन्ध (क) के भनमार वेननमान रुपये 825-1580 में परियोजना ग्राधकारी, वर्ग-2, (राजपत्रित) के पद के लिए भर्ती धीर शालानि नियम बमाने हैं. प्रश्नान :---

। सीक्षण नाम और प्रारम्भ -- (1) इन नियमों का सीक्षण नाम हिमाचल प्रदेश एकांहत ग्रामीण उर्जा योजना विज्ञान एवं तकनीकी विकास में परियासका श्रीक्षकारी वर्ग-2 (राजपन्नित ) के भनी श्रोर प्रोन्नीन नियम 1986 है।

(2) वे नियम इस सांजनवना के जारी हाने की नारीस से प्रवत हाम ।

(उपायनध—क)

एकीकृत यामीच उन्नी योजना, विज्ञान एवं तकनीकी विभाग, हिमाजस प्रदेश में परियोजना प्रशिकारी (राजप्रतिन) वर्ष-2 के पद के लिए मनी और प्रोन्सनि नियम

। पद का नाम

परियोजना योधकारी ।

े पटा की सक्या का (2)

3. बेलनमाम

व्यक्तियां के लिए प्राय

राजपवित (वर्ग-2)।

क्पये 825-25-850-30-1000/

40-1200/50-1400-60-1580

५ चयन पद संचया सनयन पर

6. सीधे भर्ती किये जाने वाले

35 वर्ष या उसमे कम

परन्तु सीधी भर्ती के लिए बाय मीमा तदर्थ या संविद्य पर नियक्त महित पहले ही सरकार की मेंबा में प्रश्यवियों पर लागु नही होगी:

परन्त् यह और कि यदि तदर्थ ग्राधार पर नियुक्त किया गया सम्यर्थी इस रूप में नियक्ति की तारीख को मधिकतम हो गया है नो वह तदर्थ या संविदा के आधार

पर नियुक्ति के कारण विहित ग्राय

में छट के लिए पाल नहीं होगें

परन्तु यह और कि अनुसूनित जानियां/अन्युचित जन जानियों के भ्रम्याधियां तथा भ्रन्य बर्गो के लिग उच्चतम भाग मीमा में उतनी छट ही दी जा सकेगी जितनी हिमाचल प्रदेश सरकार के साधारण या विशेष प्रादेशों के प्रधीन धनजेय

परन्तु यह ग्रीर कि पश्चिक मैक्टर, निगमो तका स्त्रायस निकायों के सभी कमंत्रारियों को जो ऐसे पहिलक सैक्टर, निगमों नषा स्त्रायत निकायों के प्रारम्भिक गठन के समय तेमे पव्लिक मैक्टर निगमो/स्वायत्त निकायां में प्रामेलन स पूर्व मरकारी कर्मचारी ये. सीधी नर्नी में प्राय सम्बन्धी ऐसी ही रियायत दी बाएगी बसी मरकारी 🛦 कर्मचारियां को धनज्ञेय है किन्तु उस प्रकार की रियायत पश्चितक मैक्टर निगमों तथा स्वायत निकायों के उन कमंचारियों की उपलब्ध नहीं होगी जो उक्त निगमा/स्वायल निकायों द्वारा बाद में भनी किए गय ये/किए गए है और उन पश्चिम सं बटर निवमो/स्वायम निकायों के प्रारम्भिक गठन के पण्यान उन निगमों/स्वायन निकायों में र्धान्तम रूप में प्राथितित किंग गा 7 1

टिप्पटणी-1.-सीधी भर्ती के मिए सायु मीमा की गणनः सायोग हारा बाबेवन प्राप्त करने के लिए नियत सन्तिम नारीय से की

रिप्पणी-2 --बन्यथा सुर्घाहत धभ्यांथया को बचा में नीधी भनी के लिए भाग तथा प्रनुसद मे सम्बन्धित ग्रहेना ग्रायोग के विवेकानमार जिथिल की जा मकर्गा ।

7. वीचे मती किए पाने वाले ग्रानिवार्थः व्यक्तियों के लिए न्यूनतम लेकिक

क्षीर श्रन्य सहैताएं ।

मान्यना प्राप्त विश्वविद्यालय मे विज्ञान में स्तातक या इसके सम-

वांछनीय :

(1) विज्ञान विद्याणामा में एम 0 एम 0 सी 0 या बामीण इन्जी-नियरिंग या ग्रामीण टैक्नोलोजी में डिप्लोमा ।

(2) हिमाचल प्रदेश की सहियों, रीतियों और बोलियों का जान भीर प्रदेश में प्रचलित विशिष्ट परिस्थितियां में निय्क्ति के लिग्न उपयक्तना ।

8. सीचे मर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित माय र और मिशक प्रहेताएं प्रोन्नित की दशा में लागू होंगी या नही।

लाग नहीं हैं।

9. परिवीक्षा की प्रवित, यदि काई हो ।

दो वर्ष जिसका एक वर्ष से धनधिक ऐसी मौर अवधि के लिए विस्तार किया जा मकेशा जैमा सक्षम प्राधिकारी विशेष परिस्थितियों में भीर लिखित कारणों से प्राटेज

प्रतिनियक्ति द्वारा घोर ऐसा

न होन पर योबी भरी द्वारा

10 भनीं की पढ़िन : मर्ती योबी होगो या प्रोतान व्यतिनियंक्ति/स्थानातरम द्वारा ग्रीर विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियां की विभागता ।

। । प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानां-

जायेगा

तरण द्वारा भर्ती की दशा में दे

श्रेणियां जिनसं प्रोन्नति प्रति

ग्रामीण एवं एकीकरण विभाग, हिमाचल प्रदेश के खण्ड विकास भ्रधिकारियों या हिमाचल प्रदेश के दूसरे विभाग के समत्त्य परीपर

निवक्ति/स्थानांतरण किया प्रधिकारियों में में प्रतिनियक्ति द्वारा :

परन्तु प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त किए जाने वाला प्रधिकारी किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यात्य स विज्ञान स्नातक या समतन्य होगा।

टिप्पणी-1 -- प्रोन्ति के मधी मामलों में पद पर नियमित नियक्ति मे पर्व समरण पद में 31-12-83 तक की गई तदर्च मेवा की गणना को भी, बदि कोई हो, निम्ननिधित नतों के सधीन रहते हुए प्रोन्नति के लिए इन नियमी में यथा विहिन नेवा के लिए हिमाब से निया जायेगा :-

(क) उन मधी मामली में जहां कि कोई कनिष्ट ध्यक्ति समरण पद में ग्रपन कुल सेवाकाल के श्राक्षार पर (जिनक धन्तर्गत 31-12-83 तक की गई तदयं नवा की है) विचार के लिए पात हो जाता है बहा सम्बन्धित प्रवर्ग में सम्मविष्ट मभी व्यक्ति विचार क लिए पाव समझे जाएंगे घीर उन्हें विचार करते समय कनिष्ट व्यक्तियों क ऊपर रवा जाएगा:

परम्मु उन गभी पदधारियो

की जिन पर प्रोन्तिन या स्थायी करण के लिए विचार किया बाता

है, कम स कम तीन वर्ष की त्यन-तम मेंदाया ऐसी श्वाजी पर के मती व प्रान्तित नियमों में विहित की गई हो, उनमें जो भी कम हो होती चाहिए :

परन्तू यह और कि अहा काई व्यक्ति पूर्ववर्ती परन्तुक में विहित भोक्ता के कारण प्रान्तित या स्थायी करण के लिए विचार किए जाने के लिए धपाब हा नाता है वहा ऐसी प्रोन्ति या स्थायीकरण के विचार के लिए उससे करिस्ट व्यक्तियों को भी ग्रपात समझा जाएगा ।

(म्ब) इसी प्रकार से स्थायीकरण के मधी मामनों में पद पर निय-मिन नियक्ति में पूर्व 31-12-83 तक की गई तदथं सेवा की गणना को भी यदि कोई हो नो सेवाके लिए गणना में लिया जाएगा

परन्तु स्थायीकरण होते पर तदर्थ सवा को हिमाब में लेकर पारस्परिक ज्येष्ठता नहीं बदलेगी।

(ग) स्थायीकरण श्रीर प्रोस्ति के प्रयोजन के लिए 31-12-1983 के बाद की गई नदयं सेवा गणना में नहीं ली बायेगी।

टिप्पणी 2 -- तब कभी नियम दा के प्रधीन पटों हा संस्था में बदी-तरी करनी हो तब नियम 10 ग्रीर 11 के उपबन्धों का मरकार द्वारा हिमाचल प्रदेश लांक सेवा मायान के परामनं से पुनरीक्षण किया जायेगा ।

12. यदि विभागीय प्रोन्नति समिति विद्यामान हो तो उसकी संरचना।

जैसा कि सरकार द्वारा समय-समय पर गठित की जाए। जैमा कि विधि द्वारा अपेक्षित है।

 भनीं करने में, किन परिस्थि-तियों में हिमाचल प्रदेश लोक सवा कायोग ने परामणं किया जाएगा।

किसी सवा या पद पर नियुक्ति

14. सीधे भर्ती किये जानेवाले क्वित्वों के लिए प्रपेक्षा

के निए प्रध्ययों निम्ननिष्ठित बावण्यक होना चाहिए:---

(क) भारतीय नागरिक, या

(स्त्र) नेपाल की प्रजा, या (ग) भ्टान की प्रजा, या

(थ) निब्दनी जरणांथीं जो 1 जन-बरी, 1962 में पूर्व मारत में स्थायी निवास के माध्य से बाया हो, या

(इ) भारतीय मूल का व्यक्ति जिसने पाकिस्तान, वर्मा, श्रीलका, पूर्वी स्रक्रिका के देश की निया, यूगांडा, युनाइटेड निपब्लिक बाफ तंत्रानिका (भूतपूर्व टामानिका भीर बाल्बी-बार) जाविया, मालवी जेयर तथा इथापिया में भारत में स्थापी निवास के घाष्य में प्रवास किया

परन्त प्रवर्ग (च,) (ग), (घ),

15 सीभी भर्ती बार। पर की

16 धन्रकाण

17. विभागीय परोका

नियक्ति वं लिए नयन।

हारिक परीक्षण के बाधार पर किया जाएगा । स्तर/पाठ्यक्रम चारि धायोग हारा विवेकानसार धवधारित किया जाएगा। उन्त सवा में नियम्ति क्रिमाणल परेश सरकार बारा समय-समय पर प्रत्मृश्वित जातिया। धनुमूचित अन जातियो, पिछडे बगो के लिए सेवाची में घारशण की बाबत जारी किए गांधादेशों के प्रधीन होगी। (i) तेवा में घरपंक सहस्य को द्विमायल परेश विभागीय परीका नियम, 1976 तथा उसमे समय समय पर होने वाले सशोधनों के बन्तर्गत निर्धारित विभागीय परीक्षा पास करनी घानवाय हाती घन्यवा उक्त मदस्य निम्नलिक्तिका पात नहीं होंगा :---

परन्तु यह घौर की ऐसे संधि-

कारी में जिसने इन नियमों क

पश्चिम्बित किए जान से पूर्व, धन्य नियमा मे विक्रित कोई विभागीय परीक्षा पूर्णत. या भागत: उतीणे

कर नी है, तो उसमे यबास्थित,

पाधिकत्व प्रारा संवालित वरीका /

मासान्कार में प्रवेश विया जा

नके किल्तु उसे निय्क्तिका पस्ताब

तभी दिया गायेगा अब उसे भारत

सरकार/हिमाचल प्रदेश सरकार

बारा धावश्यक पावता का प्रमाण वस प्राप्ती कर दिया जाता है।

पदा पर निर्याक्त के लिए क्यन

पीकिक परीका के पाधार पर

या महि पायोग उचित या गरीचीन

समझ, विवित परीक्षा या न्याव

बीधी वर्ती के मामले में इन

हो । (क) धःगामी रेय दशताणेशक पार करने के लिए: वे सकेगी । (बा) परियोशा धवाध के पूर्ण 18. जिबिल करने की जक्ति । जहां सरकार की यह राय हो कि होने के पश्चात भी मेबा मे ऐसा करना घावच्यक और समीवीन स्थायी किए जाने के लिए। है, वहां वह उसके कारणों को प्रभिलिखित करके भीर लोक (ग) धगनी उध्वतर पद पर सवा बायोग से परामशं करके इन पदोम्मति के खिए : नियमों के किसी उपबन्ध को किसी परन्तु यदि कोई सदस्य उक्त भवधि के भीतर, प्रोत्नति के लिए वर्ग या प्रवर्ग के क्यक्तिया या पदों की बाबत, प्रादेश द्वारा क्रिपल कर सकेगी। भन्यचा पाल बन जाता है तो प्राप्तित के लिए विचार किया जायेगा और यदि वह धन्यथा उपयक्त भाषा बाता है तो उसकी प्रोन्नति उस द्वारा विमानीय परीका पास किए जाने की सर्त के प्रधीन रहते (Authorised English text of this Deptt. notification No. PLG(A)3-2/85, dated 20-5-86 as required under Article हुए चन्तिम रूप से की जायेगी। यदि वह विभागीय परीका पास 348(3) of the Constitution of India]. करने में बमकल रहता है, तो उसे प्रतिवृत्तित किया जा सकेता:

पूर्णत या भागत परीक्षा उत्तीर्ण (क) के घश्यवीं ऐसे व्यक्ति होने करने की घरेशा नहीं की जायेगी जिनके पत्र में भारत सरकार/ राज्य सरकार ने पालता प्रमाण पत जानी किया हो । तेले सब्दर्शी को. जिसके मामले मे वासता प्रमाण पत बावत्यक हो, हिमाचल परेन लाक संबा प्रायोग या बन्य भर्ती

परन्तु यह भीर भी कि ऐसे कियी पश्चिकारी से जिसके लिए. इम नियमों से धश्चिमुचित किए जाने संपूर्व, कोई विभागीय परीका बिहित नहीं की गई थी भीर असमें 1 मार्च, 1976 की 45 वर्ष की पाय प्राप्त कर भी है, उसमें इन नियमों के वजीन किहिल विभागीय परीक्षा उलीलं करने की धपेशा नहीं की जायेगी परस्तु यह और कि यदि किसी

परीक्षा पास करने की धरोका नही की जाएगी ---(1) धनली देव वक्षतारोध पाम करने के लिए, धीर

प्रधिकारी की पायु 50 वर्ष की

हो चुकी हो. तो उससे निम्न-

विक्ति प्रयोजनी के लिए विभागीय

(2) परिविक्षावधि पूर्व होने के पश्चात सेवा में स्थाई किए जाने के लिए । (ii) किसी प्रधिकारी संघपती प्रोत्सति की सीशी पंक्ति में उच्च-

तर पद पर प्रोन्तति पर विभागीय परीक्षा उलीर्ण करने की बगेका नहीं की जाएगी यदि उसने निम्न-तर राजपंत्रित पद पर ऐसी परीक्षा पहले ही उलीन कर ली (iii) हिमाचल प्रदेश संस्कार, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा धायांग में पराममं करके बसाबारण परि-स्थितियां में कारणों को लिपि-बद्ध करके विभागीय परीक्षा नियम के मनसार किसी भी वर्गया प्रवर्ग के व्यक्तियों को विभागीय परीक्षा से पूर्णतः या भागत छूट

> घावेश द्वारा, एम 0 के 0 काब, विलायक्त एवं सचित्र,

SCIENCE AND TECHNOLOGY DEPARTMENT (Integrated Rural Energy Pianning)

# NOTIFICATION

Shimla-2, the 20th May, 1986

No. PLG (A) 3-2/85. -In exercise of the powers conferred by the Proviso to Article 309 of the Constitution of India and in consultation with the H. P. Public Service Commission, the Governor, Himachal Pradesh is pleased to make the Recruitment and Promotion Rules to the post of Project Officer (IRLP)-Class-II(Cazetted), in the pay scale of Rs. 825 -1580 in the Department of Science and Technology, Himachal Pradesh as per Annexure-A namely:

Short title and commencement, (1) These Rules may be called the Himachal Pradesh Science and Technology Department Class-II (Gazetted) LR I P Project Officer Recruitment and Promotion Rules, 1986.

(2) These Rules shall come into force from the date of issue of this notification.

#### ANNEXURA-I

RECRUITMENT AND PROMOTION RULES FOR THE POST OF PROJECT OFFICER (IRFP) IN THE DEPARTMENT OF SCIENCE AND TECHNOLOGY HIMACHAL PRADESH

Name of the Post

Project Officer

Number of Posts

Lwo

Classification. Scale of Pay:

Gazetted (Class II)

R . 825-25-850-30-1000-40 1200/50-1400-60-1580.

Whether selection post or non-selection nost

Selection.

Age for direct recruitment.

35 years and below:

Provided that the upper age limit for direct recruits will not be applicable to the candidate already in service of the Government including those who have been appointed on adhor or contract basis :

Provided further that if a candidate appointed on ad hoc basis had become overage on the date he was appointed as such he shall not be eligible for any relaxation in the prescribed age limit by virtue of his such ad hoe or contract appointment .

Provided further that upper age limit will be relaxable for the Scheduled castesd/ Scheduled Tribes/other categories of persons to the extent permissible under the general or special orders of the Himachal Pradesh Government:

Provided further that the employees of all the public sector corporation and autonomous bodies, who happened to be Government Servants before absorption in Public Sector Corporation/autonomous hodies at the time of initial constitution of such Corporation/ autonomous bodies, shall be allowed age concession in direct recruitment as

admissible to Government servants. This concession will not, however, be admissible to such staff of the public sector corporation/ autonomous bodies who were fare subsequently appointed by such corporation/ autonomous bodies and are were finally absorbed in the service of such Corporation autonomous bodies after initial constitution of the public sector Corporation/ autonomous bodies

Note-1. Age limit for direct recruitment will be reckoned from the last date fixed for receipt of application by the Commission.

Note-2. Age and qualification in the case of direct recruitment relaxable at the discretion of the Himachal Pradesh Public Service Commission, in case the candidate is otherwise well qualified

7. Minimum educational and other qualifications ricits.

Essential

Graduate in Science from required for direct rec- a recognised University or equivalent.

Desirable :

(i) M. Sc. in any discipline of Science or Diploma in Rural Engineering or Rural Technology.

(ii) Knowledge of customs. manners and dialects of Himachal Pradesh and suitability for appointment in the peculiar conditions prevailing in the Pradesh.

8. Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of the promotees.

Not applicable.

9. Period of probation. ifanv.

Two years subject to such further extension for a period not exceeding one year, asmay be ordered by the competent authority in special circumstances and for reasons to be recorded in writing

By deputation, failing

which by direct recruitment.

10. Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion, deputation/transfer and the percentage of vacancies to be filled in

11. In case of recruitment by promotion, deputation/transfer, grades from which promotion/ deputation/transfer is

to be made.

By deputation from amongst the Block Development Officers of Rural Develop-ment Deptt. Himachal Pradesh Government or officers of equivalent rank other Departments in Himachal Pradesh oſ Government :

by various methods.

Provided that the officer to be appointed on deputation shall be a graduate in Science from any recognised University or equivalent.

Note-1. In all cases of promotion ad hoc service rendered int he feeder post up to 31-12-1983 if any, prior to the regular appointment to the post shall be taken which account towards the length of service as prescribed in these rules for promotion subject to the condition:

(a) that in all cases where a junior person becomes eligible for consideration by virtue of his total length of service (including ad hoc service including ad hoc service rendered upto 31-12-1983) in the feeder post, in view of the provisions referred to above, all persons senior to him in the respective category, post/cadre-shall be deemed to be eligible for consideration and placed above the junior person in the field of consideration:

Provided that all incumbents to be considered for promotion shall possess the minimum qualitying service of atlenst three years or that prescribed in the Recruitment and promotion Rules for the post, whichever is less:

where a person becomes ineligible to be considered for promotion on account of the requirements of the proceeding proviso, the person(s) junior to him shall also be deemed to be ineligible for consideration for such promotion.

Provided further that

(b) Similarly, in all cases of confirmation, ad hoc service rendered in the post upto 31-12-1983, if any, prior to the regular appointment against such post, shall be taken into acount to wards the length of Service:

Provided that the interseniority as a result of confirmation after taking into account adhoc service shall remain unchanged.

(c) ad hoc service rendered after 31-12-1983 shall not be taken into account for confirmation/promotion purposes.

Note-2.—Provisions of Rules 10 and 11 are to be revised by the Government in consultation with the Himachal Pradesh Public Service Commission as and when the number of posts under Rule 2 is increased or decreased. 12. If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition.

As may be constituted by the Government from time to time.

13. Circumstances under which the Himachal Pradesh Public Service Commission is to be

Commission is to be consulted in making recruitment.

14. Essential requirement

for direct recruits.

As required under the Law.

A candidate for appointment to the service or post
must be:

(a) a Citizen of India; or (b) a subject of Nepal; or (c) a subject of Bhatan; or

(d) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January. 1962 with the intention of permanently settling in India:

(e) a person of Indian origin

y a person of minat origin who has migrated from Pakista Burma, 5ri-Lanka. East Afvican Countaries of Kenya, Uganda, the United Repubs' of Tanzania formerly I anganyika and Zanzibar. Zambia, Malawi, Zaire and Ethopia with the intention of permanently settling influia:

Provided that a candidate belonging to categories (b). (c). (d) and (e) shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to an examination or interview conducted by the Himachal Pradesh Public Service Commission or other recruiting authority, but the offer of appointment shall be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India or Himachal Pradesh.

Selection for appointment to postby direct recruitment.

Selection for appointment to the post in the case of direct recruitment shall be made on the basis of vivavoce test, if the Himachal Pradesh Public Service Commission or other recruiting authority, as the case may be, so considers necessary or expedient by a written test or a practical test, the standard/syllabietc. of which will be determined by the Commission/other recruiting authority, as the case

16. Reservation

The appointment to this service shall be subject to orders regarding reservation in the services for Scheduled Castes/Scheduled Tribes/

may be.

Backward Classes/other categories of persons issued by the Himachal Pradesh Government from time to time

17. Departmental Examination.

- (1) Every member of the service shall pass a departmental examination as prescribed in the Departmental Examination Rules within the probation period or within two years from the notification of these rules. whichever is later, failing which, he shall not be eligible to:
- (a) Cross the efficiency bar next due ;
- (b) confirmation in the service
- (c) Promotion to the next higher post.

Provided that if a member becomes otherwise eligible for promotion, within the period mentioned above, he shall be considered for promotion, and if otherwise found fit shall be promoted provisionally subject to his passing the departmental examination. He may be reverted if he fails to pass the same :

Provided further that an officer who has qualified the departmental examination in whole or in part, prescribed under any other before the notification of these rules, he shall not be required to qualify in whole or in part of the examination as the case may be :

Provided further that an officer for whom no departmental examination was prescribed prior to the notification of these rules and who has attained the age of 45 years on the 1st March, 1976 shall not be required to qua-Departmental lify the

Escamination prescribed under the rules

Provided further that an officer who attains the age of 50 years shall not be required to pass the Departmental Examination for the purposes of :

- (a) crossing the efficiency bar next; and
- (b) confirmation in the service after completion of the probationery period.
- (2) An officer on promotion to a higher post in his direct line of promotion shall not be required to pass the aforesaid examination if he has already passed the same in the lower gazetted post.
- (3) The Government may in consultation with the Himachal Pradesh Public Service Commission, grant in exceptional circumstances and for reasons to be recorded in writing, exemption in accordance with the epartmental examination Rules. to any class or category or persons from the departmental examination whole or in part.

18. Power to relax.

Where the Government id of the opinion that it is necessary or expedient to do so it may, by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Himachal Pradesh Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons or post.

By order. M. K. KAW Commissioner-cum-Secretary (S. & T. F.).

भाग 4- स्थानीय स्वायत्त शासनः म्यूनिसिपल बोर्ड, डिस्ट्क्ट बोर्ड, नोटिकाइड बोर टाउन एरिया तथा पंचायती राज विभाग

# माग 5-वैयक्तिक भ्रधिस्चनाएं और विज्ञापन

In the Court of Shri J. N. Barowalia, Senior Sub-Judge, Kangra at Dharamshala

Succession Application No. 28 of 1987

Date of Hearing 8-12-1987

1. Smt. Keshwati, widow, 2. Sarup Singh, son, 3. Asha Devi, daughter, 4. Radha Devi, daughter, 5. Aruna Devi, minor daughter, 6. Ranjana Devi, minor daughter, 7. Sanjana Devi, minor daughter of Late Shri Karam Chand s/o Jamita, r/o Village and Post Office Khatiar, Tehsil Nurpur, District Kangra (Petitioner Nos. 4 to 7 through their mother Smt. Keshwati Devi petition No. 1) .. Petitioners.

Versus

The general public

.. Respondent.

To

The general public.

Whereas in the above noted case the above named applicants have filed an application in this court under section 372 of the Indian Succession Act in respect of the assets of Late Shri Karam Chand s/o Shri Jamita, r/o Village and P. O. Khatiar, Tehsil Nurpur, District Kangra who died on 30-6-87 at Khatiar.

Hence this proclamation is hereby issued to the above named respondant of the illaqua and the kith and kins of the deceased to file objection if any, to the grant of such Succession Certificate in this court on 8-12-1987 at 10 A.M. personally or through an authorised agent/ pleader failing which the petition will be heard and disposed of ex parte.

Given under my hand and the seal of the Court on this 10th day of November, 1987.

Scal.

J. N. BAROWALIA, Senior Sub-Judge, Kangra at Dharamshala.

In the Court of Shri R. L. Arad, Sub-Judge 1st Class, Arki, District Solan, Himachal Pradesh

In relation to:--

Shri Dila Ram s'o Shri Kiloo, t'o village Kolka, Pargana Ko'ka. Tehsil Arki, District, Solan, Himuchal Pradesh Plaintiff.

#### Versus

Shri Balia s'o Shiboo, r'o village Kolka, Pargana Kolka, Tehsil Arki, District Solan, Himachal Pradesh and others . Defendants.

# SUIT FOR DECLARATION

To

- Shri Sadh sio Shri Shibu, ro village Kolka, Pargana Kolka, Tehsil Arki, District Solan, H. P.
- Shri Bihari s/o Shri Dhani Ram, t/o village Kolka, Pargana Kolka, Tehsil Arki, District Solan, H. P.
- Shri Dhanpat s'o Shri Khialoo, r'o village Kolka, Pargana Kolka, Tehsil Arki. District Solan, H. P.
- 4. Shri Dhana Lal s'o Shri Swanu, r'o village Kolku, Pargana Kolka, Tehsil Arki. District Solan, H. P.
- Shri Lekh Ram s/o Shri Sawanu, r/o village Kolka, Pargana Kolka, Tehsil Arki, District Solan, H. P.
- Shri Chet Ram s/o Smt. Mathru, d/o Shri Sawanoo r/o village Ladog, Pargana Sandhurat, Tehsil Arki, District Solan, H. P.
- Smt. Batu d/o Shri Sawanu, r/o village Behal, Diaroo, Pargana Saryanj, Tehsil Arki. District Solan, H. P.
- Shri Durga s'o Shri Laturia. r/o village Kolka, Pargana Kolka, Tehsil Arki, District Solan, H. P.
- Shri Bali Ram s/o Shri Kiloo, r/o village Kolka, Pargana Kolka, Tehsil Arki, District Solan, H. P.
- Shri Sant Ram s/o Smt. Khindoo d/o Kiloo, t/o village Manol, Pargana Saryanj. Tehsil Arki. District Solan, H. P.
- Shri Bishan Dutt s/o Shri Labh Chand, r/o village Kolka, Tehsil Arki, District Solan, H. P.
- Smt. Ikadashi wd/o Labh Chand, r/o village Kolka. Pargana Kolka, Tehsil Arki, District Solan, H. P.
- Shri Dharam Singh s/o Shri Phulmu, r/o village Madet Pargana Kolka, Tehsil Arki, District Solan H. P.
- Smt. Ganpatu d/o Phulmu. r/o village Madet. Pargana Kolka, Tehsil Arki, District Solan, H. P.
- Smt. Sheela d/o Phulmu, r/o village Madet, Pargana Kolka, Tehsil Arki, District Solan, H. P.
- Smt. Lachhami Devi wd/o Shri Phulmu, r/o village Madet, Pargana Kolka, Tehsil Arki, District Solan, H. P.
- Solan, H. P.
   Shri Sudama s/o Shri Bardu, r/o village Kolka, Pargana Kolka, Tehsil Arki, District Solan, H. P.

- Shri Basant Ram s/o Shri Bardu, r/o village Kołka, Pargana Kołka, Tchsil Arki, District Solan, H. P.
- Narbada d/o Shri Bardu, r/o village Khanlog, Pargana Manju, Tehsil Arki, District Solan, H. P.
- Shri Lekh Rams/o Shri Ganeshu s/o Shri Sudagar, village Kolka, Tehsil Arki, District Solan, H. P.
- Shri Bali Ram s/o Shri Ganeshu, r/o village Kolka, Pargana Kolka, Tehsil Arki, District Solan, H. P.
- Shri Sadh s'o Shri Sudagar, r/o village Kolka, Pargana Kolka, Tehsil Arki, District Solan H. P
- Shri Prem Singh s'o Shri Devi Ram, rjo village Kolka, Pargana Kolka, Tehsil Arki, District Solan, H. P.
- Shri Narain Singh s'o Shri Devi Ram, r/o village Kolka Pargana Kolka, Tehsil Arki, District Solan, H, P.
- Shri Kansu s/o Shri Nagina, r/o village Kolka, Pargana Kolka, Tehsil Arki, District Solan H. P.
- Shri Kanshi Ram s/o Shri Bhagtia, r/o village Kolka, Pargana Kolka, Tehsil Arki, District Solan, H.P.
- Shri Kalia s/o Shri Navi, r/o village Kolka Pargana Kolka, Tehsil Arki, District Solan, H.P.
- Shri Balia s/o Shri Banpatu, r/o village Bambira, Pargana Matiyanj, Tehsil Arki, District Solan, H.P.
- Shri Gopal s/o Shri Ganpatu, r/o village Bambira, Pargana Matiyanj, Tehsil Arki. District Solan, H.P.
- Shri Mathura s/o Shri Surju, r/o village Kolka, Pargana Kolka, Tehsil Arki, District Solan, H.P.
- Sarswati d/o Shri Surju, r/o village Kolka, Pargana Kolka, Tehsil Arki, District Solan, H. P.
- Shri Dalaru wd/o Shri Surju, r/o village Kolka, Pargana Kolka, Tehsil Arki, District Solan, H. P.
- 33. Shri Dhani Ram s/o Shri Bardo, r/o village Kolka, Pargana Kolka, Tehsil Arki, District Solan, H. P.
- Shri Khem Chand s/o Shri Nikdo, r/o village Kılka, Pargana Kolka, Tehsil Arki, District Solan, H.P.
- Shri Chet Ram s/o Shri Nikoo, r/o village Kolka. Pargana Kolka. Tehsil Arki, District Solan, H. P.

Whereas in the above noted case it has been proved to the satisfaction of the court that the above noted defendents etc. can not be served in the normal course of service hence this proclamation under Order 5, Rule 20, C.P.C. is sused against the above noted defendents to appear before this court on 10-12-87 at 10 A.M. through a pleader or an authorised agants failing which the ex-parte proceeding will be taken against them.

Given under my hand and seal of the Court this 22hd day of September, 1987.

Seal.

R. L. AZAD, Sub-Judge 1st Class, Arki, District Solan (H. P.).

In the Court of Shri M. K. Bansal, Sub-Judge 3rd Class (i), Dharamshala, Himachal Pradesh

# Civil Suit No. 157/1987

Deity Mandir Virbhadra Kangra City, Himachal Pradesh through his Mohtmim Shri Ravidatt Gir Chela Shri Tulsi alias Swaru Gir, 1/0 Kungra, Tehsil and

District Kangra, Himachal Pradesh

Plaintiff

In the Court of Shri K. L. Sharma, Sub-Judge 1st Class. Lina

Varous

Masantu etc

. Defendants

To

2. Shri Ramesh Kumar 'isht s/o Shamsher Singh, 3. Deepak Thakur s/o Ram Singh Thakur s/o Ballu Shah, 4. Sudhir Kumar Visht s/o Ram Gopal Visht s'o Amar Singh all residents of Mant Khas. Tehsil and District Kangra Himachal Pradesh .. Defendants.

Whereas in the above noted Civil Suit it has been proved to the satisfaction to this Court that the above named defendants are evading the service of the summons and cannot be served in the normal course of the service. Hence this proclamation under Order 5, Rule 20, C.P.C. are hereby issued against them to appear in this Court on 3-12-1987 at 10.00 A.M. personally or through an authorised Agent or Pleader to defend the case, failing which ex-parte proceedings will be taken against them.

Given under my hand and seal of the Court on this 6th day of November, 1987.

Seal.

M. K. BANSAL. Sub-Judge 3rd Class (1). Dharamshala.

In the Court of Shri Ravinder Parkash, Sub-Judge 1st Class-I, Palampur, District Kangra, Himachal Pradesh

Succession Act 12/1987

Chander Kumari w/o Shri Durga Dass s/o Sesh Ram, r'o Ward No. 3, Palampur, District Kangra, Himachal Pradesh .. Applicant.

Versus

General public.

Petition under section 372 of the Indian Succession Act 1925 in the matter of succession and goods of late Shri Durga Dass Sood s/o Sesh Ram, r/o Ward No. 3. Palampur, Kangra, Himachal Pradesh.

T۸

Scal.

The general public.

Whereas in the above noted case the Petitioner(s) Chander Kumari has applied for grant of succession certificate in respect of Rs. 2600/- along with interest deposited in the name of Shri Durga Dass Sood in the State Bank of India under compulsory deposit Scheme 1974 (Income Tax Payers) in account of No. 1.T.P. 4 and 2. The deceased has executed a Will in favour of the applicant and as on the basis on the Will the applicant is claiming.

Notice is hereby given to the General Public, relations and kinsmen of the deceased Shri Durga Dass Sood that if any body has got objections, the same be filed in this court on or before 8-12-1987 at 10 A.M. personally or through pleader or through an authorised agent failing which the petition will be heard and decided ex parse.

Given under my hand and seal of the Court this 30th day of October, 1987.

> RAVINDER PARKASH, Sub-Judge 1st Class 1. Palampur, District Kangra.

Civil Suit No. 71/1986

Gulzara

Versus

Sher Singh, etc.

Versus :

1. Uttami Devi widow of Nasib Singh, 2. Bachittar Singh, 3. Jit Singh, 4. Jagdish Singh as/o Nasib Singh, 5. Deso, 6. Kunta, 7. Sheela ds/o Nasib Singh, r/o village Kungrat Majra Deetah, Sub-Tehsil Haroli, District

Whereas in the above noted case it has been proved to the satisfaction of this court that the above named LRs could not served in the ordinary course of service as they are evading the service of summons issued against

Hence, this proclamation U/O 5, Rule 20, C.P.C. is hereby issued against them to appear in this court on 5-12-87 at 10 A.M. personally or through an authorised agent or pleader to defend the case, failing which they would be proceeded ex-parte.

Given under my hand and the seal of the Court today the 10th November, 1987. K. L. SHARMA.

Seal

Sub-Judge 1st Class, Una.

बप्रदालन थी थी राम उब-रिजस्टार, जर्यानहपुर, तहसील नर्यागहपुर, विचा कांगडा

बन्गहमाः

पभी चन्ट

वनाम

पाम जनना

दरमवास्त बराये पंजीकृत किए जाने वसीयतनामा मृतवकी श्री स्त्रेम चन्द पूत्र बीरबन, निवासी उत्तरापुर, मौजा जयमिहपुर, नहसील जयसिंहपूर, जिला कांगड़ा हिमाचन प्रदेश जेर धारा 40/41 बाई0 बार0 ए**० 1908 ।** 

नोटिस उपरोक्त उनवान बाला में थी पूर्वी बन्द पुत्र खेम बन्द निवासी उत्तरापुर, मौजा जयमिहपुर ने एक देरस्वास्त पेण की है कि उसके पिता मतवफी ने एक बसीयतनामा दिनाक 25-2-72 को बहक प्रार्थी तहरीर करवाया है । उसे पंत्रीकृत किया जावे । इसनिए इस इण्तहार द्वारा भ्राम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को इस वसीयतनामा के पंजीकृत होने में यदि कोई उत्रर या एतरात्र हो तो वह भाईन्दा पेत्री दिनाक 8-12-1987 को इस ग्रदालत में ग्रसालतन या बकालतन सुबह 10 बजे पेण कर सकता है अभूरत दोगर वसीयतनामा पंजीकृत कर दिया जावेगा।

भाग दिनांक 10-11-87 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर जदाल मे जारी हमा ।

मोटर ।

श्री रामः यव-रजिस्टार, जयसिंहपूर जिला कागडा ।

वभदानतंत्री श्री राम, सब-रजिस्टार, त्रयसिहपुर, तहसील जयसिहपुर जिनां कांगडा, हिमाचन प्रदेश

वमकरमाः

जीवन ताल

बना म

धाम जनतः

दरस्थास्त बराए पंजीकृत किए जाने वसीयननामा मृतदफो श्री

चनाता रेशा पूत्र वर्गोवर विश्वामी सङ्गात झांट्यी, प्रश्नीत वर्गामसपूर नेर सारा दश/देश भाईकशारशया। स्थलको

संसंच्या बर्गशंका जानामकाया में भी जीवना रास पुरू का नामा जिनाओं इंग्लॉ सीचा वर्गामहरूप से का स्वान्ताम निका की है कि जंगके गिना गुल्वामों से गढ़ समीनगतामा निर्माण रास देश को पह रामी तहारी काश्राम है जीन गीवका निमा जाने है का जिस है। इस्ताहा होता साम जाना को हिम्म विमा जाने है कि गति विमा जानित का इस क्षीना नामा के निजीवन होते में गति कोई जना हो तो वह साईतन नेची विमाण काश्राम की में मान को समानगत मा जनानाम प्रकृत है। से में मान स्वान स्वान जीना वर्गीयन नामा विमाण के निमाण करना मान स्वान होता है।

्रभाव किलोत्र (१६) (१४० को सेटे क्रोमाचाः न मोह्नेट सर्वाणानीः काडी ह्रमाः ।

गोबंग ।

्ती शंगः, तत्र प्रविद्धाः, जयसिवपुरः, जिला कसिकाः।

त समायत भी शांच्या गश्च चयशत, सक्षायक गगाईमी द्वितीय भेगी, जिसका

्रभी कराण तसन सिंह संकरी वैत्री जेना जान पाट पुत्र वृक्षि सिंट, सिमार्गः भनागः तित्रशमी पीपः श्रीचार स्वराधः स्थापः वित्रशः सिंगाराः जिसानः स्वीतः वृक्षियः स्वीतः वृक्षियः

क्षीत्र श्रुत्ताव

नरम्बर्गाः वंग्यारा १४ वस्य वस्त्रम् सर्गानस्य शक्तिमम् । स्वतः

शाक्ष जिल्लोक क. ११० स.१ व ! एसार्ग्यालाम्य न संबद्धाः सम्बद्धान्य से. वाकी किसासमार

योक्षा ।

गामा गाम भनगात. मझगण मनावमी द्विमीय जेगी, शिमता, जिला विश्वमा ।

प्रथमहार भणकारी केर धार्केर ६, करा २०, मी० पी० कीत

त्रधनाचन महमीच्यार प्रज्यसम्या धर्म सहायकः समाहम् ध्रमाः चैंगी (मृतुसार संधिकारी), वृत्त कर्ताः सहमीत् व विस्ता कर्ता हिसायस्य धरेशः

महा सिष्ट पुत्र पत्रकाः, तिवामी शत्रकाः, त्रह्माः व प्रतित्वा क्रमाः । सामानः।

4414

सभ्यः, मैटणः पुत्र तेनी दीमाः सिक्षामी ज्ञ्चा सक्षमीय न विजयः अस्यः । । प्रशिक्षेत्र कीमाः।

- गण्यामः प्रधानी काशांत्र व्यामा गरेवारः ४८१, व्यामीनी संदेश ४७ व्यामा व्यामा प्राप्ताः । १४ १८६४-२०४, विल्लाः २, राज्याः लावातीः । १९ । व प्राप्ताः प्राप्ताः सीताः स्थ्याः, सप्तमीच व जिल्लाः कृताः ।

प्रशासन मुणबुसा (वरमभागन वनम्त्री प्रशास) में मान् लैंडण,

क्ष्मुक महीकीत की तम्म को जन्म पना पर गर्त नार समापे सेनी माम समुक्र समान भागीत कृतिस्था की रिमार्ट में पोपा करना है कि जनक फड़ीकीन बीतमा किया गया नाहिए रहाने हैं।

सान चर्गणक गरीकीत बीगण की बर्गाणा क्याबार सम्बन्धी मुक्ति किया कोता है कि यह क्या गणवृत्ता की गैंकी हेत हमारी सान का सकता करता से समानता गो कातनाम निर्माक । १५ हुन को साम १० अने झालर गाने । गैंड झालरी वी झूल्य में कार्यवाझी एक नामा साम में नाम जालेगी।

धान प्रमासा प्रमारे व मोहः यमाना में नारी हवा।

1787 |

सहायकः गमाहर्मा प्रथम चैली चन कता । इत्तहार सम्बन्धी जेरुसाईर द, रूल ३०,सी०सी०सी०)

सम्पाना मि/-

वधवानम् सङ्ग्रीनवाः ग्रायवाया गर्वे सङ्ग्रायकं समाहसर्वे प्रथम चेली (मृत सूमार समिकारी), वस कता सङ्ग्रीत व जिला कता, हिताचन प्रवेश

नंगण निम्न पुत्र पर्ना मिल, निकामी जन्मा, नमुगील स कियर कता साम र ।

##f#

चगरा, मैतण्, दशर पुत्र नेत्री दीशा, निवासी संस्था, सम्रमील शतिका समा प्रासीनीय तीलगा।

त्रश्माम्य वैभगी इक्शन वाक्या समाग सम्बर्ग ४०७, स्वीती गोकर ६७४, व्यापा सम्बर्ग १३६, सामावी रेगवा ४ र गामस्य वाक्या गीका स्वक्षा, सहस्रोण व जिला क्या ।

जनम नेप्यकारण मुक्तिणी घरडोग राजाँगिण में जोरे मानागत हैं। इस् प्रकृतकार्त में गरीकील जीवण माना, वीहणू, क्रण को कर्क बार साम जनम नेपा पर मोचे साग । माना नामील कुनित्वा से पाना साम कि जनगणकीलील नेपास किया पाना बाहित क्रमो हैं। क्रम जिस फरीकील को सामारण बंग से समय की नामील मही हो सनली है।

धन उत्तर करीकीत बांगम को बजिशा क्षमहार यात्रन किया बाना है कि त्रह उत्तर एकहुंशा की गिन्धी हेतु हमानी धनालन गुकाम इता में धनालमान या प्रशासना जिलाक 3 12-87 मध्य 10 बच्चे हात्रक धार्ष । गिन्हीकर्रा की धुन्न में कार्यनाही एक गुण्या धयन में लाई वांगी।

हम्यामा समारं म मोहर धनामय में नारी हुआ।

HIR!

. सहायत पंगाहती, पश्च श्रीकृत सर्गकताः ।

डण्लद्रीर चलावारी जेर कावैर ५, वल 20, मीतमीत बीत

बंधवा राग सहसी वार्षार चू स्थापना । एवं सहो धर्मा समाहती चर्बाच लेली, वृत करार, तहसी र म जिला कमा, हिसामान धर्मेको

(1) श्री मीनी मित्र पुत राज मित्र (ई) श्री मेना मित्र पुत गर्म मित्र (1) वंशी नेवी निवना राज मित्र (1) कसीन मित्र पुत्र नेता मित्र (8) जुन्म मित्र (म) करनेत मित्र पुत्र मेना मित्र (7) निस्ति निवना नेता सित्र (स) नरमेग मित्र (9) बननेत्र मित्र पुत्र शीमनी जीना नेवी, निवासी नगरेकुद्दा, सक्ष्मान न जिला कर्मा

#### 4711

(1) श्रीमती कीग्रम्भ नेत्री, (2) गत्या नेत्री पूत्री राम सिन्न,
 (3) गुण्डीस सिन्न पूत्र श्र (4) सामित्री वेत्री,
 (4) गुण्डीस सिन्न पूत्र श्र (4) सामित्री वेत्री,

्षा वृत्ती Inn ंसि) मात्रिकी (४) पुत्र्वी पूर्वी पूर्वी (#) मृत्येव शिक्ष. (a) त्वारी मेनी गुली वा: रा मेनी, (111) सतेतर, (111 हुत्वती पूर्वा पालामी, (१४) पता गिह, (१४) गापणा मिह पूर्व नजाती (14) विशास सिंह पूज भते विश्व, (18) नाम न्यानी (असना न (18) मजमान गित्र, (17) रासती मेना पूजी जाना मित्र [ | n) मार्नाम सिम. ( | 0) करवेल वित्र, ( 10) ग्राफेल विक्र ( ) ।) संशिक्ष मित्र. ( 22) अन्ते १ लिस पूज सेहर स्मित्र ( + 1) रसा स्थार (वर्त) बार्तार कोर. (ब्रह्म) गुर्गाती पूर्वी मेरू पिछ (व्रष्ठ) प्यारी प्रमुख मेरूर पिछ, (व्रा) प्यारी पिछ (ब्रह्म) कोरी वेची पूर्णी, ( १६) रातिमा गोर पूर्णी गीता मेनी, जिलाको तीना बसलेहर नहतील न जिला गर्मा हिमालल गर्मेण mfifte firm i

नामा संगर्भीम गराजी माना नाबर ४४०, समीती सम्बर ५०७, किन्ता स, रश्या माणांकी तः व काताल कावण सीला असर्वस्रवा प्रस्तेत । व विवा समा ।

रक्षाम मुक्त्रमा में उपरांत्रम फरीन भागन का कर्ष बार समय जाने बार समार रियोर्ज समान नाची । पूर्तिरत में साथा समा है। प्रशासन विका पना बाहित रहते हैं । त्यांति हर, १०४४ एक प्रशास व कार्तात्र व मा मन्त्री है।

सन् इत्तरीका फरिकेत बीधम का बर्मात्मा साम्बार ह्यासार मुचित्र किमा नामा है है। यह उत्तर गर्यक्रमा की वैर्ग्या है। श्रामा तमन मा सकानमन बतारी श्वाचन गकाम कता में दिनांत मा १४ है। की समय १। अने ब्रामर वालें। मैर शामरी की मन्त में कार्यश्रामक त्रका समज में जाई जानेगं।

हरनाक्षर हुमारे व सीतर धवाना ये नारी हया।

tifff !

Mealellial-यक्षामक वयाव्यति प्रथम चीना वन करो।

ु कुरुम्मार राजनारी चेर सार्केट ६ रूच २०, (मी।।पी।। मी।।)

वसकातस सहसीसकार भूग भगापाल एवं गूण सुवार अधिकारी ब्रम् सहायक गराहर्यो प्रमध् ला। शहा नहंगील वे विचा करा। But in agai

स वर्त स्थल मिल गुल करवाग सित विकासी समयाता महमीय व जिला ऊसा माग्य व ।

क्रमन मान पृष्क प्रपामः पन्य निकामी बद्यक्षानाः करे।क बोधम नहसीम म निना सना।

तरम्बास्य करानी हाद्वात नावण खाला गरनर ५८७ सणीनी गरनर छ। । व्याग माचा अ । । । र रक्ता नावादी । अक्ताल वावान सीमा पहेंगाना लक्षमील व चित्रा कता, क्षिमात्रम परेश।

अगरीया वेरम्यास्य वृक्षस्त्री प्रसाम ध्वामय ब्रमा में गेरे समायन है। प्रकृत क्षत्रक्षम्। इस में की का मोधान मानुष्याम की कर मान प्रकृत प्रमा पर मधन रोजे भरी। नामील सभात कृषित्यों। से मार बार मजी रिगीर्व हुई मि परिषद मीमा विकास प्राथम काहर रहता है।

भूग प्रशिक त्रीयम् जगरमात्र पुत्र स्थामा नम्ब को पत्रश्यि। इस्पत्राव श्रमाश्वारी सुचित किया जाता है कि यह उतन गुक्तव्याको निज्यी तेम् इतारे कार्यात्य एकाम कता व धनामनत् या मकालनम् निर्माक अ. १५-१ प्रमृत को प्रमृत् । सम्मृतिक प्रमृति । साम्मृति की सूत्रम् से कार्यम्(ही) शक्तमण्या समाम में नार्व नार्वेशी।

मान्यास्त्र सेरे मा संस्था सन्यासन में बारी हुया।

वस्त्रामारम/-महागक मन।हनी, धनग चेनी, उता । रं राषाच्या व उत्तेष वृश्य गार्थी सहस्रातः स्वत्यक्रमी । सार्थन वहसंस्थलस #in\*: 1

त्र ग्राम्बमा नगर्नाक प्रथमको । त्रीत ४० ब्राग्यन गराक्य प्रथमको पांच्या महात सर्वत्र, मीत्रा कांडी उपरची, पहर्माप गोगवा ।

- युमापः चन्यः, पुरेशः क्रुपारः, भीवतर सिक्षः (पुत्रः) सर्वत्तरस्तिः तत्त्वत्रः राजकुमार्गः, कमलेशः सुमगः वैत्रीः, पुतियाः, चौमनी जीगत्सः सेवी विद्वता स्वरः राम, तीप वस्त्र जगतीम कृषार, पूर्णार कृषार पूत्र गर्व चीमवी मुदेश कृषारी रमनाः पुत्रीः मिला रामे निवासी राह्या ब्रुपलीः, प्रदर्भाः कोगक्षाः।

पांच जनमा संगयुः, पूज जैन्, निवासी समैक् सी रा नाती प्राप्ता महरी च च जिला करिया ।

हरगात ग्राह्ममा उपकार काला में कामानी जी संगत मार्टिक हो। तामता महोत्र करीत्, मीमा उत्तरकी तहसंत्र मुख्यित शासा, सरसा तम वर्ग में मागमाझे चीर क्याके चीनिनकाबे वे बार संवार्त एका मही है। प्राप्तकान वर्गायम तंता ता ता सहात सर्वेषु बहुक गतान वाल सर्वन वर्गमान न में है । भाग- क्रम क्रमाहरू का राज्यात जाना कर मुख्य किया है हा है है कि उन्हें संगय क्रारीकन के जिल्हा होता व क्रायत कहर संज्ञास कर खाकि हींगी में की बैं एमराज हो। मेर महा समाजमत या प्रशासन विर्तत । १ ५ १ को स्था अवश्यम में इश्वर इंकि. १ कर सकता है । क्यू जिल्हा त कार प्रदारका कार्य-मात्री समार्ग में लाई बार र पैसला प्रासन बहर एसल बल साहि का राज mr fant miffni !

मान क्रिकोंक 4 () के की मिने हरवाला जिल्हाहर असाव के वारी हचा ।

nifft !

graffra) महाचर गयाहता हितीय सेनं.

ring: 1 ब बना का मीना राम गर्मी महागक मगाञ्चली, उहार जानहा

व मुक्कुमा रामतीक इस्तकात मीरा ।।। बरागन राज्यान्ती बाबता गरान हार भीना बलाई। महर्गाल व किला गोमका

ब्रोगानी सोहकी बेटी, विश्वा रहेना वस्थ्यूच रामव पाव प्रीसर्वी बार्मा वेबी, जीमनी मन्त्रा वेबी पूर्वा समय याणा है। गोबा नजाबी

मन(!!

मास बतमा बन कर पूत्र समय सम निवासी हार यो ना मनावी लक्षीत अविकासंगद्या।

अरमाट मुख्युमा जनमान काला से परमाणी भी अप जन्म माहिक मती जावणा महाल हार मीजा जनावी, महमीय व जिला गांगहा भागा An भर्त में जाराता है भीर इसके जीवित होते के बार कोई युवना नहीं है। कृत्यकाण बरामान र्गतः ।।। महान् हारं बहक् भीगमी गांह्रवी वेती पार्वि भारमात नर्ते हैं। सन देश रुक्तहार बारा चाम गतना की मुणिन रिया जाना है कि उन्हें अप जाम उपरोक्त क जिल्हा होते के कामन महक मीमनी गीवर्षी थानि वाश्माम के ब्रांमें में कोई एमझा व ही यो यह समाजनन यह मुकालसूत् निर्णितः । तः अतः की कुम् धनायमः में मात्राण होकः कर सकता है । वसुरत जीसर यह तरफा कारवाई चमल में लाई जावेसी। कैंगला बरामत वहर भीगनी सोबंबी थाति वास्ताम का विमा कावेगा।

चान रिनांक ६ (३ मारको मेरे हरूलकार व मोहर चरा लामे कारी Rett 1

HIE!

grainfin/-सहानक यसाहः। ब्रिकीय थेगी, atual 1

म सदानगं सक्षासक समावसौं धणम नेजी, बण्यण, जिला अधीरणः

कामार्गी वास नेकी विश्वाम मं ॥ 7 12 1987

सीक्षण सित्त सूपूल कार्यु राग्न, पार्शी निवर्णी, मन्मा पाञ्चल, सहसील

मीहर ।

बड्मर जिता हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश

कागोर सिंह, सत्यदेव, कमला देवो, सुन्दर पुत्र गुचावा, हरीचन्द, ग्रमर बन्द, प्रेम बन्द, जान बन्द, कर्म बन्द, काशो राम, दलीपू, रोजन, कम्मोरा पुत्र रमल, दया राम, रिखी राम, श्रीमती चानो देवी, रानी देवी, कमला देवी पुत्रीयान रमल, डिफो, विधि चन्द, केवल राम, जुलफी राम, चरणदाम, चुन्नू राम, निका राम, रत्न चन्द, बोहरा, काशी राम, निकू, निका दुर्गी देवी, गायत्री देवी, विजय कुमार, सनोप कुमारी, सुमना देवी, प्रोमीला देवी, गरीब, धनन्त राम, चन्द्र, वामीयान ठमाणी मंझली, तप्पा लोहडर, तहसील वडसर व सरकार बजरीया कुलैक्टर हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश । . . फरीकैन दोयम ।

दरक्वासत बामुराद नकसीम धराजी मृन्दर्जा, खाता नम्बर 17. खतौनी नं ९ 20 ता 47 समरा नम्बरान किता 66, रकवा नादादी 114 कनाल 13 मरले, रक्बामजरूमादीखल वाच्छ, गैर मजरूमा, रबारजवाच्छ मुन्दरजा जमाबन्दी 1981-82 वाक्यः टीका ठमाणी मझली, तथ्या

नौहडर, तहमील बहसर। उपरोक्त मुकदमा में उपरोक्त फरोकैन दोयम को कई बार समन जारी किए गए व मुणत्री मन्यादी भी करवाई गई परन्तु वह निश्चित नारीख पेजो पर हाजर प्रदालत न ग्रा रहे हैं। ग्रतः ग्रव बजरीया राजपत्र इस्तहार समस्त फरीकैन दोयम को मूचित किया जाता है कि वह दिनांक 7-12-87 प्रात: 10.00 बजे इस ग्रदालत में भ्रमालतन या वकालतन हा वर होकर मुकदमा की पैरवी करें भ्रत्यया एक पक्षीय कार्यवाही स्रमल में लाई जाएगी।

हन्ताक्षर मेरे व मोहर घदालत में बाजदिनांक 23-10-87 को जारी हमा ।

राज् राम धीमान, महायक समाहर्ता, प्रथम श्रेणी, तडमर।

न्यायात्रय श्रीमती उपमा बौधरी एबोरटी बन्डर पेमैन्ट ब्राफ

वेजिन एस्ट, 1936 चौरान, जिना जिसता. हिमाचल प्रदेश ।

 श्री तैन निह पुत्र श्री गर्ब, ग्राम करावग, परमना बनोग, नह तो न श्रिनाई, जिला निरमीर, हिंसाचन प्रदेश।

 श्री रती रामपुत्र श्री राम दत, क्षाम मरावन, परनता बनोग. तहमीन जिलाई, जिला सिरमीर, हिमाचन प्रदेश

 श्री देई राम पुत्र श्री बृद्धिया, निवासी भ्रवास, परगता हासल, तहसील चौरान, जिना शिमना, हिमाचन प्रदेश नोटिम बनाम :

श्री टीका राम पुत्र था मगती, निवामी बरावग, तहसील बिलाई, जिला मिरमीर, हिमाचल प्रदेश।

2. श्री चन्दन सिंह पुत्र श्री वितया, निवासी डिनडी, तहनी न निगर्द, जिना निग्मीर, हिमाचन प्रदेश।

3. श्री मोतः राम पुत्र श्री कटिया, निवासी गरावग, तहमान मिताई, जिना निरमौर, हिमाचन प्रदेश।

4 स्त्रों (क्षण पुत्र नानक, निवासी जरावग, तर शेर शिराई. जिला सिंतीर, हिमाचन प्रदेश।

5. श्री तेलू पुत्र श्री बदू, निवासी गरावग, तहसीत शिलाई, जिला सिरमीर, हिमाचन प्रदेश।

 श्री कल्याण सिंह पुत्र श्री मोना राम, निदामी गराबग. तहसोन जिनाई, जिना विरमीट, हिमाचन प्रदेश।

7. श्री दौरन राम पुत्र श्री धन्, निवासी पावरी, नहमी न जिलाई, जिला सिरमीर, हिमाचन प्रदेश।

श्री सही राम पुत्र श्री कितया, निवासी गरावग, तहसील

शिलाई, जिला सिरमीर, हिमाचल प्रदेश। श्री बनिया पुत्र श्री बना, निवासी मृगारी, तहसीन शिलाई, जिला सिरमीर, हिमाचल प्रदेश !

10. श्री देवदू पुत्र श्रा मित्र्यू, निवासी विवरीतो, परगता सतीता,

तहसीन बौराल, जिना शिमला हिमाचल प्रदेश।

11. श्री तेल पूत्र श्री कनम्, निवासी पंडोग, नहसान जिलाई, जिला सिरमौर, हिमाचन प्रदेश।

12. श्री कांनी राम पुत्र श्री मुखिया, निवासी नरावग. शिलाई, जिला सिरमीर, हिमाचल प्रदेश।

13. श्री हीरा पुत श्री जेठू, निवानी गरावस, तहसीर शिवाई, जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश।

14. श्री खयाल् पुत्र श्री तंखक, निदासी गरादग. तहमील जिलाई, जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश।

15. श्री मोहतू पुत्र श्री को बट्, निवासी बदीयार, तहसील शिनाई, जिला सिरमौर, हिमाचन प्रदेश।

16. श्री करिया पुत्र श्री मोहत्, निवासी वदीयार, तहसील शिताई, जिला सिरमीर, हिमाबन प्रदेश। श्रो रत्तन पुत्र श्री मोह्तू, निवासी वदीयार, तहसोल णिलाई,

जिला सिरमीर, हिमाचन प्रदेश । 18 श्री ध्यान सिंह पुत्र श्री शोभ राम, निवासी डिमठी, तहर्सान

जिलाई, जिला मिल्मौर, हिमाबल प्रदेश। 19. श्री सीगू पुत्र श्री धंगू, निवासी पवोरी, तहमीन श्रिनाई,

जिला सिरमौर, हिमाचन प्रदेश। 20. श्री गंगा राम पुत्र थी मौजो राम, निरासी पजोरं, तहसील णिलाई. जिना सिरमोर, हिमाचन प्रदेश।

21. श्रा धंगू पुत्र श्री मोलू राम्. निवासी पबोरी, तहसील जिलाई, जिला सिन्मीर, हिमाचन प्रदेश।

22. श्रो भीम सिंह पूत्र श्रो कालू राम, निवासी गरावग, तहसील

शिवाई, जिला मिरमीर, हिमाचल प्रदेश। 23. श्री बंसी नाम पुत्र श्री मीना राम, निवासी गरावग, तहसील शिताई जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश।

24. श्री मनी राम पुत्र श्री मुपा राम निवासी डिमठी. तहसील श्रिलाई, जिना मिरमौर, हिमाचल प्रदेश।

25. श्रो बारु राम पुत्र श्रो जटू राम, निवासी शरोग. नहसीच

जिलाई, जिना सिरमीर हिमाचन प्रदेश। 26. श्री मदन सिंह पुत्र श्री जांगा राम, निवासी डिमठी. तहमील शिनाई, जिला सिरमीर, हिमाचल प्रदेश।

27. श्री मन्त राम पुत्र श्री धरम सिंह, निवासी डिमटो श्रीतमील शिलाई, जिरा सिरमार, हिमाचल प्रदेश।

28. श्री मूर्जिया पूत्र श्री साहिब्, निवासी डिमठी, तहसीन शिनाई. जिता सिरमौर, हिमाचन प्रदेश।

29. श्री जवाहर सिंह पुत्र श्री महीवृ, निवासी डिमठी, तहसील मिनाई, जिता सिरतीर, हिमाचन प्रदेश।

30. श्री गुलाबू पुत्र श्री नन्ता, निवासी डिमर्ठा, नहसील शिलाई, जिना सिरमौर, हिमाचल प्रदेश।

नैन सिंह व रती राम प्रार्थीगण । ता 2 ने इस न्यायालय में एक प्रार्थना पत्र जेर भ्रार्डर 1 रूल 8 जाबता दीवानी इस न्यायालय में गुजार रना है। कि उत्तरोक्त प्रार्थीगण 1 ता 30 तक जोकि इस न्यायालय की सीमा से बाहर रहते है तथा उन की समन से तामील करवाना मुशकित है उनकी स्रोर से सर्दश्री तैन सिंह व रती राम ने दई राम फरीकदोयम के खिलाफ जेर धारा 15(2) पेमैन्ट ग्राफ वैजिज ऐक्ट, 1936 पु 0 13, 434 रुपये का दावा कर रखा है।

भातः प्राथमिण उपरोक्त । ता 30 को इन्तहार हजा से सूचित किया बाता है कि मुक्टमा में अगली नारीख पेशी मिनि 3-12-87 की निश्चित की गई है। जिस में उनकी झार से मर्बधी नैन सिंह व रती राम पैरबों करेंने तथा ग्रनलो नारीख पेणियों में भी उनकी भोर से पैरबो करेंगे।

दितांक 23-10-87 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर खबा नत से जारी किया

उपमा

मयोरिटी, मन्दर पेमेन्ट साफ वैजिज ऐक्ट. चौपा न. जिला शिमला।

# भाग 6---मारतीय राज्यत इत्यादि में से पुनः प्रकाशन मृत्य

नाम 7—नारतीय निर्माचन मानोच (Election Commission of India) को वैद्यानिक अधिसूचनाएं निर्वाचन सम्बन्धी अधिसूचनाएं सन्य

> धनुपुरक वृत्य

नियन्त्रक, मुद्रण तथा लेखन नामग्री, हिमाचन प्रदेश, शिवना-5 द्वारा मुस्तित तथा प्रकाणित